जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

## गाजियाबाद के इंदिरापुरम में बेटे, बेटी को मार कर

# कारोबारी ने पत्नी व महिला सहयोगी संग की खुदकुशी

आशीष दुबे
गाजियाबाद, 3 दिसंबर।

इंदिरापुरम के वैभव खंड स्थित कृष्णा सैफायर सोसायटी की आठवीं मंजिल से कूदकर एक कारोबारी, उसकी पत्नी और कारोबार में सहयोग करने वाली एक महिला ने मंगलवार सुबह जान दे दी।

फ्लैट की बालकनी में तीन कुर्सियां लगी मिली हैं। कुर्सियों पर चढ़कर एक साथ सुबह करीब सवा पांच बजे तीनों ने आत्मघाती कदम उठाया। इससे पहले कारोबारी ने अपनी 18 वर्षीय बेटी और 15 वर्षीय बेटे को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने बताया कि कारोबारी ने दिल्ली में रहने वाले अपने भाई हरीश वासुदेव को वीडियो कॉल के जरिए बच्चों की हत्या करने और खुद के

**18 साल** की बेटी और 15 साल के बेटे को मारा
**फिर** आठवीं मंजिल से कूदकर जान दी
**कारोबारी** गुलशन ने आर्थिक तंगी के चलते उठाया आत्मघाती कदम
**सुसाइड** नोट में साढू को ठहराया जिम्मेदार
**साढू** के साथ दो करोड़ रुपए को लेकर विवाद चल रहा था

घटनास्थल पर पुलिसकर्मी

आत्महत्या करने के फैसले की जानकारी भी दी।

पुलिस के मुताबिक कारोबारी ने बेटे की हत्या गर्दन पर चाकू से वार कर और बेटी की हत्या गला दबाकर की। कमरे की दीवार पर लिखे सुसाइड नोट में कारोबारी ने अपने साढू राकेश वर्मा को जिम्मेदार ठहराते हुए आर्थिक तंगी की बात कही है। साथ ही पांचों शवों का अंतिम संस्कार एक साथ बाकी पेज 8 पर

# पाक गोलाबारी में महिला और किशोर की मौत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

जम्मू-कश्मीर से सटी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से बीते 24 घंटे से रुक-रुककर भारी गोलाबारी की जा रही है। पाकिस्तानी सेना के जवान रुक-रुककर पुंछ जिले में एलओसी से सटे तमाम हिस्सों में रिहाइशी इलाकों और सेना की पोस्टों पर गोलाबारी कर रहे हैं।

रिहाइशी इलाकों में गोलाबारी के कारण दो स्थानीय नागरिक मारे गए हैं। इसके अलावा नौ लोग घायल हुए हैं। गोलाबारी का भारतीय सैनिकों ने करारा जवाब दिया है।

फाइल फोटो

रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, पाकिस्तान ने मंगलवार को दोपहर करीब 2.30 बजे पुंछ से सटे दो सेक्टरों में गोलाबारी की।

पाकिस्तानी जवानों ने पुंछ के शाहपुर और केरनी सेक्टरों में 182 एमएम के मोर्टार दागे, जिसके कारण यहां कई मकानों को भी नुकसान हुआ। घायलों को अस्पताल ले जाया गया। एलओसी पार से गोलाबारी जारी है।

प्रवक्ता के मुताबिक, शाहपुर सेक्टर में पाकिस्तानी गोलीबारी और गोलाबारी में 35 वर्षीय एक महिला गुलनाज अख्तर और 16 वर्षीय एक बाकी पेज 8 पर

## किश्तवाड़ में आतंकी पकड़ा गया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

जम्मू कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के एक जंगल क्षेत्र से एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया और बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ के एक संयुक्त अभियान में दचान तहसील के साउंदर गांव निवासी तारिक हुसैन वानी को सोमवार की रात इखला पलामार जंगल में एक अस्थायी ठिकाने से गिरफ्तार किया गया। आतंकवादी को बाएं पैर में गोली लगी थी और उसे तुरन्त किश्तवाड़ के जिला अस्पताल ले जाया गया। वानी 14 नवंबर से लापता था। उसके पास से एक 303 राइफल, एक मैगजीन और 64 कारतूस बरामद किए गए हैं।

## 51 भगोड़े आर्थिक अपराधियों ने लगाया 17,900 करोड़ से ज्यादा का चूना

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

आर्थिक अपराध कर देश छोड़कर भागने वाले 51 लोगों ने कुल मिलाकर 17,900 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है, सरकार ने मंगलवार को संसद को यह जानकारी दी। वित्त राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राज्यसभा में भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

**वित्त** राज्य मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि ईडी और सीबीआइ ने इन मामलों की जांच में जुटी है।

**ईडी** और सीबीआइ ने सक्षम न्यायालयों में इन मामलों के संबंध में आवेदन दायर किए और जांच अथवा दूसरी कार्रवाई जारी है

मंत्री ने कहा, 'सीबीआइ ने बताया है कि आज तक, 66 मामलों में 51 फरार और घोषित अपराधी अन्य देशों में भाग गए हैं।' उन्होंने कहा, 'सीबीआइ ने रिपोर्ट दी है कि इन मामलों में आरोपी व्यक्तियों द्वारा दी गई कुल लगभग 17,947.11 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई है।' उनसे पूछा गया था कि इन घटनाओं में कितनी रियायतें दी गई थीं या कर्ज माफ किए गए थे। उन्होंने कहा कि ईडी और सीबीआइ ने सक्षम न्यायालयों में इन मामलों के संबंध में आवेदन दायर किए और जांच अथवा दूसरी कार्रवाई जारी है। ठाकुर ने कहा कि सीबीआइ, घोषित अपराधियों और फरार लोगों के संबंध में 51 प्रत्यर्पण अनुरोधों पर काम कर रही है, जो विभिन्न चरणों में लंबित हैं।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीमा शुल्क विभाग (सीबीआइसी) ने छह भगोड़े आर्थिक अपराधियों के बारे में रिपोर्ट की है जो अवैध रूप से देश छोड़ गए हैं।

## एसपीजी कानून में संशोधन को संसद की मंजूरी | प्रधानमंत्री के पद छोड़ने के बाद पांच साल तक सुरक्षा

# केवल प्रधानमंत्री को विशिष्ट सुरक्षा घेरा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

संसद ने एसपीजी कानून में संशोधन करने वाले विधेयक को मंगलवार को स्वीकृति दे दी। इसके तहत प्रधानमंत्री तथा पद छोड़ने के पांच साल बाद तक पूर्व प्रधानमंत्री को यह विशिष्ट सुरक्षा घेरा प्रदान किया जाएगा।

सरकार ने यह साफ किया कि यह प्रस्तावित कानून गांधी परिवार के सदस्यों को ध्यान में रखकर नहीं लाया गया है क्योंकि इसे लाने से पहले ही इस परिवार के तीन सदस्यों की सुरक्षा श्रेणी को एसपीजी से बदलकर जेड प्लस कर दिया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने एसपीजी (संशोधन) विधेयक बाकी पेज 8 पर

### 'हमारे नेताओं का जीवन जोखिम में डाला गया'

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि बाकी पेज 8 पर

### 'प्रियंका की सुरक्षा में सेंध मामले में तीन सुरक्षाकर्मी निलंबित'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के सुरक्षा घेरे में लगी सेंध मामले में तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस घटना की उच्चस्तरीयजांच की जा रही है। इस मसले को संसद के बाकी पेज 8 पर

## गृह मंत्री ने कहा, राजोआना को कोई माफी नहीं

जनसत्ता ब्यूरो/एजंसी
नई दिल्ली/चंडीगढ़, 3 दिसंबर।

गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के दोषी बलवंत सिंह राजोआना को कोई माफी नहीं दी गई है।

सदन में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य और बेअंत सिंह के पौत्र रवनीत सिंह बिट्टू के एक पूरक प्रश्न के उत्तर में शाह ने यह जानकारी दी।

**पंजाब** के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी बलवंत सिंह राजोआना के बारे में गृह मंत्री के बयान को शिरोमणि अकाली दल ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि दल का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से मुलाकात कर उनसे इस मामले पर चर्चा करेगा।

बिट्टू ने सवाल किया कि क्या राजोआना को माफी दी जा रही है? इस पर शाह ने कहा- मीडिया रिपोर्ट पर मत जाइए। कोई माफी नहीं की गई है। राजोआना बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी है।

इस बीच चंडीगढ़ से एक रिपोर्ट के मुताबिक शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने अमित शाह के बयान को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बाकी पेज 8 पर

## मुंडे ने कोरेगांव-भीमा हिंसा मामलों को वापस लेने की मांग की

मुंबई, 3 दिसंबर (भाषा)।

राकांपा नेता और विधायक धनंजय मुंडे ने पुणे में कोरेगांव-भीमा हिंसा से संबंधित मामलों को वापस लिए जाने की मांग की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नाणार रिफाइनरी परियोजना और आरे मेट्रो कारशेड प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले वापस लिए जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के कुछ दिन बाद मुंडे ने यह मांग की।

**ठाकरे** को लिखे पत्र में मुंडे ने दावा किया कि राज्य की पिछली देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सामाजिक कार्यकर्ताओं समेत कोरेगांव-भीमा घटनाक्रम में शामिल लोगों के खिलाफ 'झूठे' मामले दर्ज किए थे

भीमा कोरेगांव युद्ध की 200वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित 'एलगार परिषद' के सम्मेलन में दिए गए भड़काऊ भाषण के एक दिन बाद एक जनवरी, 2018 को पुणे जिले के बाकी पेज 8 पर

## करतारपुर कॉरिडोर से फैसलाबाद जाते पकड़ी गई भारतीय युवती

लाहौर, 3 दिसंबर (एजंसी)।

भारत की सिख महिला पाकिस्तान के करतारपुर दौरे के समय बिना वीजा के पाकिस्तानी व्यक्ति से मिलने के लिए फैसलाबाद जाने का प्रयास किया।

**भारत** की निवासी 20 वर्षीय मंजीत कौर स्वदेश भेजी गई, पाकिस्तान के सुरक्षा अधिकारियों ने भारतीय समकक्ष को सूचित किया

महिला ने करतारपुर कॉरिडोर से फैसलाबाद जाने के लिए पाकिस्तानी की एक महिला के परमिट का इस्तेमाल किया था। पाकिस्तान के अधिकारियों ने महिला को भारत भेज दिया है।

पाकिस्तान के अधिकारियों ने महिला के दोस्त व उसकी मदद कर रहे दो साथियों को गिरफ्तार कर लिया है जिसमें एक महिला है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि करीब 20 वर्ष की मंजीत कौर नवंबर के अंतिम हफ्ते में बाकी पेज 8 पर

चेन्नई के सुब्रमण्यम को श्रेय दिया 'नासा' ने | **चंद्रयान-2** | लैंडर के हिस्से कई किलोमीटर तक बिखरे हुए हैं

# भारतीय इंजीनियर ने खोजा लैंडर विक्रम का मलबा

वाशिंगटन, 3 दिसंबर (भाषा)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी 'नासा' को चंद्रमा पर भारत की महत्त्वाकांक्षी चंद्रयान-2 परियोजना के विक्रम लैंडर का मलबा मिला है और एजंसी ने इसका श्रेय चेन्नई के मैकेनिकल इंजीनियर षनमुगा सुब्रमण्यम को दिया, जिन्होंने इसे खोजने में मदद की।

नासा ने अपने 'लूनर रिकॉनाइसां ऑर्बिटर' (एलआरओ) से ली गई तस्वीर में अंतरिक्ष यान से टक्कर स्थल को और उस स्थान को दिखाया है जहां मलबा हो सकता है। लैंडर के हिस्से कई किलोमीटर तक लगभग दो दर्जन स्थानों पर बिखरे हुए हैं।

लैंडर विक्रम सितंबर में चंद्रमा की तहत पर उतरते दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विक्रम लैंडर की सात सितंबर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने की भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की कोशिश नाकाम रही थी और लैंडिंग से कुछ मिनट पहले लैंडर का इसरो से संपर्क टूट गया था। नासा ने एक बयान में कहा कि उसने स्थल की एक तस्वीर 26 सितंबर को साझा की और लोगों से उस तस्वीर में लैंडर के मलबे को पहचानने बाकी पेज 8 पर

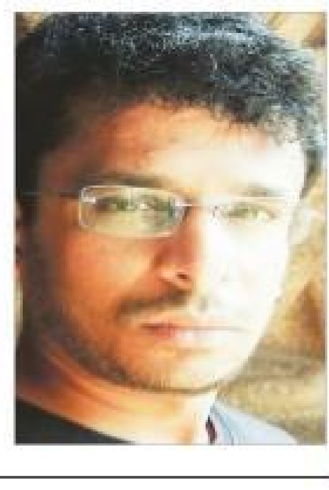

**सुब्रमण्यम** ने एक ट्वीट में लिखा, 'नासा ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-2 के विक्रम लैंडर की तलाश का श्रेय मुझे दिया है।' मंदिरों के शहर मदुरै के इस निवासी ने कहा कि विक्रम के गिरने की जगह का पता लगाने के लिए उन्होंने दो लैपटॉप का इस्तेमाल किया। इसकी मदद से उन्होंने उपग्रह द्वारा भेजी गई पहले और बाद की तस्वीरों का मिलान किया। वह हर दिन एक शीर्ष आईटी फर्म में काम करने के बाद लौटने पर रात 10 बजे से दो बजे तक और फिर ऑफिस जाने से पहले सुबह आठ बजे से 10 बजे तक आंकड़ों का विश्लेषण करते। उन्होंने करीब दो महीने तक इस तरह आंकड़ों का विश्लेषण किया।

www.readwhere.com

# जनसत्ता क्लासीफाइड

## व्यक्तिगत

It is for general information that I, Mangat Ram S/o Daulat Ram, Residing at-NA-224, New BaldevNagar, Jalandhar-144004, Punjab, inform that my name is wrongly written as Mangat Raj in Passport-P37831.The actual name of mine is Mangat Ram respectively which may be amended accordingly. 0040522867-4

I,Gurdev Singh S/O Sewa Singh R/O 37/A3, Railway Colony, Punjabi Bagh, Delhi-110026. Have Changed My Name To Gurudev Singh. 0040522815-4

I, hitherto known as Shakuntla Makkar alias Shakuntla D/o Shri Hukum Chand and W/o Shri Mahinder Kumar Makkar R/o House No.A-60, Ram Dutt Enclave, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name and shall hereafter be known as Shakuntla Makkar. 0040522802-1

I, Vikash Chandra Baurai S/o Tek Chandra Baurai R/o-Plot.No.137, H.No.101, Ambika-Enclave, Kakrola, Dwarka, New Delhi-110078. have changed my name from Vikash Chandra to Vikash Chandra Baurai for all purposes. 0040522815-8

I, Vandna Kumari D/o Lakhmi Chand R/o G-5/255 Sector-16, Rohini, New Delhi-110089, have changed my name to Kajal for all purposes. 0040522822-1

I, Thatmlin Nang Sawmlian S/o Thang Za Pau R/o:RZ-B-33, Street No-4,Sitapuri Part-1, New Delhi-45.,inform that Thatmlin Nang Sawmlian and Thatmun Nang Sawmlian are One and the Same Person. 0040522815-6

I, Surjit Kaur widow of No.6862234 Late Sep Saran Singh R/o C-7, KH. No.16/25, Ranjeet Vihar, Nilothi, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name to Surjeet Kaur for all purposes. 0040522786-4

I, Surjeet Singh S/o Niranjan Singh R/o 5, Sector-31, Faridabad, have changed my name from Surjeet Singh Panesar to Surjeet Singh for all purposes. 0040522784-1

I, Sukhpreet D/o Amrit Pal Singh Kalsi R/o D-97 Pushpanjali-Enclave Pitampura Delhi-110034 changed my name to Sukhpreet Kalsi. 0040522826-4

I, Subodh Tyagi S/o Bhramdutt Tyagi R/o 4612, Alok Vihar-1, Sec-50, Noida, UP, have changed my name to Subodh Kumar Tyagi for all purposes. 0040522794-1

I, Sharda Kumari W/o Shri. Nitin Kumar R/o D-231, Nawada Housing Complex, Dwarka More, New Delhi, have changed my name from Sharda Kumari to Sharda for all future purposes. 0040522796-1

I, Shaikh Shaheen Shahalam W/o Ubaidullah Sheikh R/O Hno.333, C-Block, Galino.10, Part-1, Mukandpur, Delhi-110042. Changed My Name To Shaheen Sheikh. 0040522815-5

I, Usha Rani W/O Vijay Singh R/O 28, MIG Flat, Dg-3, Vikaspuri, Delhi-110018. Have Changed My Name To Usha. 0040522860-6

I, Saurabh Mittal S/o Sh. Yogendra Mittal R/o Flat No.-18193, ATS Advantage Ahinsa Khand-1, Indrapuram i.e. Sahibabad, Ghaziabad Uttar Pradesh- 201010, have changed my name from Saurabh Mittal to Saurabhh Mittal for all purposes. 0040522827-1

I, Sarvesh Singh, holder of Indian Passport No.N6895983 issued at Vancouver on 04/05/16 permanent resident of-3/84-B, J-Extension, Kishan-Kunj Laxmi-Nagar Delhi-110092 and presently residing at 572-56th E Ave, Vancouver, BC,V5X 1R7 do hereby change my name from Sarvesh Singh to Sarvesh Singh Chauhan with immediate effect. 0040522848-3

I, Saroj Devi W/o Late Shri Jagdish R/o of E-80/127 Near Krishna-Market Rajiv Comp. Jhilmil-Colony Shahadra Delhi-110095 have Changed My Name to Saroj for future purposes. 0040522850-3

I, Sarah Waseem D/o Wasim Ahmed Munshi R/o-P-51, South Ext-2, New.Delhi-110049,have changed my Name to Sarah Wasim. 0040522845-1

I, Sanjeev Singh holder of Indian Passport No.H9338867 issued at Delhi on 19/02/2010 permanent resident of A-41, ST.No.2, North Vinod Nagar Mandawali Fazalpur, Delhi-110092 and presently residing at-572-56th E Ave, Vancouver, BC,V5X 1R7 do hereby change my name from Sanjeev Singh to Sanjeev Singh Chauhan with immediate effect. 0040522848-2

I, Anil Dutt @ Anil Dutt Bhargava S/o Sh. Sis Ram R/o Old Rangpuri Road, H. No. 419, Rangpuri Village, South West Delhi - 110037 have changed my name and shall hereafter be known as Anil Dutt Bhargava. 0070686486-1

## व्यक्तिगत

I, Sanjeev Kumar Dhawan S/O Chaman Lal Dhawan R/O 7/142, Ground-Floor, Subhash Nagar, Delhi-110027. Changed My Name to Sanjeev Dhawan. 0040522867-5

I, Sandeep Arora S/o Sh. Sudarshan Kumar Arora R/O C-2, Delhi Citizen Society, Sector-13, Plot No.24, Rohini, Delhi-85, have changed my name to Sandeep Kumar Arora for all future purposes. Sandeep Arora and Sandeep Kumar Arora are one and same person. 0040522783-1

I, Saima D/o Mohd Swalehin W/o Mohd Sajid Qureshi R/o 7976, Gali Shamshuddin, Bara Hindu Rao, Delhi-110006 have changed my name to Saima Qureshi for all purposes. 0040522786-1

I, Royce Raju Achayil R/o Flat F6, Tower 16, Type 4 Flats, Kidwai Nagar East, Delhi 110023 have changed my name to Royce Raju Beena 0070686498-1

I, Rajwanti Kaur W/o Onkarsingh Dhillon R/o-BI-5B, LIG Flats, Shalimar Bagh, Delhi have changed my name to Rajwant Kaur. 0040522860-7

I, Rajan Kumar Behl S/o Baldev Raj Behl R/o Sec-3A/116, Rachna Vaishali, Ghaziabad, have changed my name to Rajan Behl. 0040522815-10

I, Raj Kumar S/o Bakshi Ram Sharma R/O A-12 Vishwash Park Extension, Gali no-4, New Delhi-59, have changed my name to Raj Kumar Sharma for all purposes. 0040522839-1

I, Priyanka W/o Sh.Saurabh Khandelwal D/o Sh.Bharat Bhushan Wadhwa R/o-2K-35 NIT-Faridabad Haryana-121001, have Changed my name from Priyanka to Priyanka Wadhwa for all future purposes. 0040522815-7

I, Prince S/o Jawahar Lal R/o-BD-59A, Shalimar Bagh, New Delhi-110088, have changed my name to Prince Raizada Permanently. 0040522860-8

I, Pooja Kumari D/o Jitendra Chaubey R/o N2/104 Royal Nest, Plot No. Gh-8b, Greater Noida West, Gautambudh Nagar, UP India 201306, have changed my name to Pooja Chaubey for all purposes. 0040522793-1

I, Sanjeev Kumar Shah S/O Mohinder Singh Shah R/O F-22/69, II-Floor, Sector-3, Rohini, Delhi-110085. Changed My Name To Sanjeev Shah. 0040522860-4

I, Pinki W/o Deepak Rana, H.No-91-A, Village- Bajghera, District-Gurgaon have changed my name to Savita. 0040522826-6

I, Nishu Chawla W/o Rajeev Arya R/o Plot No 83, First Floor, Shakti Khand-3, Indirapuram , Ghaziabad, have changed my name to Sonam Arya for all purposes. 0040522818-1

I, Naveen S/o Bhim Raj Bhaskar R/o S-1/63, 3rd Floor, Budh Vihar-1, Delhi-110086 have changed my name to Naveen Bhaskar. 0040522826-3

I, Narendra Kumar Ambasta R/o Vill Barauni-2, P.O. Barauni Deorhi, Distt. Begusarai, Bihar-851113, have changed my daughter's name from Arya to Aarya Ambasta vide affidavit dated 29.11.2019, New Delhi. 0040522854-1

I, Mohd Irtasha S/o-Mohd Arif Khan R/o-7-B. DDA-Flats, Mata-Sundri Road, Delhi, changed my name to Mohd Irtisha, for all purposes. 0040522867-3

I, Mahender Singh S/o Sh. Ramphal R/o 177, Mandir Wali Galli, Village Singhu, Delhi - 110040 do hereby declare the name of mine has been wrongly written and Mahendra Kumar in my Driving License No. DL11 20050030632. The actual name of mine is Mahender Singh, which may be amended accordingly. 0070686479-1

I, MILAN holder Indian passport No.N6117297 issued at delhi on-16/12/15 permanent resident-dA-41 Street No-2, North-Vinod-Nagar, Delhi-110092 and presently residing at-512-56 € Ave, Vancouver, BC,V5X1R7 do hereby change my name from MILAN to MILAN CHAUHAN with immediate effect. 0040522848-1

I, Kushagra Atul Gossain S/o Atul Gossain R/o Flat No.1201, Nishat-Apts., Plot-05, Sector-19B, Dwarka, N.Delhi-110075 changed my name to Kushagra Gossain. 0040522826-1

I, Kulwinder Kaur, spouse of Sub.Paramjit Singh R/O-Vill-Fatehpur PO-Adampur Doaba, Distt.Jalandhar, have changed my name from Kulwinder Kaur to Kulwinderjeet Kaur vide affidavit dated-02.Dec.2019 at-New Delhi. 0040522867-9

I, Krishna Devi W/O Ram Chand Madan R/O E-41, Om Vihar, Uttam Nagar, Delhi-110059. Changed My Name To Krishna Madan. 0040522860-1

I, Gurneet Kaur W/O Harjeet Singh Sachdeva R/O J-8/8 Dlf Phase-2 Gurgaon Have Changed My Name To Gurneet Kaur Sachdeva. 0040522860-2

I, Chandan S/o Manoj Kumar R/o-H.No.-311, Gali.No.7, Sangam Vihar, N.Delhi-110080,have changed my Name to Chandan Kumar. 0040522845-2

I, Km Dharm Lata Rai @ Poonam Rai D/o Late Sh. Kalp Nath Rai W/o Sh. Durgesh Rai R/o B-4, Hanuman Mandir, Ganesh Nagar, Pandav Nagar, Laxmi Nagar, Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as Poonam Rai. 0070686474-1

I, Kaushliya Devi W/O Ashok Kumar Asnani R/O-C-4/82, Keshav Puram, Delhi-110035. Have Changed My Name To Vishni Asnani. 0040522860-3

I, Kaushal Kumarr Jain S/o Sh.Rajinder Kumar Jain R/o 5E/25, B.P.NIT Faridabad-121001, Haryana have changed the name of my minor son from Arham Jain to Arrham Jaiin for all purposes. 0040522786-3

I, Hareesh Verma S/o Ram Sukh Verma R/o-W-1348, Gali-07, Adarsh-Enclave, Premnagar-2, Kirarisuleman Nagar, Nangloi, Delhi-110086 changed my name to Anil Kumar. 0040522826-2

I, Hans Kumar S/o Narain Dass R/o-Mohalla Sugar Mill Colony Satnampura, Phagwara, Distt.Kapurthala-144401, Punjab have changed my name to Hans Raj 0040522850-2

I Ashok kumar Ahuja S/o Bakhtu Ram R/o-114/28, Jyoti Park Gurgaon have changed my name to Ashok Ahuja. 0040522826-5

I, Gobind Chandra Biswas S/o Harasit Biswas R/o A-206, Pandav Nagar, Shadipur Depot, New Delhi-110008 have changed my name from Gobind Chandra Biswas to Gobinda Chandra Biswas for all future purposes. 0040522810-1

I, Dheeraj Kumari Bairagi D/o Sh. Rekhraj Bairagi R/o Ward No. 2, Ummedpura, Kota, Rajasthan - 325003 have changed my name and shall hereafter be known as Vandna Bairagi. 0070686483-1

I, Bina Wattal W/o Krishenji Wattal, H.No-1929-A, 1st-Floor, Gali No-19, Govindpuri-Extn, Kalkaji, Delhi-110019. Have Changed My Minor Son Name Pem Noual Wattal To Prem Noual Wattal. 0040522826-8

I, Bhavesh Gupta S/o Ramesh Chandra Gupta R/o G-848, 6th-Avenue, GC-1, Gr.Noida G.B.Nagar, UP inform that my name is wrongly written in my 10th marksheet i.e Bhavesh Kumar Gupta Which is to be Bhavesh Gupta. 0040522850-1

I, Bharat Aggarwal R/o House no.-146, Green Valley, Pocket-4&5, Sector-23, Rohini, Delhi-110085, have changed my minor daughter's name from Muskaan to MUSKAAN AGGARWAL. 0040522785-1

I, Ashika Jain D/o Sh.Sudershan Kumar Jain W/o Sh.Kaushal Kumarr Jain R/o 5E/25, B.P.NIT Faridabad-121001, Haryana have changed my name to Ashikka Jaiin for all purposes. 0040522786-2

I, Amandeep Kaur D/o Balwinder Singh R/o Boparai Khurd, Ludhiana, Punjab-142032, have changed my name to Amandeep Kaur Boparai, for all future purposes. 0040522814-1

I, Ajay Kumar S/o-Shri Niwas Somani R/o B-10, Prashant Vihar, Delhi-85, have changed my name to Ajay Somani for all purposes. 0040522798-1

I, Ajay Kumar S/O-Late Shri.Hansraj Pathania R/O-46, First-Floor, Bharat-Nagar, Ashok-Vihar Phase-4, Delhi-110052, have changed my name to Ajay Kumar Pathania. 0040522867-1

I, Abhigya S/o Late Sh.Abhay Singh Kushwaha R/o D-228, Nirman Vihar, Delhi-110092 have changed my name to Abhigya Kushwah for all purposes. 0040522786-5

I, Vinod Kumar S/o Desraj Sehgal. Address-62, Deerwood Chase Sector-50, Nirvana-Country, Gurgaon south/city,HAVE CHANGED MY NAME TO Vinod Kumar Sehgal. 0040522860-9

I, Sanjay Kumar S/O Dev Raj Resident House No-3713jff, Sector-15, Sonipat, Haryana Have Changed My Name To Sanjay Chawla. 0040522815-9

I, Ram Bhola alias Ram Kumar S/o Harbans lal Bhola R/o-4/21, Geeta-Colony Delhi-31. have changed my name to Ram Kumar Bhola both are same Person. 0040522860-10

I, Praveen Kumar Sethi S/o Roshan Lal Sethi R/o-H.No-29, Bhogal, Masjid-Lane, Jangpura, New Delhi-110014.have changed my name to Parveen Kumar Sethi for all purposes. 0040522826-7

I, Neetu Solanki D/O Gulab Solanki R/O House No-156, Village-Dabri New Delhi-110045 Have Changed my Name to Neetu. 0040522815-3

I, Jyoti Johar Jethi W/o Shakkun Jeythii R/o C-9/59, Sector-8, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Jyotee J Jeythii 0070686491-1

I, Jasbir Bedi W/o Mandeep Singh Bedi R/o C-69, Third Floor, Phase-1, Ashok Vihar, Delhi-110052, have changed my name to Lovleen Bedi. 0070686501-1

I, Gurpreet Kaur Chhatwal W/o Balvinder Singh R/O S-2/208 B, 2nd Floor, Old Mahavir Nagar, Delhi-110018, have changed my name to Gurpreet Kaur 0070686504-1

## व्यक्तिगत

मैं, नवजोत W/o मनोज कुमार तरनाच निवासी 441, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-I, साहिबाबाद गाजियाबाद उ.प्र. 201005 शादी के बाद अपना नाम बदल कर नवजोत तरनाच कर रही हूं और भविष्य में इसी नाम से जाना जाये।

मैं पूनम पुत्री श्री जगदीश यादव, निवासीः मकान नं. I-36, जनता मजदूर कॉलोनी, दिल्ली-110053 ने अपना पुराना नाम पूजा यादव से बदलकर नया नाम पूनम रख लिया और भविष्य में मुझे सभी कार्यों के लिये इसी नाम से जाना जाये।

I Mehdi S/O Abdul Miyan R/O RZ-21, B-24, Ravi Nagar, Chaukhandi ,New Delhi-110018 Have Changed my Name to Imam Mehadi. 0040522815-2

I M Muzammil M Nadeem Alias Mohammad Muzammil Mohammad Nadeem S/o Nadeem Abdul Hameed Mohammad R/o 422, Raza Nagar, Bhatena, Surat City, Gujarat-394210, have changed my name to Mohammad Muzammil Mohammad Nadeem 0070686488-1

I, Gurdev Singh Sandhu S/O Harbaksh Singh Sandhu, H.No-8/10 Type-2 Railway-Quarters Railway Colony, Kishan-Ganj Delhi-110007, Changed My Name To Gurdev Singh. 0040522867-2

I Krishna Kumar Sharma S/o Om Prakash Sharma R/o RZ C-109, Gali No-11, 50 Feet Road, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi-110041, have changed my name to Krishan Kumar Sharma. 0070686518-1

I Krashn Kumar S/O Bhagat Ram Add-1731, Gurdwara Road, Kotla MubarakPur, New Delhi 110003., Changed My Name To Shri Krishan. 0040522860-5

### PUBLIC NOTICE

My clients Shri Ranbir Singh, son of Shri Balbir Singh and Smt. Kamlesh, wife of Shri Ranbir Singh both resident of Village Bera, Tehsil, Bali, District Pali, Rajasthan-306126, presently residing at 636. Rawatiya Mohalla, Shahbad Mohammadpur, New Delhi-110061 have debarred and disowned their son namely Sandeep Kumar & daughter-in-law Mrs. Mani Rana, wife of Shri Sandeep Kumar, both resident of Lamba Mohalla, Shahbad, Mohammadpur, New Delhi-110061 and also debarred and disowned his another son Sunny Kumar & daughter-in-law Mrs. Radhika Chahar daughter of Shri Vishal Singh wife of Shri Sunny Kumar, presently resident of House No. 586. Gali No.3 97, Islampur Colony, Near Sector-38, Gurugram, Haryana- 122018, from his all movable/immovable properties whatsoever. Due to their behavior towards my clients. my clients have also severed all their relations with them. If any body deals with them, they will do so at their own risk, cost and consequences. My clients, their other family members and relatives shall not be responsible/liable for any act of above named persons.

Sd/-
**(VIJAY KUMAR KAUSHIK)**
**Advocate**
**Ch. No. 821, Dwarka Courts, New Delhi-75**

### PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that **MRS. ANNIE CHERIAN, AGED ABOUT 72 YEARS, W/O K.C. CHERIAN, R/O 73 POCKET-F SHEIKH SARAI PHASE-1, NEW DELHI 110017** and MRS. ANNIE CHERIYAN, AGED ABOUT 72 YEARS, W/O K.C. CHERIAN, R/O 73 POCKET-F SHEIKH SARAI PHASE-1, NEW DELHI 110017 are one and the same person.

### PUBLIC NOTICE

We, (i) Narendra Kumar Jain, (ii) Rajendra Kumar Jain, (iii) Ajay Jain and (iv) Neha Jain are the co-owners of Property bearing no. 22, A, B, C & D respectively situated at Shri Ram Road, Civil Lines, Delhi-110054. (Property).
That the said Property is freehold on account of the Sale Deed dated 28.06.1985 duly registered as Document No. 2508, in Additional Book No. I, Volume No. 4448, on pages 01 to 15 on 28.06.1985at the office of the Sub-Registrar-I, Delhi. The aforesaid Sale Deed was held in our custody and for the reference of all the co-owners.
Subsequent to the undivided ownership of the entire Property, the respective parties have now demarcated and partitioned their respective shares in the Property since 2015 and plot no. 22-A admeasuring 363.28 Sq. Yards is now vested with Narendra Kumar Jain; plot no. 22-B admeasuring 336.63 Sq. Yards is now vested with Rajendra Kumar Jain; plot no. 22-C admeasuring 333.11 Sq. Yards is now vested with Sh. Ajay Jain; plot no. 22-D admeasuring 366.58 Sq. Yards is now vested with Smt. Neha Jain.
Unfortunately after the partition the original Sale Deed dated 28.06.1985 duly registered as Document No. 2508, in Additional Book No. I, Volume No. 4448, on pages 01 to 15 on 28.06.1985at the office of the Sub-Registrar-I, Delhi; was misplaced. The undersigned persons have now filed a complaint in this regard at the Civil Lines Police Station, Delhi bearing Lost Property Registration No. 2508 dated 28.06.1985.
By way of this public notice, it is brought to the attention of the general public that if any person is aware of the whereabouts of the aforementioned Sale Deed on account of having found the same or having retained the same through a deposit/safekeeping by any of the below named persons or their family members; then they must contact the below mentioned persons urgently.
If no information is received in respect of the whereabouts of the original Sale Deed is reported within the next 7 days, the below named persons would regard the document to have been lost forever and accordingly apply for the issuance of the duplicate copy of the Sale Deed; which thereafter would be regarded as the original document in the chain of title of the Property.
(i) Narendra Kumar Jain,
(ii) Rajendra Kumar Jain,
(iii) Ajay Jain and
(iv) Neha Jain
All resident of Property bearing no. 22, A, B, C & D respectively at Shri Ram Road, Civil Lines, Delhi-110054.

**SURI & COMPANY LAW FIRM (Advocates)**
Flat # 10 & 12, Golf Apartments, Sujan Singh Park, Maharishi Raman Marg, New Delhi-110003

### NOTICE

**IN THE HIGH COURT OF DELHI AT NEW DELHI (ORDINARY ORIGINAL CIVIL JURISDICTION)**

**CS(COMM) 1688/2003**
**Deoki Nandan Surekha** - Plaintiff
V/S
**V. K. Gupta & Ors.** - Defendant
To,
**LR's No. (ii) & (iv) of Deceased** Defendant No. 3
**(ii) Amit Gupta, (Son),** R/o 6/3, Roop Nagar, Delhi
**(iv) Deepa Gupta, (Daughter),** 5/11, Roop Nagar, Delhi

WHEREAS the plaintiff above mentioned has instituted a **SUIT FOR POSSESSION AND FOR ECOVERY OF RS. 30,00,000/- AND FOR RECOVERY OF FUTURE DAMAGES & MESNE PROFIT@ RS. 1,20,000/- PER MONTH AND FOR PERMANENT INJUNCTION** against you, the above named LR's of defendant No. 3 and whereas it has been shown to the satisfaction of this Court that it is not possible to serve you in the ordinary way therefore, this notice is given by publication directing you, the above named defendant to make appearance before the Joint Registrar (Judicial) of this Court on 09.12.2019 at 11:00AM.
Take notice that in default of your appearance on the day above mentioned, the suit will be heard and determined in your absence.
Given under my hand and the seal of this court on this the 29th day of November, 2019.

**ASSISTANT REGISTRAR (O)**
***for* REGISTRAR GENERAL**
**BS**

## खोया-पाया

I, Sham Vinayak S/o Late Shri Girdhari Lal R/o:JE2/1 Khirki Extension Malviya Nagar, 3rd Floor. Lost my DDA lease papers of Plot No.202, Pocket-B3, Sector-37, Rohini. If some-one find those papers Please contact:Sham Vinayak, 8376839857. 0040522815-1

I, Tarun Kaushik S/o Jitender Kumar R/oH.No-R-270, Gali No.17A, Swatantra Nagar Narela, Delhi-110040 has lost my 12th Original CBSE-Certificates & Marksheet.Roll No.9141635 year-2017. 0040522850-7

It is Notified for the information that my Original Marksheet of Secondary Examination Roll No-8760073 Pass out from CBSE Delhi in the year-2017,has been actually lost.Komal Yadav D/o Mahesh Yadav, R/o-H.No.115, VPO-Pandwalan Kalan Near Hanuman-Mandir, New Delhi-110043. 0040522781-1

It is notified for the information that my Original Certificate & Mark Sheet of Class X, Year 2018, Roll No. 8253752, issued by CBSE has been actually lost. Palak Behl D/o Sh. Prem Behl, C-223, Lajpat Nagar-I, New Delhi-110024. 0040522800-1

Lost my original Marksheet and certificate 10th Roll.No.6383873, year-2004,12th Roll.No.6664040, year-2006, Health Sanitary Inspector Deploma,Cast&SC certificate.Finder pls contact:Rajesh Kumar S/o-Prakash R/o-House.No.76, Rajeev Colony,ITI Road, Jaffarpur,Delhi-73. 0040522850-6

My all original documents of Property No.B-326, J.J.Colony, Inderpuri, N.Delhi-12,have been lost. Finder contact: Madan Lal S/o Agya Ram Mobile-8595275654. 0040522850-10

I Dhawan khatri H.no 87 village singhola PO narela Delhi 110040 lost my CBSE Matric Marksheet 2017, Roll no 8180970 if found contact 9911793388 0050159341-1

I, ANNU D/o Munna Singh R/o A-126 sainik enclave sector 5 hanuman mandir new delhi-59. have lost my original certificate class-10th year-2015 Rollno-8714455 CBSE-Delhi. 0040522850-5

I, HOS Of GSBV, Rani Jhansi Road, have lost Concession Booklet in r/o ACCTT. NO. G-77, CM-124-A issued dated 13/08/2008, if found please return at the below address:- Govt. Sarvodaya Bal Vidyalaya, Rani Jhansi Road, New Delhi-55. 0040522850-8

I Akshita Nanda D/O.Rajeev Nanda R/O.M-66, Baludhyan-marg, Uttam-Nagar, New Delhi have lost my CBSE 12th passing certificate. Roll no.9172208 (2012) 9899517744 0040522850-4

I, Neeharika D/o Deepak Bhardwaj R/o-D-19 East Uttam-Nagar, New Delhi 110059 have lost my original certificate Class-10th Rollno-8213884 Year-2017 CBSE-Delhi 0040522850-9

I, Pooja D/o Jhamman Lal R/o-3381/6 Gali No.8,Gandhi Nagar Delhi-110031 lost my Marksheet cum Certificate Class-X Roll No.8608789 CBSE, Delhi 0040522867-7

I, Rakshit Jain S/o Rajesh Jain R/o-X-3090 Street No.4, Raghubarpura No.2, Gandhi Nagar Delhi-110031 lost my XII Pass Marksheet Year-2016 Roll No.9616357 CBSE, Delhi 0040522867-6

Original Electric & Water NOC issued by DDA in respect of LIG Flat No-17C Pkt-A2 Kondli Gharoli, Mayur Vihar Phase-III, Delhi, has been lost/misplaced. If found please contact James Anaghan on 9773967951. 0040522825-1

Lost my original (M.A/Aacharya) Marksheet and certificate of Aacharya 1st year-2009,Roll No-355227 and Aacharya 2nd year 2010 Roll-No-228906,issued by Sampurnanand Sanskrit University Varanasi UP. Candidate name-Vinod Kumar,S/O-Shiv Kumar Shukla Address-C-133,Sector-25,Rohini,Delhi. 0040522845-5

### इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

क्षेत्रिय कार्यालय भवन संख्या 80 प्रथम तल वीरभद्रपाल कार्यालय के पास तेजगढ़ी चौराहा मेरठ . फोन 0121-2761701

**शुद्धि-पत्र**

दिनांक 01.12.2019 को प्रकाशित मेगा ई-नीलामी नोटिस में क्रम संख्या 17 शाखा मझौला ऋणी आदिया एंटरप्राईजेज प्रा. लिमिटेड का बकाया राशि 1155344.79 आरक्षित मूल्य रू. 28576000/- ईएमडी राशि रू. 2858000/- त्रुटिवश प्रकाशित हो गया है, अब इसे रुपये बकाया राशि रू.13537010.60 आरक्षित मूल्य रू. 27147200/- ईएमडी राशि रू. 2720000/- पढ़ा जाये। शेष यथावत रहेगा।

प्राधिकृत अधिकारी

### PUBLIC NOTICE

This is to inform at General public that my clients Sh. Ram Chander S/o Late Khiman Singh Age 76 years & Smt. Ladoo Devi W/o Sh. Ram Chander Age 70 years both R/o House No. WZ-1339, Nangal Raya, New Delhi has severed all their relations from their son namely Naresh Kumar Age 39 years, their daughter-in-law Smt. Sulekha w/o Sh. Naresh Kumar Age 34 years, their grandsons Master Hardik Age 12 years & Master Yash Age 8 years both S/o Sh. Naresh Kumar all R/o H. No. WZ-1339, 2nd Floor, Nangal Raya, New Delhi as they are having disrespectful attitude towards my clients. My clients hereby disowns & Debar all from their all-movable & immovable properties with immediate effect. If anyone deals with them in future on behalf of my clients, shall, do so at his/her own risk and responsibility and my clients shall not be responsible for the said acts of above said persons in future.

Sd/-
**S.K Jain & Associates**
**(Advocate)**
**Chamber No. B-113, BGS Block Tis Hazari Courts, Delhi-110054**

### सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अलाउद्दीन पुत्र स्व. श्री जीवन अली, निवासी- 1228, तीसरा तल , गली नं. 6, ऋषी करदन मार्ग, चौहान बांगर गढ़ी मेंडू उत्तर पूर्वी दिल्ली- 110053 में रहते हैं। मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र जमालुद्दीन उर्फ जम्मु पुत्र श्री अल्लाउद्दीन को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं और जमालुद्दीन उर्फ जम्मु व उसकी पत्नी से मेरे मुवक्किल व उसके परिवार का कोई रिश्ता नहीं है। अतः भविष्य में वह समस्त कार्यों व लेन-देन के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा।

हस्ता./-
**अली आफाक (एडवोकेट)**
**एफ-602, कड़कड़ डूमा कोर्ट, शाहदरा, दिल्ली-32**

### सार्वजनिक सूचना

मेरी मुवक्किला मोहिनी पत्नी स्व. एस. सुखविंदर सिंह निवासी डी-250/251, टॉप फ्लोर, नीयर साईं बाबा मंदिर, सै. 7, रोहिणी दिल्ली ने अपने पुत्र एस. जगमीत सिंह सन्धु व उसकी पत्नी गुरवानी को उनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। अब उनके किन्हीं भी कृत्यों के लिये मेरी मुवक्किला उत्तरदायी नहीं होगी।

**हस्ता./-**
**कविता कपिल**
**अधिवक्ता**
**E.No.: D-193/89**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित दस्तावेज दिनांक 10/11/2019 को जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली से खो गए हैं। किसी भी व्यक्ति को अगर ये दस्तावेज प्राप्त हो तो कृपया नीचे लिखे पते पर वापस कर दें। मनीष श्रीवास्तव, पिता का नाम डॉ. सिद्देश्वर नाथ, पता, 11016 रोड चेम्बूर, मुंबई, महाराष्ट्र।
खोये हुए दस्तावेज निम्नलिखित है।
1. क्रय अनुबंध, मेसर्स ईमार एॅम जी एफ लैंड लिमिटेड एंव सोनिया श्रीवास्तव एवं मनीष श्रीवास्तव के बीच।
2. समस्त 12 पावती रशीद मेसर्स ईमार एॅम जी एफ लैंड लिमिटेड द्वारा निर्गमित एवं अन्य दस्तावेज।

### PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my client Shri Ajeet Singh S/o Shri Mam Chand, R/o V.P.O. Surehra, New Delhi-110043 has severed his connections from his daughter Miss Rajni (aged 25 years) and has disowned her from all his moveable and immoveable properties. Henceforth, my client shall not be responsible for any acts, deeds and things of their above named daughter and anyone dealing with her in any manner shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

**SHYAMBIR SINGH- ADVOCATE**
**CH. NO. 638, DWARKA COURTS, SECTOR- 10, DWARKA, NEW DELHI -75**

### PUBLIC NOTICE

My client Mrs. Chanderwati W/o Late Sh. Ramji Lal, R/o 18C, Janta Flats, Madanpur Khadar, Sarita Vihar, New Delhi-110076, has disown his son, Mr. Sonu aged about 37 year and his wife Mrs. Alka Bharti, D/o Sh. Omprakash Bharti aged about 32 year for the misconduct and threat done by his wife, Mrs. Alka Bharti on various occasions, from my client's all movable and immovable property, properties. That they shall not inherit any of my client's property / properties and shall not be entitled to grant of probate to my client's will.Anybody transacting any business with Mr. Sonu and his wife Mrs. Alka Bharti in respect to my client, is doing that in his or her own risk, my client and his family shall not be responsible at all, General Public take notice.

Sd/-
**(BALRAM SINGH)**
**ADVOCATE**
**RES-CUM-OFFICE-169, SECTOR-9, RAMA KRISHNA PURAM, NEW DELHI**

### PUBLIC NOTICE

It is informed to the public at large that my client Harbans Lal S/O Manohar Lal R/O 6/44A, Vijay Nagar Double Storey Delhi-110009 hereby declaring /debarring/ disowning his son, namely Deepak and daughter-in-law Shipra from his life, properties and state, movable or immovable situated at Delhi or outside of Delhi and severed all their relation with them because they are not under the control of my client. My client and his family as well as relatives will not be responsible /liable for any act, deed and thing done by the above named persons since today.

Sd/-
**NAND LAL YODHA**
**(Advocate)**
**Ch. No. 485, Western Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-54**

### PUBLIC NOTICE

Be known to all that my client Sh. Som Dutt Sharma S/o Sh. T N Sharma and Smt. Saroj Sharma W/O Sh. Som Dutt Sharma R/O 540/5A, 2nd floor, Govind Puri, Kalkaji, New Delhi 110019 has debarred /disowned their son Sh. Kapil Sharma, daughter-in-law Smt. Kritika Sharma and their grand daughter Ms. Riti Sharma D/O Sh. Kapil Sharma from their moveable and immoveable properties and severe all relations with them, due to their unpleasant acts and behavior and my client will not liable from any act/ omissions/loan/ Debt committed by the aforesaid persons in future.

Sd/-
**(Veenu Mittal)**
**ADVOCATE**
**G-110, BASEMENT, KALKAKI JI, NEW DELHI,**
**M: 9582472507**

### Public-Notice

Public at large is informed that my clients Shri Ashvani Kapoor S/O Shri Sohan Lal & Smt. Asha Kapoor W/O Mr. Ashvani Kapoor both presently R/O RZ-18, Manas Kunj, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have disowned their son namely Mr. Jatin Kapoor from him all movable and immovable properties due to his disrespectful behavior, out of control and they have severed their relations with him for all intents and purposes with immediate effect. My clients and their family members will not be liable for his acts, whatsoever done by him to anybody in future.

**Ashok Kumar Tyagi (Advocate)**
324,District Courts,Dwarka,N.D.-75

### PUBLIC NOTICE

My clients Shri. Bhagat Singh S/o Shri Khazan Singh and Smt. Manisha Devi W/o Sh. Bhagat Singh both are R/o WZ-756, Naraina Village, Delhi, do hereby disowned/debarred their son namely Shri Chirag S/o Sh. Bhagat Singh R/o WZ-756, Naraina Village, Delhi, from all their movable & immovable properties for being disrespectful, quarrelsome and disobedient towards my clients and my clients has henceforth severed all their relation with him. If the son of my clients mentioned above is found involve in any illegal activities/civil/criminal cases etc. at any time, my clients shall not be responsible for the same in any manner whatsoever and anybody dealing with him i.e. Chirag will do at his own cost and risk.

Sd/-
**Sunil Kumar (Advocate)**
**Resi-cum-off: 248, Vidya Vihar, West Enclave, Pitampura, Delhi- 110034**

### Public-Notice

General Public is hereby informed that my client Lakshman S/O Sh. Ram Sahay and Kasturi W/O Sh. Lakshman R/O D-1/12, Sector-20, Rohini, Delhi, Nithari, Sultanpuri, C-Block, North West Delhi-110086, have severed all their family relations from their son namely Vijay and his wife Rekha and also debarred from their all movable and Immovable properties. The same being disturbance to my client family, client revoke client relations. My client nothing to do with any of their act / activities / property or personal matter. Anybody dealing with him shall do so at his/her/their own risks and responsibility and my clients will not responsible for the same. **Pankaj Raj** (Advocate) Shop-2,Dholi Piau,Vikaspuri,ND-18

## अदालती सूचना

PROCLAMATION REQUIRING ATTENDANCE OF DEFENDANT
(ORDER 5, rule 20 of the Code of Civil Procedure)

In the court of Sh. M.R. Sethi
Principal Judge (North)
Family Court, Rohini, Delhi

Suit No.: HMA-262/17 (U/s-13 (I) (ia) of HMA
Ms. Meenakashi Chauhan
Versus
Mr. Kailash Singh Chauhan

To
Mr. Kailash Singh Chauhan
S/o Sh. Bagatar Singh Chauhan
R/o RZ-22, Deepak Vihar, Nangloi Road, Near Greet Vaily School, Najafgarh, Delhi
The Defendant above named

WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the **28-01-2020** the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
GIVEN under my hand and the seal of the court, this 30-11-2019. Sd/
Principal Judge (North)
(Seal) Family Court, Rohini, Delhi

# सिरफिरे ने की लड़की की हत्या

जबलपुर, 3 दिसंबर (भाषा)।

शहर के पास कुदवारी गांव में 24 साल के युवक ने एकतरफा प्यार में 16 साल की लड़की की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गोहलपुर पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सिंह ने मंगलवार को बताया कि शिवकुमार चौधरी ने सोमवार सुबह घर में सो रही 16 साल की लड़की की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी को गांव वालों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। लड़की को परेशान करने की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को तीन माह पहले गिरफ्तार किया था।

### PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, RAJENDRA SINGH son of Harfool Singh residing at 188, Panchi Dhikauli, Baghpat, Uttar Pradesh-250515, declare that name of mine has been wrongly written as RAJENDRA and HARAPHUN respectively my Pan Card No. AQJPR3044E. The actual name of my mine is RAJENDRA SINGH, and my father's name is HARFOOL SINGH respectively which may be amended accordingly.

### PUBLIC NOTICE

This is to inform the public at large that **Mr. K.C. CHERIAN, AGED ABOUT 80 YEARS, S/O LATE SH. K.J. CHAKKORU, R/O 73 POCKET-F SHEIKH SARAI PHASE-1, NEW DELHI 110017** and Mr. K.C. CHERIYAN, AGED ABOUT 80 YEARS, S/O LATE SH. K.J. CHAKKORU, R/O 73 POCKET-F SHEIKH SARAI PHASE-1, NEW DELHI 110017 are one and the same person.

### PUBLIC NOTICE

Be it known to all to whom it may concern that My Clients Mr. Manish Singh S/o Mr. Bhan Singh and his wife Mrs. Sanjo Singh W/o Mr. Manish Singh, R/o A-615/34, Sangam Vihar, New Delhi-110080, due to disobedient behavior & misconducts of their son Ritik @ Nikhil S/o Mr. Manish Singh have broken down & severe their all relations & disclaim, disown & debar him from their all movable and immovable properties & right of succession, as he is working beyond their control & harassing, humiliating, misbehaving them & having no good cordial relation, he usually involved in anti-social activities, In future my clients shall not be responsible for his any mischiefs or misconduct. If anybody dealing with him in any manner shall be doing so at own risks, costs, consequences & responsibilities.

**RANJAN GUPTA (Advocate)**
**Ch. No. 311, Saket Courts, Delhi-110017**

### PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public as requested through/on behalf of my client Smt. Babita Gupta wife of Shri Brijesh Kumar resident 1647/15, Second Floor, Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019, who is selling the Third Floor (Front Side Portion), without Terrace Rights, measuring 80 Sq. Yds., carved out of Khasra No. 93, situated at Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019. If anybody having any claim, title, charge or interest in respect of the aforesaid Property may lodge his/her/their claim/objection in written with the undersigned within 15 days from the date of publication of this Notice and after this period it shall be presumed that there is no claim/charge/interest/title on the aforesaid Property.

**Satish Khatana (Advocate)**
**Chamber no. 311, Patiala House court, N.D.-110001**
**Mob: 9971778737**

### PUBLIC NOTICE

The General Public is hereby informed that my client Smt. Kavita Popli, w/o Sh. Subhash Chander Popli, R/o C-55, First Floor, Lajpat Nagar-2, New Delhi-24 is the sole and registered owner of DDA Flat No. 44B, Ground Floor, Pocket-J, Sheikh Sarai, Phase-II, New Delhi-110017, by virtue of conveyance deed registered vide No. 15,975 in Book No. 1, Volume No. 7410 on pages 164 to 167 on 14.10.2019 with the office of Sub Registrar-VII, New Delhi.
My Client has lost the original DDA possession letter and site possession slip in .respect of the above said Flat for which she has filed Police complaint on 08.11.2019 vide No 1856054/2019.
Use of the above said documents for any purpose shall be illegal and at the risk and cost of the said person. The Public at large is hereby informed accordingly and so forewarned.

Sd/-
**O.P. Gulabani**
**Advocate**
**Ch. No. 120, Saket Court, New Delhi-110017**

### PUBLIC NOTICE

To be known to all that I, Vinay Kumar Mehta S/o Hans Raj Mehta, F-234-C, Pocket-F, LIG Flats, Dilshad Garden, Delhi - 95, Original DDA Demand cum Allotment Letter, DDA Possession Letter, NOC of Electricity & Water Connection Slip of F-234-C, Pocket-F, LIG Flats, Dilshad Garden, Delhi-95 File No. L021(758)84/DG/NP has been lost. An NCR to this effect has been lodged in Police station. Any person(s) claiming any right, interest having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/ Phone No. 9968277047 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB)H or Director (H)-I, D-Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

### "IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

# पंकजा ने कहा, भाजपा नहीं छोड़ रही हूं

मुंबई, 3 दिसंबर (भाषा)।

अपने भविष्य के राजनीतिक कदम के बारे में अटकलों पर चुप्पी तोड़ते हुए भाजपा नेता पंकजा मुंडे ने मंगलवार को कहा कि वह पार्टी नहीं छोड़ रही हैं। मुंडे ने एक दिन पहले ट्विटर परिचय से 'भाजपा' शब्द हटा लिया था। उन्होंने रविवार शाम महाराष्ट्र में बदले राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर फेसबुक पर अपनी भावी यात्रा के संबंध में एक पोस्ट करने के साथ ही राजनीति में उनके अगले कदम को लेकर अटकलों का बाजार गर्म कर दिया था।

पंकजा ने सोमवार को अपने ट्विटर बायो से 'भाजपा' और अपने राजनीतिक सफर का विवरण हटाकर अफवाहों को और बल दे दिया था। पंकजा ने कहा कि मैं पार्टी नहीं छोड़ रही हूं। दलबदल मेरे खून में नहीं है। भाजपा के दिवंगत नेता गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा ने उन अफवाहों का भी खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि उनके ट्विटर परिचय से भाजपा को हटाने का मकसद अपनी पार्टी पर दबाव बनाना था। मंगलवार को पंकजा ने दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल स्थित अपने आवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े, राम शिंदे और विधायक बबनराव लोणीकर से मुलाकात की। पंकजा ने अभी तक भाजपा की अगुआई वाली पिछली सरकार में मंत्री के रूप में उन्हें आबंटित आधिकारिक आवास खाली नहीं किया है।

तावड़े ने कहा कि रविवार को उनके फेसबुक पोस्ट का विरोधियों ने गलत मतलब निकाला, इसलिए वह बहुत आहत थीं। उन्होंने खुद मुझे बताया कि वह पार्टी से नाखुश नहीं हैं। इससे पहले दिन में, पंकजा ने अपने फेसबुक पेज पर भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और साथ में 'कमल' (भाजपा का चिह्न) की एक तस्वीर पोस्ट की। पंकजा के फेसबुक अकाउंट के 'अबाउट' सेक्शन में उनका राजनीतिक संबंध अब भी भाजपा के साथ ही दिख रहा है।

# जम्मू कश्मीर में कर्मियों को मिला 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा

जम्मू, 3 दिसंबर (भाषा)।

जम्मू कश्मीर सरकार के 3.5 लाख से अधिक कर्मचारियों को 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। प्रशासन ने मंगलवार को इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

सरकार के आदेश के अनुसार समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसी के क्रियान्वयन को मंजूरी दे दी गई। यह पॉलिसी ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लि. के जरिए दो दिसंबर से तीन साल के लिए दी जाएगी। इसके लिए उन्हें जीएसटी समेत 346 रुपए का सालाना प्रीमियम देना होगा।

# दादरा-नागर हवेली और दमन-दीव के विलय का विधेयक पास

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

केंद्र शासित प्रदेश दादरा व नागर हवेली और दमन व दीव का विलय कर एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने के प्रावधान वाले दादरा और नागर हवेली व दमन और दीव (संघ राज्यक्षेत्रों का विलयन) विधेयक, 2019 को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई है।

राज्यसभा ने मंगलवार को मंजूरी प्रदान की। लोकसभा से पिछले सप्ताह बुधवार को ही इस विधेयक को मंजूरी मिल गई थी।



www.readwhere.com

विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट

# सरकारी उपक्रमों को दो हजार करोड़ का नुकसान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

दिल्ली सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को मार्च 2018 तक 2909.83 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह बात नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में कही गई है। दिल्ली सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों से संबंधित राजस्व, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र पर कैग की रिपोर्ट– 2019 को उप–मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में पेश किया।

मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार की 18 कंपनियां थीं इसमें 16 सार्वजनिक उपक्रम तथा दो सांविधिक कंपनियां थीं। 30 सितंबर, 2018 को तैयार खातों के अनुसार दिल्ली सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों का सालाना कारोबार 8119.06 करोड़ रुपए था। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा सार्वजनिक उपक्रमों को इस दौरान 2,909.83 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

मार्च 2018 की स्थिति के अनुसार इन सार्वजनिक उपक्रमों में 31 हजार कर्मचारी कार्यरत थे। इसमें कहा गया है कि बिजली क्षेत्र से जुड़े उपक्रमों को छोड़कर 13 सार्वजनिक उपक्रमों को 2013–14 से 2017–18 के दौरान नुकसान हुआ। कैग के अनुसार दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को सर्वाधिक 3,843 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

वहीं दूसरी तरफ बिजली क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों को 2017–18 में 879.63 करोड़ रुपए का लाभ हुआ। इनको 2013–14 में 758.96 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था।

HDFC MUTUAL FUND SIP KA PEHLA KADAM

सही अवसरों का लाभ उठाइए

निवेश कीजिए एचडीएफसी इक्विटी फ़ंड में – मल्टी– कैप फ़ंड

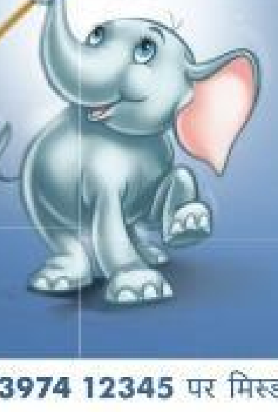

अपने फायनांशियल एडवाइजर से संपर्क करें या 73974 12345 पर मिस्ड कॉल दें.

एचडीएफसी इक्विटी फ़ंड (एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम जो मुख्यत: लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स मे निवेश करती है) उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो चाहते हैं*:
- दीर्घ अवधि में पूंजी वृद्धि/आमदनी प्राप्त करना
- मुख्यत: इक्विटी और इक्विटी-आधारित इंस्ट्रूमेन्ट्स में निवेश

*अगर निवेशक को प्रोडक्ट की उनके लिए उपयुक्तता पर संदेह हो तो उन्हें अपने फायनान्शियल एडवाइजर्स से परामर्श करना चाहिए

रिस्कोमीटर: कम, थोड़ा कम, मध्यम, थोड़ा ज़्यादा, ज़्यादा

निवेशक जानते हैं कि उनका मूलधन थोड़ा ज़्यादा जोखिम पर होगा

आमदनी का कोई आश्वासन या गारंटी नहीं है.

एसआईपी - सिस्टमैटिक इंवेस्टमेन्ट प्लान

HDFC MUTUAL FUND BHAROSA APNO KA

म्यूच्युअल फ़ंड निवेश बाज़ार के जोखिमों के अधीन हैं.योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

विधानसभा का विशेष सत्र समाप्त

# मुख्यमंत्री केजरीवाल बोले, फिर लौटेंगे और यहीं बैठेंगे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा के विशेष सत्र के आखिरी दिन सदन में दावा किया कि वे सत्ता में फिर लौट रहें हैं। इसीलिए अखिरी समय में रोजगार देने वाला महत्त्वपूर्ण विधेयक सदन से पास कर रहे हैं। उन्होंने कहा–जनता जानती है कि हमने जो कहा वो किया। इस सत्र में खेल विश्वविद्यालय और कौशल व उद्यमिता विश्वविद्यालय बनाए जाने का संकल्प यह संदेश है कि उनकी अगली सरकार का पहला काम यहीं होगा। बता दें कि दिल्ली के विधानसभा के इस सत्र में विधानसभा में स्किल व उद्यमिता विश्वविद्यालय बिल पास हुआ। बिल पर हुई चर्चा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक बिल है। दिल्ली के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं नौकरी देने वाले बनेंगे। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को रोजगार देने वाला बनाया जाएगा। इस विश्वविद्यालय में रोजगार करने की पढ़ाई की जाएगी। हमारा मानना है कि एक युवा यदि चार लोगों को भी रोजगार दे देगा तो यह बड़ी उपलब्धि होगी।

### आखिरी सांस तक देश के बारे में सोचेंगे

केजरीवाल ने कहा कि हम में से अधिकतर पहली बार चुनाव लड़ कर यहां आएं हैं। चुनाव से पहले आखिरी दिन अक्सर कोई सदन में नहीं दिखता। हम आखिरी विधेयक इसलिए ला रहे हैं, क्योंकि दोबारा आ रहे हैं। हम जिंदगी की आखिरी सांस भी ले रहे होंगे, तब भी देश के बारे में सोच रहे हैं। जब सरकार बनी थी, आते ही बिजली के दाम कम, पानी मुफ्त और सड़कें बनानी शुरू की थी। सोमवार को खेल विश्वविद्यालय बिल भी ऐतिहासिक बिल था, मंगलवार का उद्यमिता विश्वविद्यालय बिल भी युवाओं के लिए है। डिग्री लेकर मार्केट में घूम रहे हैं, उनके पास रोजगार नहीं है। ये बिल उन लोगों का समाधान करेगा। इस विश्वविद्यालय का पहला काम होगा कि उसमें दाखिल लेने वाले 100 फीसद बच्चे को नौकरी मिले या वे अपना रोजगार शुरू करें। बच्चा रोजगार खोले और 3–4 बच्चों को रोजगार दे तो अच्छा होगा।

### प्याज पर चर्चा न होने पर सदन से बहिर्गमन

दिल्ली विधानसभा में प्याज के बढ़ते दामों को लेकर सदन में चर्चा चाह रहे भाजपा विधायकों की मांग को मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष ने खारिज कर दिया। इसके बाद भी अपनी मांग पर अड़े रहे विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता को मार्शलों ने सदन से बाहर कर दिया, जिसपर पार्टी के दूसरे विधायक भी सदन से बहिर्गमन कर गए। गोयल ने कहा कि गुप्ता ने सदन की गरिमा को कम किया और जब गुप्ता प्याज के दामों पर चर्चा की मांग को लेकर अड़े रहे तो उन्होंने मार्शलों को आदेश दिया कि गुप्ता को सदन से बाहर किया जाए। नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन से बाहर संवाददाताओं से कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार विधानसभा में प्याज के दामों पर नियंत्रण रख पाने व उसे उपलब्ध कराने में विफलता व गंदे पानी की आपूर्ति के मुद्दे पर चर्चा से भाग खड़ी हुई। बता दें कि नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता व विपक्षी विधायक ओमप्रकाश शर्मा, मनजिंदर सिंह सिरसा व जगदीश प्रधान प्याज की माला पहनकर सदन में आए थे। इस पर सत्ता पक्ष के विधायक इतने नाराज हुए कि वे वेल में उतर आए। वे सिरसा की माला ले गए। नेता विपक्ष को मार्शलों से सदन से बाहर निकलवा दिया गया।

### सदन में तलब किए गए निगमों के आयुक्त

विधायक फंड से क्षेत्र में विकास कार्य वाली योजनाओं को शुरू होने से पहले निगम पार्षदों की अनिवार्य स्वीकृति की व्यवस्था पर दिल्ली विधानसभा में विधायकों ने रोष जताया है। विशेष सत्र के अंतिम दिन उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से निगम के आयुक्तों को तलब करने की मांग की। इसे सदन की अवमानना बताया। विधान सभा अध्यक्ष भी इससे सहमती जताई। तीनों निगम आयुक्त विधानसभा में तलब किए गए। विधायकों ने निगम पर लगाया दिल्ली में विकास कार्य रोकने का आरोप लगाया।

# सुरक्षा घेरा तोड़ विधानसभा में घुसे प्रदर्शनकारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

दिल्ली विधानसभा परिसर में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों का एक समूह सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर आ गया और कथित तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में की जा रही गंदे पानी की आपूर्ति के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगा। हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरे को चकमा देकर किसी तरह अंदर आ गए।

बाद में उन्हें विधानसभा परिसर से निकाला गया। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने इस घटना को भाजपा का हुड़दंग करार देते हुए आरोप लगाया कि इसके पीछे विजेंद्र गुप्ता का हाथ था। शीत सत्र के दूसरे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने के साथ गुप्ता ने प्याज के दामों में बढ़ोतरी पर चर्चा की मांग कर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश करने की कोशिश की, जिसे अध्यक्ष ने ठुकरा दिया। विपक्षी सदस्य द्वारा पेश प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद गोयल ने सदन को बताया कि एक दुर्भाग्यपूर्ण वाकया हुआ जब विधानसभा परिसर में 10–15 महिलाओं के समूह ने प्रदर्शन करने की कोशिश की।

गोयल ने सदन में आरोप लगाया कि महिला प्रदर्शनकारियों को विधानसभा परिसर में लाकर हुड़दंग किया गया और विपक्षी नेता ने ऐसा किया। इन आरोपों के बाद कुछ सत्ताधारी विधायक अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और विपक्षी सदस्यों से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। नेता विपक्ष जब नहीं माने तो गोयल ने मार्शलों से उन्हें सदन से बाहर करने को कहा।

Ministry of Textile Govt. of India
भारतीय handicrafts हस्तशिल्प continuing tradition
DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

प्रदर्शनी सह बिक्री
हस्तशिल्प के विशेष विपणन कार्यक्रम का आयोजन
सम्पूर्ण भारत से हस्तशिल्प कारीगरों के उत्पादों की बिक्री हेतु

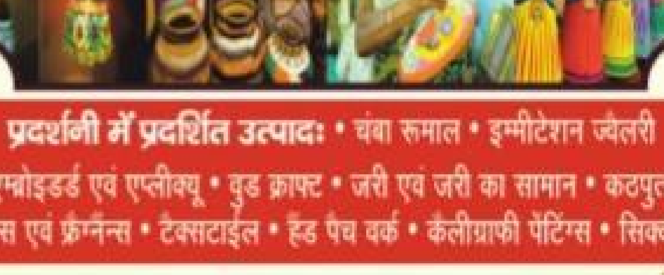

प्रदर्शनी में प्रदर्शित उत्पादः • चंबा रूमाल • इम्मीटेशन ज्वैलरी • एम्ब्रोइडर्ड एवं एप्लीक्यू • वुड क्राफ्ट • जरी एवं जरी का सामान • कठपुतली • कैंडल्स एवं फ्रैग्रेन्स • टेक्सटाईल • हैंड पैच वर्क • कैलीग्राफी पेंटिंग्स • सिक्की ग्रास

दिनांक: 2 दिसंबर से 8 दिसंबर 2019
समय: सुबह 10.00 बजे से सांय 7.00 बजे तक
स्थानः क्राफ्ट म्यूजियम
भैरो मार्ग, प्रगति मैदान, न्यू दिल्ली

ORCHARD AVENUE 2
SIGNATURE GLOBAL MAKING INDIA AFFORDABLE

LICENCE NO.: 51 OF 2019 DATED 06.03.2019 | HRERA NO.: 51 OF 2019 DATED 09.09.2019

फ्लैट का ड्रॉ

सूचित किया जाता है कि M/s Signature Builders Private Limited द्वारा विकसित किये जा रहे आवासीय अपार्टमेन्ट, Orchard Avenue 2, Sector-93 District Gurugram, मे फ्लैट्स का ड्रॉ 10 दिसंबर 2019, मंगलवार प्रातः 11:00 बजे से CORUS BANQUET, 339/1/2, Mehrauli Gurugram Road, Near Kalyani Hospital, Opp. SBI Bank, Sec. 14, Gurugram-122001 मे हरियाणा सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा। सभी आवेदक ड्रॉ मे हिस्सा लेने के लिए सादर आमंत्रित है।

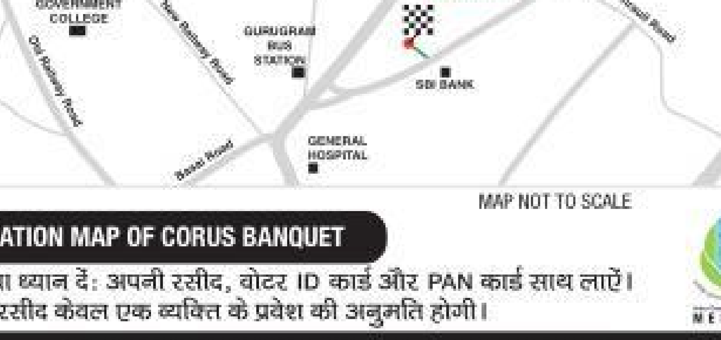


MAP NOT TO SCALE

LOCATION MAP OF CORUS BANQUET

कृपया ध्यान दें: अपनी रसीद, वोटर ID कार्ड और PAN कार्ड साथ लाएें।
प्रति रसीद केवल एक व्यक्ति के प्रवेश की अनुमति होगी।

SIGNATURE BUILDERS PRIVATE LIMITED | CIN: U70101DL2011PTC220275
Regd. Off.: 1309, 13th Floor, Dr. Gopal Das Bhawan, 28 Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi-110001
Corp. Off.: Ground Floor, Tower A, Signature Tower, South City -1, Gurugram, Haryana-122001
Email: customercare@signatureglobal.in, Ph.: 0124-4908200, 9311144624

pnb Housing Finance Limited

पंजी. कार्यालयः 9वां तल, अंतरिक्ष भवन, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोनः 011–23357171, 23357172, 23705414, वेबसाईटः www.pnbhousing.com

शाखा का पताः डी–2, सेक्टर–3, नोएडा, उ.प्र. 201301, फोन नं. 0120–6511224–26, ई–मेलः noida@pnbhousing.com
शाखा का पताः 8वां तल, डीसीएम बिल्डिंग, 16, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001 फोनः 011–23357170/74, ई–मेलः customercare@pnbhousing.com
शाखा का पताः एस–8, उपहार सिनेमा कॉम्प्लैक्स, ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली–110016 फोनः 011–26512911, ई–मेलः greenpark@pnbhousing.com
शाखा का पताः एससीओ–391, सेक्टर–29, अर्बण इस्टेट, ईफको चौक मेट्रो स्टेशन के निकट, गुड़गाँव, हरियाणा–122001, टेली. 0124–2385568, ई–मेलः gurgaon@pnbhousing.com
शाखा का पताः यूजीआई, एसजी बीटा टावर, प्लॉट नं. 10, सेक्टर–3, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)–201011, फोनः 0120–269917, ई–मेलः ghaziabad@pnbhousing.com
शाखा का पताः एच. नं. 36, ब्लॉकः बी–1, भूतल, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058, फोनः 011–25546073/74/75 70/74, ई–मेलः janakpuri@pnbhousing.com
शाखा का पताः 5वाँ तल, एचबी ट्विन टावर–1, प्लॉट नं. ए–2,3,4, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली–110034, ई–मेलः pitampura@pnbhousing.com
शाखा का पताः ए–10, 1ला तल, भगत सिंह कॉलोनी, अलबर बाईपास रोड, भिवाडी, राजस्थान, टेली.–1493–298157, ई–मेलः bhiwadi@pnbhousing.com

प्रतिभूत हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002, यथा–संशोधित के नियम 3(1) के साथ पठित वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के चैप्टर III की धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना

हम, पीएनबी हाउसिंग फाइनांस लि. (यहां के बाद ''पीएनबीएचएफएल'') ने डी–2, सेक्टर–3, नोएडा, उ.प्र.–201301 में स्थित हमारी नोएडा शाखा कार्यालय एवं साथ हीः 8वां तल, डीसीएम बिल्डिंग, 16, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001 में स्थित हमारी दिल्ली शाखा कार्यालय, साथ हीः एस–8, उपहार सिनेमा कॉम्प्लैक्स, ग्रीन पार्क एक्स्टेंशन, नई दिल्ली–110016 में स्थित हमारी ग्रीन पार्क शाखा कार्यालय, तथा साथ हीः एससीओ–391, सेक्टर–29, अर्बण इस्टेट, ईफको चौक मेट्रो स्टेशन के निकट, गुड़गाँव, हरियाणा–12201 में स्थित हमारी गुड़गाँव शाखा कार्यालय तथा साथ हीः यूजी 1, एसजी बीटा टावर, प्लॉट नं. 10, सेक्टर–3, वसुन्धरा, गाजियाबाद (उ.प्र.)–201011 में स्थित हमारी गाजियाबाद शाखा कार्यालय, एवं साथ हीः एच. नं. 36, ब्लॉक बी–1, भूतल, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 में स्थित हमारी जनकपुरी शाखा कार्यालय एवं साथ हीः 5वाँ तल, एचबी ट्विन टावर–1, प्लॉट नं. ए–2,3,4, नेताजी सुभाष प्लेस, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 में स्थित हमारी पीतमपुरा शाखा कार्यालय, तथा साथ हीः ए–10 1ला तल भगत सिंह कॉलोनी, अलवर बाईपास रोड, भिवाडी, राजस्थान में स्थित हमारी भिवाडी शाखा कार्यालय द्वारा वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (यहां के बाद ''अधिनियम'' के रूप में वर्णित) के चैप्टर III की धारा 13(2) के अंतर्गत मांग सूचना जारी किया था। उक्त मांग सूचना नीचे वर्णित आप सभी ऋणधारकों/सह–ऋणधारकों को हमारे प्राधिकृत अधिकारी के माध्यम से जारी की गई थी क्योंकि किस्तों/ब्याज का भुगतान नहीं करने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक/राष्ट्रीय आवास बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार गैर–प्रचालन परिसम्पत्तियों के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। उसका विषय–वस्तु मूलधन, ब्याज आदि की किस्तों के भुगतान में आपके द्वारा की गई चूक है। बकाया राशि नीचे वर्णित है। पुनः कारणों के आधार पर हमारा मानना है कि आप मांग सूचना की अनदेखी कर रहे हैं, अतः उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अनुसार इस मांग सूचना का प्रकाशन अपरिहार्य हो गया है। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि अद्यतन ब्याज एवं चार्जेज के साथ उक्त राशि का मांग सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर पीएनबीएचएफएल को भुगतान करें, अन्यथा पीएनबीएचएफएल ऋणधारकों तथा गारन्टरों की प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का कब्जा करने सहित किसी एक या अधिक प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत किसी एक अथवा सभी जरूरी कार्रवाई शुरू करेगा।

आपका ध्यान वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है जिसके अंतर्गत सार्वजनिक नीलामी द्वारा, जनता से कोटेशन, निविदा आमंत्रित कर अथवा निजी संधि द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये सूचना के प्रकाशन की तिथि तक पीएनबीएचएफएल द्वारा वहन की गई सभी लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के साथ बकाया देयता की सम्पूर्ण राशि का भुगतान कर सकते हैं। कृपया ध्यान रहे कि यदि सार्वजनिक नीलामी द्वारा, जनता से कोटेशन/निविदा आमंत्रित कर अथवा निजी संधि द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये सूचना के प्रकाशन से पूर्व पीएनबीएचएफएल द्वारा वहन की गई लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के साथ बकाया देयता की सम्पूर्ण राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो उसके बाद आप प्रतिभूत परिसम्पत्ति(यों) को विमोचित करने के लिए अधिकृत नहीं होंगे।

पुनः उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के अंतर्गत उपरोक्त प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का बिक्री, पट्टा या किसी अन्य रूप से अंतरित करने से आप प्रतिबंधित हैं।

| क्रम सं. | ऋण खाता सं. | ऋणधारक एवं सह–ऋणधारक का नाम/ पता | गारन्टर का नाम/ पता | गिरवी सम्पत्ति | मांग सूचना तिथि | मांग सूचना तिथि को बकाया राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | HOU/GRP/0616/293503 बी.ओ.: ग्रीन पार्क | आयुश अग्रवाल, 505, श्रीनगर, रेलवे रोड, बैंक कॉलोनी, हापुर, उत्तर प्रदेश तथा श्री सिद्धार्थ सक्सेना, बी–201, 2रा तल, प्लॉट नं. जीएच–02, तरुण अपार्टमेन्ट, गुड़गाँव | एन.ए. | जेड 107, टाइप के, ईरिओ, वाटरफ्रान्ट, ग्राम देवतबल, ढ़ाका–I एवं II, ईजेवाल तथा गहौर, तहसील एवं जिला लुधियाना, पंजाब–141001 | 30–10–2019 | 1,22,43,809.44 30–10–2019 को |
| 2. | HOU/GRP/0818/565327 बी.ओ.: ग्रीन पार्क | गौरव कुमार तथा श्रीमती खुशबू, मकान सं. 855, गली नं. 6, अशोक विहार, फेज–1, सीता राम मंदिर के निकट, गुड़गाँव | एन.ए. | 802, 8, टावर ए–2, एवेलॉन गार्डन, अलवर बाई पास रोड भिवाडी, राजस्थान | 11.10.2019 | 44,07,068.3 11–10–2019 को |
| 3. | HOU/GRP/0116/261223 बी.ओ.: ग्रीन पार्क | चरणजीत सिंह वालिया, सुश्री जसप्रीत वालिया, श्री सुरिन्दर सिंह वालिया एवं सुश्री राज वालिया, ए–13, अग्रसेन अपार्ट., प्लॉट नं 10, सेक–07, द्वारका, नई दिल्ली–110075 | एन.ए. | प्लॉट नं. 64, प्रथम् तल, ब्लॉक नं. सी, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली | 30.11.2019 | 44,25,783.53 30–10–2019 को |
| 4. | HOU/PTP/1018/598859 बी.ओ.: पीतमपुरा | श्री आनंद पाण्डेय, पताः 6/32, वैशाली, सेक्टर–6, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010 | एन.ए. | 2903.0, 29, टावर जी, आरजी लक्जरी होम्स, प्लॉट नं. जीएच–07ए, सेक–16बी, जी, रीटर, नोएडा | 15.11.2019 | 46,86,950.30 15–11–2019 को |
| 5. | HOU/JAN/1016/323978 बी.ओ.: जनकपुरी | श्री मोह. राघिब पताः भूतल, एच. नं. 1106, सेक–4, गुड़गाँव, हरियाणा | एन.ए. | टी–3, 102, 1, टावर नं. 3, एमिनेन्ट हाइट्स, प्रॉप. नं. 11, नया नं. 88/79, खे.नं. 301 पार्ट तथा 302 पार्ट में शामिल, बलवीर एवैन्यू, ग्राम धरमपुर, देहरादून, उत्तराखंड–249165 | 14.11.2019 | 35,59,310.91 14–11–2019 को |
| 6. | HOU/BHI/0616/295328 बी.ओ.: भिवाडी | अशोक कुमार सैनी एवं श्रीमती ज्योति सैनी, सुनार बाड़ी, तिजारा, अलवर, राजस्थान–301411 | एन.ए. | 502, 5, टावर डी (अकोया), कालका, द पर्ल, खसरा नं. 387, ग्राम कालका, तहसील–तिजारा, भिवाड़ी, राजस्थान–301019 | 14.11.2019 | 11,03,738.46 14–11–2019 को |
| 7. | HOU/GUR/1215/254343 बी.ओ.: गुड़गाँव | श्री अनीश मारु तथा श्रीमती शैल मारु ए–3/155, 2रा तल, पश्चिम विहार, दिल्ल–110063 | एन.ए. | 202, 2, टावर एच, कैपिटल गेट वे, सेक्टर 110 एवं 111, अभिनंद फार्म हाउस/पालम विहार के निकट कॉलोनी, गुड़गाँव, हरियाणा–122001 | 14.11.2019 | 1,16,15,696.77 14–11–2019 को |
| 8. | HOU/GUR/0716/304809 बी.ओ.: गुड़गाँव | श्री परनीत सिंह तथा श्रीमती नवनीत कौर, सी–38, रजौरी गार्डन, दिल्ली–110027 | एन.ए. | 3, 3, टावर एफ (6), 106, गोल्फ एवैन्यू, ग्राम दौलताबाद, सेक्टर–106, गुड़गाँव–122001 | 14.11.2019 | 73,32,688.67 14–11–2019 को |
| 9. | 00176660002689 बी.ओ.: गुड़गाँव | श्री शारंग देव सिंह राठौर, श्री रणवीर सिंह राठौर, श्रीमती नीतू सिंह एवं श्रीमती स्नेह राठौर, अपार्ट–1204, टावर 20, सेक. 49, ऑर्चिड पेटल्स, गुड़गाँव–122001 | एन.ए. | 1001, तल 10, टावर बी 3, यूनीटेक साउथ पार्क, सेक्टर–70, गुड़गाँव, हरियाणा, गुड़गाँव | 14.11.2019 | 42,17,392.27 14–11–2019 को |
| 10. | HOU/BHI/0317/360779 बी.ओ.: भिवाडी | श्री विवेक कुमार पाण्डेय तथा श्रीमती प्रतिभा पाण्डेयः एफ–71, शुभाश्रय, खसरा नं. 1602, 162/2171, 1607, 1608, 1631, 2356/1596, 2355/1595, 1599, ग्राम इशरोडा तिजारा जिला, अलवर, राजस्थान–344708 | एन.ए. | एफ–71, शुभाश्रय, खसरा नं. 1602, 162/2171, 1607, 1608, 1631, 2356/1596, 2355/1595, 1599, ग्राम इशरोडा, तिजारा, जिला अलवर, राजस्थान–344708 | 14.11.2019 | 8,88,998.06 14–11–2019 को |
| 11. | HOU/BHI/1218/626992 बी.ओ.: भिवाडी | श्री रमेश झा एवं श्रीमती मीरा देवी 3/218, यूआईटी कॉलोनी, भिवाड़ी, अलवर, राजस्थान–301019 | एन.ए. | 143.0, 1.0. एफ–143(एफएफ) शुभाश्रय, खसरा नं. 1602, 162/2171, 1607, 1608, 1631, 2356/1596, 2355/1595, 1599, ग्राम इशरोडा, तिजारा, जिला अलवर, राजस्थान–344708 | 14.11.2019 | 7,66,806.17 14–11–2019 को |
| 12. | HOUNOIB/0818/571631 बी.ओ.: सेक्टर 63 नोएडा | श्री सचिन धत्तेरवाल मै. सचिन मिल्क सप्लाई एंड अदर प्रॉडक्ट्स, बूथ नं. 067, सिद्धार्थ एक्स्टेंशन, दिल्ली–110013 तथा ग्राम– धतेरवाला, तहसील–चिरावा, धतेरवाला, बुडैया, झुनझुनुन, राजस्थान–333025 तथा मकान सं. 220, ग्राम जसोला, दिल्ली–110020 | एन.ए. | फ्लैट नं. 1001, 10वां तल, टावर–बी 7, एवलॉन रंगोली, सेक्टर–65, अलवर बाई पास रोड, भिवाड़ी, एनएच–8, राजस्थान–301019 | 14.11.2019 | 25,77,569.3 14–11–2019 को |
| 13. | 00166660004676 बी.ओ.: सेक्टर–3, नोएडा | श्री अरुण चन्द खन्ना, मै. फास्ट फूड्स प्रा.लि., श्री गोकल चंद खन्ना, श्रीमती मोनिका खन्ना, 1–श्री राम रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली–110054 तथा सी–14, इंडस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201003 | एन.ए. | केयूबी 0082301, कुबे, जयपी ग्रीन्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 | 14.11.2019 | 89,90,566.18 14–11–2019 को |
| 14. | NHL/NOI/0418/520586 सेक्टर–3, नोएडा | श्री दलीप सेठी एवं सुनील सेठी, टी 562, 1ला तल, गली पंजाबी, फैक्ट्री रोड, नवी करीम, दिल्ली–110055 **तथा** ब्लॉक डीपी 166, मौर्या एन्क्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 | एन.ए. | डीपी–166, ब्लॉक डीपी, पीतमपुरा, दिल्ली–110034 | 14.11.2019 | 1,03,23,974.97 14–11–2019 को |
| 15. | HOU/NOI/0518/534704 सेक्टर–3, नोएडा | श्री मनीश कुमार गुप्ता, मै. स्टॉलवार्ट सर्बेलैन्स एंड इलेक्ट्रो टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. श्रीमती पारुल गुप्ता, फ्लैट नं. 46डी, 3रा तल, टाइप एमआईजी, मधुवन अपार्ट. सेक्टर 82, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301, तथा 372/ए, राम नगर, अम्बेदकर रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201010 | एन.ए. | फ्लैट नं. 46डी, 3रा तल, टाइप एमआईजी, मधुबन अपार्ट., सेक्टर 82, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 | 14.11.2019 | 38,34,001.11 14–11–2019 को |
| 16. | HOU/NOI/0716/301297 बी.ओ.: नोएडा | श्री राहुल कुमार, बी–2–40ए, सेक्टर–71, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 तथा साई एयर कंडीशन एंड इलेक्ट्रिकल, शॉप नं. 55, ब्लॉक–4, गंगा शॉपिंग कॉम्प्लैक्स, सेक्टर–29, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 | श्री रवि श्रीवास्तव, मकान सं. 1857, ब्रह्मपुत्र अपार्टमेन्ट, सेक्टर–29, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 | 1805, 17, टावर ए 1, चेरी कन्ट्री, प्लॉट नं.–जीएच–05बी, सेक्टर–टेक जोन–IV, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, उत्तर प्रदेश–201301 | 14.11.2019 | 26,18,216.09 14–11–2019 को |
| 17. | HOU/NOI/0318/506226 बी.ओ.: नोएडा | श्री संदीप चौहान, श्रीमती सीमा चौहान मकान सं. 947, टैगोर गार्डन एक्स्टें., होली चाईल्ड स्कूल के निकट, दिल्ली–110027 | | टी–2–1905, 19 वां तल, टावर–डी, यूनीवेरा टावर, प्लॉट जीएच–16 एफ, सेक्टर–01, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–20131 | 14.11.2019 | रु. 33,24,155.73/– 14–11–2019 को |
| 18. | 00166660003111 बी.ओ.: सेक्टर–3, नोएडा | श्री अशोक कुमार वेहरा एवं श्री लोपामुद्रा साहू बी–149, 1 ला तल, छत्तरपुर एन्क्लेव, फेज–2, नई दिल्ली–110076 | | फ्लैट नं. 0807, 8वां तल, टावर बी–4, प्लॉट नं. जीएच 001, सेक्टर–113, नोएडा, उत्तर प्रदेश–201301 | 19.11.2019 | रु. 4,94,896.18/– 19–11–2019 को |
| 19. | HOU/NOI/0118/479228 सेक्टर–3, नोएडा | श्री विनय कुमार जैसवाल एवं श्रीमती पूजा पावा सी–1, 325ए, 1ला तल, पालम विहार स्पैनिश कोर्ट, गुड़गांव, हरियाणा–122017 | | 620/12, भू तल बिना छत के अधिकार के, फ्रैंडस सहकारी आवास समिति लि., सेक्टर–12, वसुन्धरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201012 | 20.11.2019 | रु. 53,12,583.87/– 20–11–2019 को |
| 20. | 00316660000534 बी.ओ.: जनकपुरी | श्री गौरव पाण्डेय एवं श्रीमती प्रीति पाण्डेय, पताः फ्लैट नं. 502, एवं 102, ब्लॉक–3, आर बी वृन्दावनम, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश | एन.ए. | ए 6–03–0305, यूनीटेक यूनीहोम्स 3, सेक्टर–113, नोएडा, उ.प्र., जनकपुरी | 29.10.2019 | रु. 22,14,739.27/– 29–11–2019 को |
| 21. | 306660000069 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री पंकज त्यागी एवं श्रीमती रश्मि त्यागी, पताः बी–301, 3 रा तल, ब्लॉक–बी, एपैक्स एकैसिया वैली, वैशाली, सेक्टर–3, गाजियाबाद–201010– उ.प्र. | श्रीमती उर्मिला धींगरा पताः एच नं. 161, पॉकेट–24, जी एफ सेक्टर–24, रोहिणी, दिल्ली–110085 | यूनिट नं. बी–301, 3 रा तल, ब्लॉक –बी, एपैक्स एकेशिय वैली, सेक–3, वैशाली, जी, गाजियबाद | 21.11.2019 | रु. 23,81,566.54/– 21–11–2019 को |
| 22. | HOU/DEL/0416/282638 बी.ओ.: दिल्ली | श्री संतोष तिवारी एवं श्रीमती जूही शर्मा, पताः मकान सं. एन–286, भू तल, माई फील्ड गार्डन, सेक्टर–51, समसपुर चक्करपुर, फर्रूखानगर, गुड़गांव, हरियाणा–122002 | एन.ए. | फ्लैट नं. 305, 3 रा तल, टावर–फार्च्यून, सिक्का कामना ग्रीन्स, प्लॉट नं. जीएच–03/बी, सेक्टर–143, नोएडा, उ.प्र. | 19.11.2019 | रु. 56,89,510.77/– 19–11–2019 को |
| 23. | HOU/DEL/0916/316630 HOU/DEL/1016/327323 बी.ओ.: दिल्ली | श्री शिवेन्द्र कुमार सिंह एवं श्रीमती मनीशा सिंह, पताः बी–79, पॉकेट–2, ब्लॉक–37, केन्द्रीय विहार–II, सेक्टर–82, नोएडा, उ.प्र.–201308 | एन.ए. | फ्लैट नं. 206, 2रा तल, टावर– स्पार्क, सिक्का कामना ग्रीन्स, प्लॉट नं. जीएच–03/ बी, सेक्टर–143, नोएडा, उ.प्र. | 18.11.2019 | रु. 47,26,492.19 (A/C No HOU/DEL/0916/316630 रु. 44,99,238.48 & A/C No. HOU/DEL/1016/327323 रु. 2,27,253.71) 18/11/2019 को |
| 24. | HOU/DEL/0417/378667 बी.ओ.: दिल्ली | श्री दिब्यांशु सिंह एवं श्री शिवांशु सिंह, **पताः** फ्लैट नं. ओ. 201, जेस्मिन, एनआईएचओ स्कॉटिश गार्डन, अहिंसा खंड–II, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद उ.प्र.–201014 | एन.ए. | फ्लैट नं. 1606, 16वां तल, टावर ट्रान्स रिदम काउन्टी प्लॉट नं. जीएच–16 ई, सेक्टर–01, ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.–201301 | 13.11.2019 | रु. 24,41,594.29 13/11/2019 को |
| 25. | HOU/DEL/0817/417480 बी.ओ.: दिल्ली | श्रीमती रीमा गुलाटी एवं स्व. श्री संजीव गुलाटी, **पताः** 72, 1ला तल, कैलाश हिल्स, ईस्ट ऑफ कैलाश, दिल्ली–110065 | एन.ए. | प्लॉट नं. 269, दूसरा तल, सेक्टर 21 बी, फरीदाबाद, हरियाणा | 19.11.2019 | रु. 1,02,03,634.70 19/11/2019 को |
| 26. | 00166660003111 बी.ओ.: सेक्टर–3, नोएडा | श्री अशोक कुमार बेहरा, श्री लोपामुद्रा साहू, बी–149, 1ला तल, छत्तरपुर एन्क्लेव, फेज–2, नई दिल्ली–110076 | एन.ए. | फ्लैट नं. 0807, 8वां तल , टावर बी–4, प्लॉट नं. जीच 001, सेक्टर– 113, नोएडा, उत्तर प्रदेश– 201301 | 19.11.2019 | रु. 4,94,896.18 19–11–2019 को |
| 27. | HOU/GHA/0415/216637 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री पवन कुमार एवं श्रीमती भारती शर्मा, **पताः** पुत्र श्री ग्रैन दत्त शर्मा, ग्राम टिबरा, पीओ मोदी नगर, गाजियाबाद, उ.प्र.–201204 | एन.ए. | यूनिट नं. 1003, 10, टावर टी 2, एमसीसी सिग्नेटर हाइट्स, राज नगर एक्स्टेंशन, खसरा नं. 976, 977, 981, ग्राम नूर नगर, गाजियाबाद– 201001 (उ.प्र.) | 21.11.2019 | रु. 27,56,816.93 21.11.2019 को |
| 28. | 00306660000792 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री इन्दर नेगी एवं श्रीमती दिव्या नेगी, **पताः** सी–162, 1ला तल, पांडव नगर, मदर डेयरी के निकट, दिल्ली–110092 | एन.ए. | अपार्ट. नं. 0304, फ्लोर नं. 3, टावर सी 3, यूनिहोम्स–3, प्लॉट नं. जीएच–001, सेक. गाजियाबाद (उ.प्र.) | 21.11.2019 | रु. 8,00,698.62 21.11.2019 को |
| 29. | 00306660000970 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री पायुश गुप्ता एवं श्रीमती मोनिका गुप्ता, पताः फ्लैट नं. 601, टावर 15, द क्लोज नार्थ निर्वाणा कन्ट्री, सेक.–50, गुड़गाँव, हरियाणा–1220018 | एन.ए. | यूनिट नं. केबीए–12–504, केसिंग्टन बाउलेवर्ड, जयपी ग्रीन्स, नोएडा उत्तर प्रदेश–20130 | 21.11.2019 | रु. 19,63,023.83 21.11.2019 को |
| 30. | HOU/GHA/0715/230883 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री मनोज खण्डेलवाल एवं श्रीमत ईशा खण्डेलवाल, पताः सी–26, व्यास मार्ग, श्री राम कॉलोनी, लक्ष्मी नारायण पुरी, जयपुर, राजस्थान–302004 | एन.ए. | यूनिट नं. 4, 4था तल, वीएस 10, राइज स्काई बंग्लाज, गुड़गांव, हरियाणा–121002 | 21.11.2019 | रु. 1,064,2651.51 21.11.2019 को |
| 31. | HOU/GHA/0915/240506 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री शाहु पॉल एवं श्रीमती सैन्ड्रा एनी जैकब, पताः 12, मुखर्जी लेन, बेलुर्मा कोलकाता, पश्चिम बंगाल–711202 | एन.ए. | 1901, 19, टावर–9, श्री राधा स्काई गार्डन, प्लॉट नं. जीएच 05, सेक्टर– 16 बी, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश– 201301 | 21.11.2019 | रु. 42,58,336.77 21.11.2019 को |
| 32. | HOU/GHA/0915/240818 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री क्षितिज गोयल एवं श्रीमती जूही गुप्ता पताः ए–47, कीर्ति विहार, जागृति विहार, मेरठ, उत्तर प्रदेश–250004 | एन.ए. | फ्लैट नं. 706, 7वाँ तल, प्लॉट नं. जीएच–02ए, ब्लॉक नं. एफ, ऐस एज टेक्नोजोन–IV, ऐस एस्पायर, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश–201301 | 21.11.2019 | रु. 40,07,863.30 21.11.2019 को |
| 33. | HOU/GHA/0218/492059 बी.ओ.: गाजियाबाद | श्री गिरीश कुमार मौर्य एवं श्री मनोज कुमार मौर्या, **पताः** फ्लैट नं. 23/389, गली नं. 23, 2रा तल, त्रिलोकपुरी, दिल्ली–110091 | एन.ए. | प्लॉट नं. 500, भूतल, सेक्टर 5, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201019 | 21.11.2019 | रु. 33,42,503.63 21.11.2019 को |
| 34. | HOU/JAN/0717/404545 बीओः जनकपुरी | श्री दीपक कुमार तथा श्रीमती शालू पाल पताः सी–112, ककरोला हाउसिंग कॉम्प्लैक्स, दिल्ली 110078 | एन.ए. | 1302, 13, टाबर सी (ट्रान्स) रिदम कॉन्टी (होल्ड), प्लॉट नं. जीएच–16 ई, सेक्टर–01, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुध बालक इन्टर कॉलेज, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश– 201301 | 23.11.2019 | रु. 30,19,684.74 23.11.2019 को |

स्थानः गाजियाबाद/दिल्ली/ग्रीन पार्क/गुड़गाँव/जनकपुरी/नोएडा/पीतमपुरा/भिवाडी, तिथिः 03.12.2019

प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनांस लि.

www.readwhere.com

हैदराबाद बलात्कार और हत्या मामले को लेकर नाराजगी

# मालीवाल की भूख हड़ताल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

हैदराबाद में हुई बलात्कार की घटना के बाद दिल्ली में महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल अनिश्तिकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गईं हैं। यह हड़ताल जंतर मंतर पर शुरू हुई, जहां उनके साथ बड़ी संख्या में छात्राएं व महिलाएं शामिल हुई। महिलाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। उधर महिला आयोग की अध्यक्ष ने बलात्कार की घटनाओं को लेकर एक पत्र भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा है।

जंतर मंतर पर अनशन शुरू करने से पूर्व स्वाति मालीवाल सबसे पहले राजघाट पहुंची और बापू महात्मा गांधी को नमन किया। वहां पर काफी देर प्रार्थना करने के बाद स्वाति अपने अनशन के लिए जंतर मंतर पहुंची। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जब तक इन मांगों को पूरा नहीं करता जब तक वे अनशन नहीं तोड़ेंगी। हालांकि देर शाम दिल्ली पुलिस की ओर से एक ट्वीट जारी कर बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने अपना धरनास्थल जंतर मंतर से हटाकर समता स्थल कर लिया है। उधर इस मामले को स्पष्ट करने की मांग करते हुए पुलिस ने कहा कि डीसीडब्लू को पत्र लिखकर प्रदर्शन का विवरण, परिवहन के साधन, माइक्रोफोन के प्रबंध और इसमें शामिल होने वाले प्रदर्शनकारियों की संख्या के संबंध में जानकारी मांगी है। साथ ही उस हलफनामे की एक प्रति भी मांगी है जिसे सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार भरा जाना होता है। उन्होंने बताया कि विवरण का इंतजार किया जा रहा है। महिला आयोग की अध्यक्षा स्वाति मालीवाल को बधाई देता हूं। इन मुद्दों में एक तरह की बात करनी चाहिए और एक स्वर में बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनी मिश्रा मामले में भी संज्ञान लेना चाहिए। हैदराबाद की घटना से सभी आहत हैं। इस मामले में सोनी मिश्रा भी मुख्यमंत्री के पास गई थीं। इस प्रकार के मामलों में जो भी हो उसका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जवाब देना चाहिए।

### मालीवाल की मांग

- महिला सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएं
- निर्भया के बलात्कारियों को फांसी दें
- पुलिस की बहाली बढ़ाई जाए
- 66 हजार पुलिसकर्मी दिल्ली में बढ़ें
- देश में फास्ट ट्रैक अदालत बनाई जाए
- पुलिस की जवाबदेही तय करें
- निर्भया फंड का इस्तेमाल किया जाए

### सोशल मीडिया के जरिये पुलिस पर उठाए सवाल

सुबह साढ़े 9 बजे स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि पुलिस हमें जंतर मंतर पर नहीं बैठने दे रही है। रात भर पुलिस ने पूरा जंतर मंतर बैरिकेडिंग करके टेंट, माइक और टॉयलेट नहीं लगने दिया। साफ बोला है कि अनशन नहीं होने देंगे। देश में एक महिला शांति से अनशन भी नहीं कर सकती। केंद्र सरकार को ऐसा क्या डर है और क्या सच में लोकतंत्र है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से देर रात जानकारी दी कि पुलिस ने हजारों की संख्या में पुलिस तैनात की है और इन्हें प्रदर्शन को खत्म करने के लिए भेजा गया है।

## विवि के विद्यार्थी नहीं रहेंगे परीक्षाएं न देने वाले : जेएनयू

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने मंगलवार को फिर विद्यार्थियों को 12 दिसंबर से शुरू होने वाली सेमेस्टर परीक्षा में बैठने के लिए कहा है। प्रशासन ने विद्यार्थियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि जो विद्यार्थी परीक्षाएं नहीं देता है, वह जेएनयू के अकादमिक नियमों के मुताबिक विश्वविद्यालय का विद्यार्थी नहीं रहेगा।

इससे पहले जेएनयू प्रशासन की ओर से 17, 28 और 29 नवंबर को भी इस मामले में सर्कुलर जारी करते हुए विद्यार्थियों को चेताया था। एक महीने से अधिक से जेएनयू के विद्यार्थियों छात्रावास की शुल्क बढ़ोतरी और इसके नए नियमों को लागू करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यार्थियों की मांग है कि इसे वापस लिया जाए। प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थियों के प्रदर्शन के कारण संस्थान में अकादमिक गतिविधियों पर भी असर पड़ रहा है। जेएनयू के रजिस्ट्रार प्रमोद कुमार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जो विद्यार्थियों अकादमिक गतिविधियों एवं नियमों, मानदंडों का पालन नहीं करेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानदंडों और अकादमिक कैलेंडर का पालन करना विद्यार्थियों के लिए जरूरी है। इसके अनुसार उन्हें 12 दिसंबर से शुरू होने वाली अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल अनिवार्य रूप से शामिल होना होगा। एमफिल-शोध प्रबंध-पीएचडी के विद्यार्थियों को अपनी थीसिस संबंधित स्कूलों (विभागों) को मूल्यांकन के लिए अनिवार्य रूप से जमा कराने होंगे। इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। इन तिथियों को जेएनयू की अकादमिक परिषद (एसी) व कार्यकारी परिषद (ईसी) ने तय किया है। इसलिए इनमें कोई ढील नहीं दी जाएगी। अकादमिक अध्यादेश के नियम-7 के मुताबिक हर एमफिल करने वाले विद्यार्थी को अपना 50 फीसद पाठ्यक्रम पूरा करना होगा।

अगर ये छात्र अपने पाठ्यक्रम कार्य को पूरा करते हुए 5 सीजीपीए लाने में असफल रहते हैं तो नियम-8 के अनुसार दूसरे सेमेस्टर के अंत में उनका नाम विश्वविद्यालय की नामांकन सूची से हटा दिया जाएगा। जो छात्र बीए ऑनर्स प्रोग्राम में हैं, उन्हें सभी सत्रीय परीक्षाएं देनी होंगी और अकादमिक मानदंड में निर्धारित कम से कम सीजीपीए हासिल करना होगा। जो छात्र ऐसा करने में विफल रहेंगे उनको विश्वविद्यालय की नामांकन सूची से हटा दिया जाएगा। साथ ही जो छात्र एमए, एमएससी पाठ्यक्रम में हैं और अकादमिक अध्यादेश के नियम-9 और 11 का पालन करने में विफल रहते हैं तो उन्हें विश्वविद्यालय की नामांकन सूची से हटा दिया जाएगा।

ASCOM LEASING & INVESTMENTS LIMITED

Our Company was incorporated on December 16, 1986, as "Ascom Leasing & Investments Limited" under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Andhra Pradesh bearing Registration Number 085128. Our company received the certificate of Commencement of Business on January 07, 1987. Subsequently, our Company has shifted the registered office from Hyderabad to Surat, vide certificate issued by the Registrar of Companies, Ahmedabad on November 23, 2015. Our Company holds a certificate of registration dated December 17, 2015 bearing registration number B-01.00559 issued by the RBI to carry on the activities of a non-deposit taking NBFC with the RBI under section 45 IA of the RBI Act, 1934. The Corporate Identification Number of our Company is U65993GJ1986PLC085128. For details of incorporation, change of registered office of our Company, please refer to the section title "History and certain Corporate Matters" on beginning page No. 95 of the Prospectus.

**Registered Office:** 331, 3rd floor, Four Point Complex, Vesu, besides Maniba Park, Surat, Gujarat 395007
**Telephone: +91 9825140403; Contact Person: Mr. Tushar Rohitbhai Pandya, Managing Director**
**E-mail:** info@ascomfinance.com; **Website:** www.ascomfinance.com; Corporate Identity Number: U65993GJ1986PLC085128

**PROMOTER OF OUR COMPANY: MR. TUSHAR ROHITBHAI PANDYA**

**BASIS OF ALLOTMENT**

**INITIAL PUBLIC OFFER OF 21,08,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10.00 EACH, AT AN ISSUE PRICE OF RS. 30.00 PER EQUITY SHARES FOR CASH (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. 20 PER EQUITY SHARE) (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO RS. 632.40 LAKHS (THE "ISSUE"). THE ISSUE INCLUDES A RESERVATION OF 1,08,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10 EACH AT A PRICE OF RS. 30 PER EQUITY SHARE AGGREGATING RS. 32.40 LAKH FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS MARKET MAKER RESREVATION PORTION I.E. NET ISSUE OF 20,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10 EACH FOR CASH AT A PRICE OF RS. 30/- PER EQUITY SHARE, AGGREGATING RS. 600.00 LAKH IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSITUTE 26.99% AND 25.61% RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.**

**IN TERMS OF RULE 19(2)(B)(I) OF THE SECURITIES CONTRACTS (REGULATION) RULES, 1957, AS AMENDED (THE "SCRR") THE OFFER IS BEING MADE FOR AT LEAST 25% OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY. THIS OFFER IS BEING MADE IN TERMS OF CHAPTER IX OF THE SEBI (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED FROM TIME TO TIME ("SEBI (ICDR) REGULATIONS"). FOR FURTHER DETAILS, PLEASE REFER SECTION TITLED "ISSUE RELATED INFORMATION "BEGINNING ON PAGE NO. 160 OF THE PROSPECTUS.**

**FIXED ISSUE PRICE AT RS. 30 PER EQUITY SHARE**
**THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES IS 10/- EACH**
**THE ISSUE PRICE IS 3 TIMES OF THE FACE VALUE**
**ISSUE OPENED ON: TUEDAY, NOVEMBER 26, 2019 AND ISSUE CLOSED ON: THURSDAY, NOVEMBER 28, 2019**

The Equity Shares of our Company issued through the Prospectus are proposed to be listed on Emerge Platform of National Stock Exchange of India Limited ("NSE SME"), in terms of the Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations, 2018 as amended from time to time. Our Company has received an In – Principle approval letter dated October 22, 2019 from National Stock Exchange of India Limited for using its name in the Issue document for listing of our shares on the Emerge Platform of National Stock Exchange of India Limited ("NSE SME"). For the purpose of this Issue, National Stock Exchange of India Limited ("NSE") shall be the Designated Stock Exchange.

All potential investors shall participate in the Issue only through an application supported by blocked amount ("ASBA") process providing details about the bank account which will be blocked by the self certified syndicate banks ("SCSBs") for the same. In terms of SEBI Circular No. SEBI-HO/CFD/DIL2/CIR/P/2018/138 dated November 01, 2018 and SEBI Circular No. SEBI-HO/CFD/DIL2/CIR/P/2019/50 dated November 08, 2019, it should be noted that SEBI has introduced the use of unified payment interface ("UPI") as a payment mechanism with application supported by block amount (ASB) in public issues by retail individual investors through intermediaries (syndicate members, registered stock brokers, registrar and transfer agent and depository participants). For further details, please refer to section title "Issue related Information" beginning on page no. 160 of the Prospectus. A copy of prospectus has been delivered for registration to the Registrar of Companies as required under Section 32 & 26 of the Companies Act, 2013.

**SUBSCRIPTION DETAILS**

**The Issue has received 269 applications for 29,32,000 Equity shares (before technical rejections) resulting in 1.39 times subscription (including reserve portion of Market Maker).**
**The details of application received (before Technical Rejection)**

| Sr. No. | Category | Number of Applications Received | Number of Equity Shares | Subscription (Times) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Retail Individual Investors | 253 | 10,12,000 | 1.12 |
| 2 | Other than Retail | 15 | 18,12,000 | 1.81 |
| 3 | Market Maker | 1 | 1,08,000 | 1.00 |
| | TOTAL | 269 | 29,32,000 | |

**The details of application rejected by the Registrar on technical grounds and multiple rejections are detailed below**

| Sr. No. | Category | Number of Applications Received | Number of Equity Shares |
|---|---|---|---|
| 1 | Retail Individual Investors | 7 | 28,000 |
| 2 | Other than Retail | 1 | 1,48,000 |
| 3 | Market Maker | - | - |
| | TOTAL | 8 | 1,76,000 |

**The details of application received (after technical and multiple rejection)**

| No. of Shares Applied for (Category Wise) | Category | Number of Applications Received | Number of Equity Shares |
|---|---|---|---|
| 1 | Retail Individual Investors | 246 | 9,84,000 |
| 2 | Other than Retail | 14 | 16,64,000 |
| 3 | Market Maker | 1 | 1,08,000 |
| | TOTAL | 261 | 27,56,000 |

**Allocation: the Basis of Allotment was finalized in consultation with the designation Stock Exchange – NSE Limited on December 03, 2019.**
**A.Allocation to the Market Maker (After technical rejections): the basis of Allotment to the Market Maker, at the offer price of Rs. 30/- per equity share, was finalized in consultation with NSE Limited. The Category was subscribed by 1.00 Time. The total number of shares allotted in this category is 1,08,000 equity shares.**
**B.Allocation to Retail Individual Investors (After technical rejections): the Basis of Allotment to the retail Individual Investors, at the offer price of Rs. 30/- per equity share, was finalised in consultation with National Stock Exchange of India Limited. The Category was subscribed by 0.98 Times. The total number of shares allotted in this category is 9,84,000 equity shares to 246 successful applicants.**
**The category wise details of the basis of Allotment are as under:**

| No. of Shares Applied for (Category Wise) | No. of Applications received | % to total | Total No. of Equity shares applied in this category | % of total | Proportionate shares available | Allocation per Applicant (Before rounding off) | Allocation per Applicant (After rounding off) | Ratio of Allottees to the Applicants Ratio -1 | Ratio of Allottees to the Applicants Ratio -2 | No of Successful applicants (after rounding off) | Total no. of shares allocated / allotted | Surplus / (Deficit) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4000 | 246 | 100 | 984000 | 100 | 10,00,000 | 4065.04 | 4000 | 1:1 | - | 246 | 984000 | (16000) |

**C. Allocation to other than retail Individual Investors (After Technical Rejection & Withdrawal):**
**The basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, at the- offer price of Rs. 30/- per equity share, was finalized in consultation with National Stock Exchange India Limited, the category was subscribed by 1.66 times. The total no. of shares allotted in this category is 16,64,000 Equity shares to 14 successful applicants.**
**The category -wise details of the basis of Allotment are as under**

| Sr. No. | Category | No. of Application received | % of total | Total No. of Equity Shares Applied | % to Total | No. of Equity Shares allotted per applicants | Ratio | Total No. of Shares Allotted |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 8,000 | 1 | 0.48 | 8,000 | 0.39 | 4,000 | 1:1 | 4,000 |
| 2. | 16,000 | 1 | 0.96 | 16,000 | 1.18 | 12,000 | 1:1 | 12,000 |
| 3. | 20,000 | 1 | 1.20 | 20,000 | 1.18 | 12,000 | 1:1 | 12,000 |
| 4. | 24,000 | 1 | 1.44 | 24,000 | 1.57 | 16,000 | 1:1 | 16,000 |
| 5. | 36,000 | 3 | 6.49 | 36,000 | 5.91 | 60,000 | 1:1 | 60,000 |
| | 36,000 | | | 36,000 | 0.39 | 4,000 | 1:3 | 4,000 |
| 6. | 1,52,000 | 1 | 9.13 | 1,52,000 | 9.06 | 92,000 | 1:1 | 92,000 |
| 7. | 1,60,000 | 1 | 9.62 | 1,60,000 | 9.45 | 96,000 | 1:1 | 96,000 |
| 8. | 1,64,000 | 1 | 9.86 | 1,64,000 | 9.84 | 1,00,000 | 1:1 | 1,00,000 |
| 9. | 1,80,000 | 1 | 9.82 | 1,80,000 | 11.02 | 1,12,000 | 1:1 | 1,12,000 |
| 10. | 1,84,000 | 1 | 11.06 | 1,84,000 | 11.02 | 1,12,000 | 1:1 | 1,12,000 |
| 11. | 3,16,000 | 1 | 18.99 | 3,16,000 | 18.90 | 1,92,000 | 1:1 | 1,92,000 |
| 12. | 3,32,000 | 1 | 19.95 | 3,32,000 | 20.08 | 2,04,000 | 1:1 | 2,04,000 |
| | | 14 | 100.00 | 16,64,000 | 100 | 10,16,000 | | 10,16,000 |

**The Board of Directors of the Company at its meeting held on December 03, 2019 has taken on record the Basis of Allocation of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange viz. National Stock Exchange of India Limited and authorised corporate action form allotment of shares in dematerialised form to various successful applicants.**
**The CAN and allotment of advice and / or notices shall be dispatched to the address of the Applicants as registered with the depositories / as filed in the application form on or before December 05, 2019. Further, the instructions to the SCCB's has been issued on December 03, 2019 for unblocking of funds. The equity Shares allocated to successful applicants has been credited to their beneficiary accounts on on or before December 05, 2019. In case the same is not received within prescribed time, Investors may contact the register to the offer at the address given below. The Company is taking steps to get the equity shares admitted for trading on the SME plat form of National Stock Exchange India Limited within six working days from the date of closure of the offer.**
**The trading is proposed to commence on or before December 06, 2019 subject to receipt of listing and trading approvals from National Stock Exchange India Limited.**
**The details of the allotment made will be hosted o the website of the registrar to the Offer at www.skylinerta.com. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar quoting full name of the First / Sole Applicant, serial number of the Application form, number of shares applied for and bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the registrar given below:**

**Skyline Financial Services Limited**
**A/505, Dattani Plaza, Andheri Kurla Road,**
**Safeed Pool, Andheri (E), Mumbai- 400072**
**Telephone: +91 22-28511022/ 02249721245**
**Email: mumbai@ skylinerta.com**
**Investor grievance email: grievances@skylinerta.com**
**Contact Person: Mr. Subhash Dhingreja**
**Website: www.skylinerta.com**
**SEBI Registration Number: INE000003241**
**CIN: U74899DL1995PTC071324**

**For Ascom Leasing & Investments Limited**
**On behalf of Board of Director**
**Sd/-**
**Mr. Tushar Rohitbhai Pandya**
**Managing Director**
**DIN No. 03264783**

**Place – Surat**
**Date – December 04, 2019**

**This level of subscription should not be taken to be indicative of either the market price of the equity shares on listing or the business prospects of ASCOM LEASING & INVESTMENTS LIMITED**
**Note :All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meanings assigned to them in the Prospects dated November 19, 2019**

## आइआइएमसी की अधिक फीस के विरोध में प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

भारतीय जन संचार संस्थान (आइआइएमसी) के विद्यार्थियों ने संस्थान में चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के अधिक शुल्क को लेकर मंगलवार को परिसर में प्रदर्शन किया और दोपहर बाद कक्षाओं का बहिष्कार किया। अधिक शुल्क के संबंध में करीब 30 विद्यार्थियों ने संस्थान के महानिदेशक केएस धतवालिया को पत्र भी लिखा है।

प्रदर्शन में शामिल एक विद्यार्थी का कहना है कि आइआइएमसी में चल रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क बहुत अधिक है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि उनके परिवार की आय 70 हजार रुपए सालाना है और उनके परिवार में छह सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि वह आइआइएमसी से रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता का कोर्स कर रहे हैं जिसका शुल्क डेढ़ लाख रुपए से अधिक है।

> अधिक शुल्क के संबंध में करीब 30 विद्यार्थियों ने संस्थान के महानिदेशक केएस धतवालिया को पत्र भी लिखा है

इसके अलावा रहने और खाने के खर्च को भी इसमें जोड़ लें तो यह खर्च तीन लाख रुपए से ऊपर पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में भला मैं अपनी पढ़ाई कैसे पूरी कर पाऊंगा। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों की मांग है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तर्ज पर आइआइएमसी के पाठ्यक्रमों का शुल्क तय हो।

## तदर्थ शिक्षकों की बहाली के लिए आज से डीयू में हड़ताल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के शिक्षक तदर्थ शिक्षकों की बहाली और उनके वेतन जारी कराने को लेकर बुधवार से हड़ताल पर रहेंगे। इस समय डीयू की परीक्षाएं हो रही हैं और बुधवार से उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शुरू होना है। इस हड़ताल का आह्वान डीयू शिक्षक संघ की ओर से किया गया है।

वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन ने किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं रोकने का वादा करते हुए शिक्षकों से अपील की है कि वे परीक्षा और मूल्यांकन के कार्य को जारी रखें। डूटा उपाध्यक्ष डॉ आलोक पांडेय ने बताया कि प्रशासन की मनमानी के खिलाफ चार दिसंबर से हड़ताल बुलाई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक गुरुवार को सुबह 11 बजे उत्तरी परिसर में गेट नंबर 4 के सामने कला संकाय पर मिलेंगे।

## पढ़े-लिखे युवा राजनीति में आएं : केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

'भारत पूरे विश्व में सबसे अधिक प्रतिभाओं वाला देश है। यहां का युवा नासा से लेकर हरेक क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहा है। इसके बावजूद तंत्र और राजनीति में कमियों के कारण हमारा देश पिछड़ा हुआ है। इसीलिए मैं चाहता हूं कि तंत्र एवं राजनीति को बदलकर देश को आगे ले जाने के लिए पढ़े लिखे युवा राजनीति में आगे आएं'।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ (आइपी) विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से ये बातें कहीं। मंगलवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में कुल 68,662 विद्यार्थियों को अकादमिक वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए उपाधियां दी गईं। इस मौके पर केजरीवाल के अलावा दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आइपी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ महेश वर्मा, दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव, सीएसआइआर के पूर्व डीजी प्रोफेसर समीर के. ब्रह्मचारी समेत विश्वविद्यालय के तमाम लोग मौजूद रहे।

### आइपी विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह

इस अवसर पर विश्वविद्यालय का कुलगीत भी गाया गया। विश्वविद्यालय की स्थापना के 21वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तैयार की गई स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। दीक्षांत समारोह में कुल 68,662 विद्यार्थियों को उपाधियां दी गईं जिसमें 108 पीएचडी, 542 एमबीबीएस, 11,683 स्नातकोत्तर, 55,367 स्नातक, 108 बीडीएस, 656 एमडी/एमएस, 122 डीएम/एम. सीएच और 76 एमफील के विद्यार्थियों को दिया गया। 258 प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

साथ ही 16 असाधारण प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी अवार्ड देकर प्रोत्साहित किया गया। सीएसआइआर के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर समीर के. ब्रह्मचारी ने दीक्षांत संभाषण में बताया कि किसी भी विद्यार्थियों के लिए उसके शैक्षिक जीवन में मूल्य आधारित शिक्षा ज्यादा जरूरी है। कहा कि शिक्षा चार मुख्य स्तंभ उत्कृष्टता, समग्रता, रोजगार एवं मूल्य आधारित शिक्षा पर आधारित होती है। आप टॉपर हो सकते हैं, अच्छी नौकरी मिल सकती है किंतु, यदि आप के पास मूल्य आधारित शिक्षा नहीं है तो आप देश एवं समाज के लिए सार्थक नहीं हो सकते।

## ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दौड़ेगी एक्वा मेट्रो, कैबिनेट ने दी मंजूरी

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 3 दिसंबर।

सेक्टर-71 से ग्रेटर नोएडा नॉलेज पार्क-पांच तक प्रस्तावित एक्वा मेट्रो विस्तार को उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कुल 14.95 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो परियोजना का लाभ ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और गौड़ सिटी आदि इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को मिलेगा। यह विस्तार दो चरणों में किया जाएगा। इस पर 2682 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के साथ तीन माह में निर्माण कार्य शुरू कराने की योजना है। सेक्टर-71 से नॉलेज पार्क-पांच तक प्रस्तावित मेट्रो परियोजना की विस्तृत कार्य योजना रिपोर्ट (डीपीआर) को दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने 2016 में तैयार किया था।

योजना के पहले चरण में सेक्टर-71 से ग्रेटर नोएडा-दो तक किया जाएगा। करीब 9.15 किलोमीटर लंबी इस लाइन पर कुल पांच स्टेशन बनेंगे। दूसरे चरण में लाइन 5.8 किमी लंबी होगी। वर्तमान में नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की एक्वा लाइन सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा डिपो तक 29.707 किमी का संचालन कर रही है। डीएमआरसी ने 2016 में परियोजना की डीपीआर तैयार की थी। प्रदेश सरकार की मंजूरी के बाद अब डीपीआर मंजूरी के लिए एनसीआर प्लानिंग बोर्ड, वित्त मंत्रालय, लोक निवेश बोर्ड (पीआइबी) और शहरी कार्य एवं आवासन मंत्रालय भारत सरकार को भेजी जाएगी।

## आग में एक जिंदा जला, दो दमकलकर्मी झुलसे

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

तुगलकाबाद इलाके में कबाड़ के दो गोदामों में आग लगने से एक व्यक्ति जिंदा जल गया और दो दमकलकर्मी गंभीर रुप से झुलस गए। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। छह लोगों को आग की चपेट में बाहर निकालकर जान बचाई गई। सोमवार देर रात लगी इस आग की सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 39 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। इसमें लाखों रुपए का नुकसान का अंदेशा है। तुगलकाबाद थाना पुलिस ने मामले में कबाड़ गोदाम के मालिक गुड्डू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक तुगलकाबाद के छुरिया मोहल्ले में गुड्डू नाम का एक युवक कबाड़ का गोदाम चलाता हैं। गुड्डू ने करीब 500 गज के प्लॉट में अपना गोदाम बनाया हुआ है। गोदाम के साथ ही खाली जगह में तीन-चार झुग्गियां भी बनी हुई थी। गुड्डू के यहां काम करने वाले सात लोग यहां झुग्गी में रहते हैं। इसमें तीन महिलाएं व चार पुरुष शामिल थे।

## खबरों में शहर

### आइआइटी की छात्रा को किया सम्मानित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली की छात्रा अंकिता गुलाटी को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने एंपावरमेंट ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटी-2019 पुरस्कार से सम्मानित किया। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर उन्हें यह राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। गुलाटी ने दिव्यांगों को आसानी से सिखाने के लिए एक डिजाइन लर्निंग रिसॉर्स विकसित किया है। जो दिव्यांगों के जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से निर्माण किया गया है। अंकिता ने स्टार्टअप से प्रेरित होकर यह कार्य किया है। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों को आगे आने का प्रयास करना चाहिए।

### उद्घाटन

हंसराज स्मारक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक उत्सव मनाया गया।

### स्कूल का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न

नई दिल्ली, 3 दिसंबर।
जनसत्ता संवाददाता

हंसराज स्मारक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिलशाद गार्डन का वार्षिकोत्सव कार्यक्रम यमुना क्रीड़ा परिसर के सभागार में हुआ। समारोह में पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर, पूर्वी दिल्ली नगर निगम के डिप्टी मेयर संजय गोयल, पूर्वी दिल्ली नगर में चेयरमैन स्टैंडिंग कमेटी ईडीएमसी संदीप कपूर, शाहदरा के जिलाध्यक्ष राम किशोर शर्मा मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत विद्यालय के प्रबंधक अरुण कुमार महाजन, प्रधान सुरेश कुमार महाजन, उप प्रधान प्रवीण महाजन व संजीव महाजन, महासचिव अरुण कुमार महाजन, सचिव योगेश महाजन, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र महाजन और विद्यालय की प्रधानाचार्य अंजू सिंह ने पुष्प मालाओं से किया। प्रबंधक अरुण महाजन ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। स्कूल के पूर्व व वर्तमान छात्र-छात्राओं को शिक्षा व खेल के क्षेत्र में और अन्य गतिविधियों में उत्तम प्रदर्शन के लिए अतिथियों ने पुरस्कार दिए। विशेष रूप से विद्यालय की 11वीं कक्षा की छात्रा प्रगति को तीरंदाजी में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमती अंजू सिंह ने विद्यालय की 2018-19 की वार्षिक गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। मंच का संचालन आकांक्षा आर्या एवं मृदु गुप्ता ने किया।

### शिक्षण में खेलकूद की अहम भूमिका : अनिक

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

विकास नगर स्थित पायनियर कमल कॉन्वेंट स्कूल में सालाना पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें कई विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। स्कूल के प्राचार्य अजय तिवारी के मुताबिक शिक्षाविद वेद टंडन और अनिक कुमार (डीडीई) ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। अनिक कुमार ने जहां शिक्षण में खेलकूद की अहम भूमिका बताई वहीं वेद टंडन ने कहा कि आज का दौर सामान्य शिक्षण वाला नहीं है। विशिष्ट और तकनीकी दक्षता को जरूरी बताया।

### संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए कार्यक्रम आयोजित

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

गाजियाबाद में हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट ने प्राचीन पद्धतियों को वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत करते हुए लोगों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। एबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यक्रम हुआ। कहा गया कि मानसिक और आध्यात्मिक पहलुओं को शामिल किए बगैर हम संपूर्ण स्वास्थ्य को नहीं पा सकते।

## आज के कार्यक्रम

### सभा-संगोष्ठी प्रदर्शनी

**आइफैक्स** : फोटो कला प्रदर्शनी, आइफैक्स, एक-रफी मार्ग, सुबह 11 बजे से, पांच दिसंबर तक।
**जापानी फाउंडेशन** : कार्यशाला 'हार्मोनी' का आयोजन, पांच ए, रिंग रोड लाजपत नगर चार, सुबह 10 बजे से, 21 दिसंबर तक।



www.readwhere.com

ADVERTORIAL

An initiative by RED Read. Engage. Deliver.

# जमनालाल बजाज पुरस्कार - 2019 द्वारा गांधीवादी 'योद्धाओं' का सम्मान

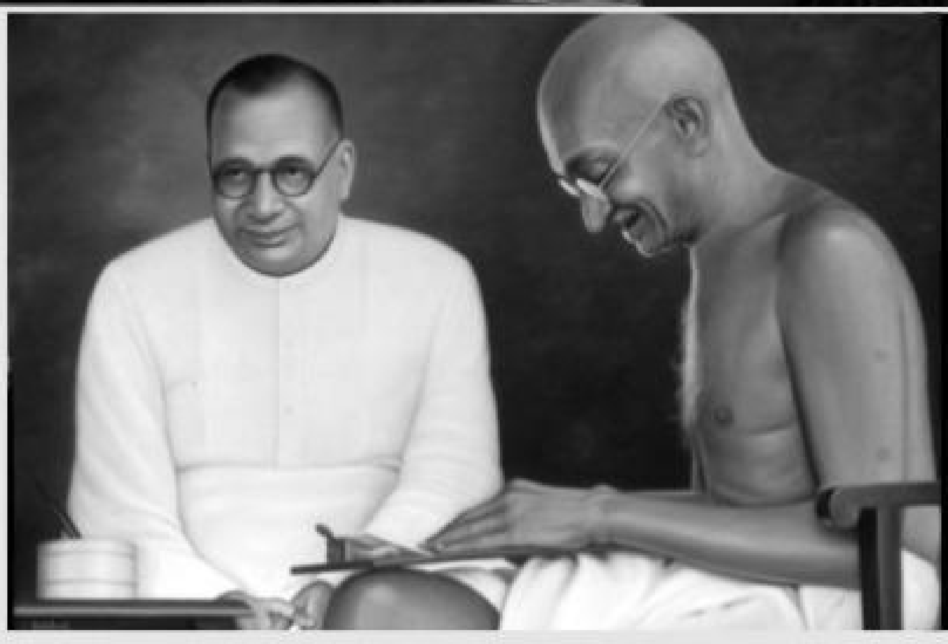

"मैं यह विश्वासपूर्वक कह सकता हूँ कि जमनालालजी ने एक पाई भी अनीति से नहीं कमाई, और जो कमाया वह संपूर्णतः जनता जनार्दन के लिए ही खर्च किया."

– महात्मा गांधी

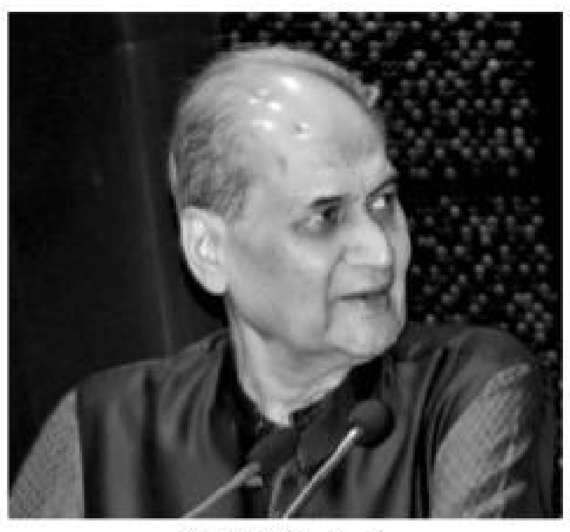

**राहुल बजाज**
**अध्यक्ष,जमनालाल बजाज फाउण्डेशन**

मूलभूत मानव मूल्य शाश्वत हैं. अपनी ही नैतिकता में तपकर, लालच और अपने अहम् के कारण हमारी आँखों पर परदा पड़ सकता है. किंतु अंतत: हमने कितने लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है, यही हमारे जीवन को मापने का पैमाना बनता है. इस पैमाने के अनुसार हमारे सम्मान मूर्ति अत्यंत धनी हैं और हम सभी के साथ अपनी समृद्ध भावनाओं को साझा करने के लिए हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं. ये संसार आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से एक कठिन स्थान है. लेकिन इसके बावजूद दुनिया को बेहतर बनाने के लिए सतत एक नया संघर्ष जन्म लेता रहता है. हमें निराशावादी नहीं होना चाहिए, और साथ ही हमें बहुत सारी आकांक्षाएं भी नहीं रखनी चाहिए. परिवर्तन तो अनपेक्षित तरीकों से ही होता है. हमें सही मार्ग को कभी त्यागना नहीं चाहिए. अपने जीवन में हमें इसी पथ पर चलने और इसे प्रतिबिंबित करने का प्रयास करना चाहिए, फिर चाहे हम कितने ही निर्बल क्यों न हों.

**भवानी शंकर कुसुम**
**(राजस्थान)**

आज मेरे मन में यह विचार आता है कि क्या मैं देश के ऐसे महान सपूत जमनालालजी बजाज के नाम पर गठित पुरस्कार प्राप्त करने का पात्र हूं? मैं उनके त्याग, गरिमामय व्यक्तित्व और सतत कर्मशील जीवन के प्रति नत मस्तक हूं.

गांधीजी से मुझे सोचने की शक्ति, कर्म की प्रेरणा और सार्थक ढंग से जीवन जीने का मंत्र मिला. ईशावास्योपनिषद, जिसे गांधीजी भारतीय संस्कृति का मूल आधार मानते थे, का एक श्लोक है– 'कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समा:' अर्थात मनुष्य को कर्म करते हुए 100 वर्ष जीने की कल्पना करनी चाहिए. इसलिये प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन तथा महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए सतत् प्रयत्नशील रहना ही जीवन का उद्देश्य बनाया है.

**मोहम्मद इमरान खान मेवाती**
**(राजस्थान)**

प्रतिभा तो मानव जाति की जमा पूँजी होती है, उसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए. पढ़ाई का अवसर तो सबको समान मिलने चाहिए. शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके ज़रिए किसी परिवार, समाज या किसी तबके को, जो पिछड़ रहा है उसे आगे बढ़ाया जा सकता है. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से अन्य मसले जैसे सामाजिक बुराइयां स्वत: ही काबू में होने लगती हैं. हम सभी को इस दिशा में ज़रूर सोचना चाहिए कि हम 'पाने वाले' से 'देने वाले' कैसे बनें.

रचनात्मक कार्य के क्षेत्र में बेहतरीन योगदान के लिए जमनालाल बजाज पुरस्कार –2019 प्राप्त करते हुए भवानी शंकर कुसुम (राजस्थान).

ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्रियान्वयन हेतु जमनालाल बजाज पुरस्कार–2019 प्राप्त करते हुए मोहम्मद इमरान खान मेवाती (राजस्थान).

महिलाओं और बच्चों के विकास एवं कल्याण के लिए जमनालाल बजाज पुरस्कार –2019 प्राप्त करती शाहीन मिस्त्री (महाराष्ट्र).

विदेशों में गांधीवादी मूल्यों के प्रसार के लिए जमनालाल बजाज अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार –2019 प्राप्त करती सोनिया डेटो (मेक्सिको).

(बाएँ से) मिनल बजाज (मानद निदेशक – जमनालाल बजाज फाउण्डेशन), डॉ. मरिअम्मा ए. वर्गीस (अध्यक्ष – महिला एवं बाल कल्याण पुरस्कार), शाहीन मिस्त्री, धीरजलाल मेहता (अध्यक्ष – रचनात्मक कार्य पुरस्कार), भवानी शंकर कुसुम, डॉ. आर. ए. मशेलकर, एफआरएस (अध्यक्ष – परामर्शदाता परिषद), सद्गुरु (संस्थापक, ईशा फाउंडेशन), राहुल बजाज (अध्यक्ष – जमनालाल बजाज फाउण्डेशन), मोहम्मद इमरान खान मेवाती, डॉ. अनिल काकोडकर (अध्यक्ष – विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार), सोनिया डेटो , अनु आगा (अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार), मधुर बजाज (न्यासी, अध्यक्ष,जमनालाल बजाज फाउण्डेशन)

### परामर्शदाता परिषद

डॉ. आर. ए. माशेलकर, एफआरएस (अध्यक्ष), अनु आगा, राधा भट्ट, डॉ. फिरोज़ा गोदरेज, डॉ. सुदर्शन आयंगर, डॉ. अनिल काकोडकर, डॉ. एस. एन. सुब्बा राव, संजित (बंकर) रॉय, सुप्रिया सुले, डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन, डॉ. मरिअम्मा ए. वर्गीस, मिनल बजाज (मानद निदेशक).

### पूर्व मुख्य अतिथिगण

एन. संजीव रेड्डी, दादा धर्माधिकारी, इंदिरा गाँधी, डॉ. नोरमन बोरलोग, जेम्स कॅलाघन, आर. वेंकटरामन, न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्ला, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, राजीव गाँधी, स्वामी रंगनाथानंद, डॉ. हार्बर्ट शामबेक, सी. सुब्रह्मण्यम, के.आर. नारायणन, पांडुरंग शास्त्री आठवले, दलाई लामा, एच.डी. देवे गौड़ा, मनोहर जोशी, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. पी.सी. एलेक्ज़ेंडर, कृष्णकांत, डॉ. मनमोहन सिंह, भैरोसिंह शेखावत, विरेन जे. शाह, डॉ. एल. एम. सिंघवी, प्रो. अमर्त्य सेन, एन. आर. नारायणमूर्ति, श्री श्री रविशंकर, हामिद अंसारी, स्वामी बाबा रामदेव, प्रतिभा पाटिल, मुरारी बापू, डॉ. न्यायमूर्ति सी.एस. धर्माधिकारी, प्रणब मुखर्जी, कैलाश सत्यार्थी, राजमोहन गांधी, अरुण जेटली और एम. वेंकैया नायडु.

**न्यास मंडल** (बायें से) कैलाश सत्यार्थी, राहुल बजाज (अध्यक्ष), धीरजलाल मेहता, मधुर बजाज.

## जमनालाल बजाज फाउण्डेशन

बजाज भवन, जमनालाल बजाज मार्ग, 226 नरिमन पॉइंट, मुंबई 400 021 भारत.

Phone: 022-2202 3626. Email: info@jamnalalbajajfoundation.org, secretary@jamnalalbajajfoundation.org

nominations@jamnalalbajajfoundation.org
(ONLY for Nomination inquiries & submissions)

Visit www.jamnalalbajajfoundation.org, www.jamnalalbajajawards.org
www.bajajgroup.company, https://www.facebook.com/JBF Mumbai

**पुरस्कार – 2020 के लिए नामांकन आमंत्रित हैं.**

http://jamnalalbajajawards.org/nomination-forms
(For ONLINE submissions)

**मुख्य अतिथि**
**सद्गुरु**
**संस्थापक, ईशा फाउंडेशन**

स्वयं में परिवर्तन लाए बिना समाज को बदलना, दुनिया को बदलना बस एक कोरी बात ही रहेगी. अब समय आ गया है कि इसमें व्यक्ति अपना योगदान दे. समाज कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं रखता. समाज तो हम सभी के अपने–अपने स्वभावों को मिलाकर बनता है. यदि हम इसे शांतिपूर्ण नहीं बनाते हैं, यदि हम इसे अपने आपसी विवादों से मुक्त नहीं रखते हैं तो ये चर्चा अंतहीन रूप से चलती ही रहनेवाली है.

यदि आप और मैं यहाँ पर शांतिपूर्वक बैठे हुए हैं तो हमें शांति के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, तब तो सारा संसार ही शांतिपूर्ण प्रतीत होगा. लेकिन यदि हम इस स्थिति को लाना चाहते हैं तो आपको और मुझे ये देखना होगा कि हम अपने भीतर ऐसा क्या कर सकते हैं जो हमारे स्वभाव को आनंदमय बना सके.

महात्मा गांधी का संदेश भी यही था. वे देश या लोगों से जो अपेक्षा रखते थे, उसका प्रयोग अपने तरीके से सर्वप्रथम स्वयं के साथ करते थे कि क्या वे जो दूसरों से अपेक्षा कर रहे हैं वह पूर्ण सत्य है.

**शाहीन मिस्त्री**
**(महाराष्ट्र)**

मैं चाहती हूँ कि मैं अधिक बच्चों के लिए और भी अधिक काम करती रहूँ क्योंकि ये कहानियाँ न मैंने सुनी हैं और न ही मेरी उपज हैं. ऐसा बहुत कुछ है जो मुझे नहीं पता, लेकिन इस सच्चाई को मैं भलीभाँति जानती हूँ. यदि हमारे बच्चे कल नहीं बल्कि आज के सपने देखें. यदि वे प्रस्तुत स्थितियों में नहीं बल्कि अपेक्षित परिस्थिति को निर्मित करने में विश्वास करें. यदि उन्हें स्कूल से नहीं बल्कि जीवन से सीखने के अवसर मिलें. यदि वे खुद से और अपने आस पास हर किसी से प्रेम करें तो ये दुनिया खूबसूरत बन जाएगी– अधिक सुशील, उदार, प्रमाणिक हो जाएगी. दुनिया से दु:ख दूर होगा और सुख के प्रकाश से भर जाएगी.

**सोनिया डेटो**
**(मेक्सिको)**

हमारे भीतर नष्ट करने के बजाय सृजन करने की आकांक्षा पैदा होती है, और इसके साथ हम समग्रत: मानव–केंद्रित दृष्टिकोण से अहिंसा या प्रेम की साधना में स्वयं को तथा एक–दूसरे को शिक्षित करने के लिए तत्पर होते हैं, जो इस धरती पर शांति के उत्थान का सबसे प्रभावशाली साधन है.

सभी लोगों के कल्याण एवं स्वायत्तता की दिशा में इस सामूहिक यात्रा में हम सत्य पर जोर देने का आह्वान करते हैं, ताकि अहिंसा की शक्ति को दृश्यमान बनाया जा सके. वैश्विक सहभागिता के इस रंगमंच पर हम सभी अहिंसा का अभिनय करने वाले कलाकार हो सकते हैं.

## महंगा परिचालन

अर्थव्यवस्था की सुस्ती को लेकर अभी बहसें चल ही रही हैं कि रेलवे की हालत ठीक न होने के आंकड़े ने सरकार के लिए नई चिंता पैदा कर दी है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी ने रिपोर्ट दी है कि 2018-19 के दौरान रेलवे की कमाई और परिचालन खर्च में बहुत कम अंतर था। उसे सौ रुपए कमाने के लिए अट्ठानबे रुपए चौवालीस पैसे खर्च करने पड़े। यह पिछले दस सालों में सबसे अधिक परिचालन खर्च है। यह तब है, जब रेलवे ने पिछले सालों में यात्री और माल भाड़े में बढ़ोतरी की है। इस दौरान कई नई गाड़ियां भी चली हैं। यात्रियों की संख्या बढ़ी है। फिर भी उसकी कमाई और परिचालन खर्च में बहुत कम का अंतर रह गया है, तो यह निस्संदेह चिंता का विषय है। जिस वर्ष का रेलवे के परिचालन पर खर्च का लेखाजोखा पेश किया गया है, उस वर्ष उसने अपनी कुछ ग्राहक कंपनियों से अग्रिम शुल्क ले रखा था, वरना उसके लिए अपना खर्च संभालना मुश्किल होता। इसलिए सीएजी ने सुझाव दिया है कि रेलवे को अपनी आंतरिक आय बढ़ाने के उपायों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि सकल बजटीय प्रावधान पर निर्भर न रहना पड़े।

रेलवे की कमाई का सबसे बड़ा स्रोत माल ढुलाई है। उसके बाद यात्री भाड़ा और फिर कुछ आमदनी रेलवे स्टेशनों पर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए दी गई जगहों के किराए से हो जाती है। पिछले कई सालों से रेलवे को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करने का दम भरा जा रहा है। इसमें रेलवे स्टेशनों की मरम्मत, गाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने और उनमें सुरक्षा और यात्री सुविधाएं बेहतर बनाने का संकल्प दोहराया जाता रहा है। ऐसे में जाहिर है कि परिचालन खर्च बढ़ने से रेलवे के लिए इन पक्षों पर आगे कदम बढ़ाने के लिए काफी सोचना पड़ेगा। पहले ही नई पटरियां बिछाने, पुराने पुलों की जगह नए पुल बनाने, रेल लाइनों के विद्युतीकरण, गाड़ियों में टक्कररोधी उपकरण लगाने आदि जैसी रेलवे की अनेक परियोजनाएं लंबे समय से लटकी पड़ी हैं। कमाई न हो पाने से नई परियोजनाएं शुरू करना तो दूर, रुकी हुई परियोजनाओं को गति दे पाना ही कठिन होगा।

रेलवे की कमाई घटने की कुछ वजहें समझी जा सकती हैं। इसका सीधा संबंध अर्थव्यवस्था की सुस्ती से है। छिपी बात नहीं है कि औद्योगिक क्षेत्र का उत्पादन काफी घटा है। वाहन और कपड़ा उद्योग जैसे कई क्षेत्रों पर आर्थिक मंदी की बहुत बुरी मार पड़ी है। स्वाभाविक ही इससे रेलवे की माल ढुलाई पर असर पड़ा है, जो कि उसकी कमाई का बड़ा जरिया है। यानी जब तक औद्योगिक क्षेत्र में तेजी नहीं आती, रेल के पहियों में भी सुस्ती बनी रहेगी। जाहिर है, इस सुस्ती से पार पाने के लिए रेलवे को कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। उनमें से पहला कदम यही हो सकता है कि वह अपने भाड़े और किराए में बढ़ोतरी करे। मगर इसका सीधा असर मुसाफिरों पर पड़ेगा। लोग पहले ही महंगाई से परेशान हैं, रेल भाड़े में बढ़ोतरी उन पर अतिरिक्त बोझ साबित होगी। यों रेलवे कई स्टेशनों के रखरखाव की जिम्मेदारी निजी हाथों को सौंप रहा है। उससे उसका खर्च कुछ कम हो सकता है। मगर मुसाफिरों की जेब पर उसका भार पड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता। रेलवे सार्वजनिक परिवहन का बड़ा तंत्र है, अगर उसकी स्थिति सुधारने का प्रयास जल्दी नहीं किया गया, तो यह सरकार की बड़ी विफलता साबित होगी।

## हादसों की सड़क

राज्यसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान सड़क हादसों पर जो तस्वीर सामने रखी गई, उससे फिर यह सवाल उठा है कि क्या केवल कानूनों को ज्यादा सख्त बनाना किसी मसले से निपटने का अकेला जरिया हो सकता है! करीब चार महीने पहले ही सरकार ने हादसों में कमी लाने के मकसद से सड़क सुरक्षा के लिए कठोर प्रावधानों से लैस मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक को मंजूरी दी थी। मकसद यही था कि कानूनी सख्ती से लोगों में वाहन चलाते समय भय काम करेगा और इस तरह सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाया जा सकेगा। मगर हकीकत यही है कि लोग वाहन चलाते समय मनमानी करते हैं और कानूनी सख्ती का भय उनमें कम ही होता है। ऐसे चालकों की संख्या काफी है, जो यातायात नियमों का पालन करना अपनी शान के खिलाफ और मनमाने तरीके से गाड़ी चलाना अपना अधिकार समझते हैं। पर सवाल है कि इस तरह की गैरजिम्मेदारी और लापरवाही से वाहन चलाने का हासिल आखिर क्या है?

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस साल सड़क हादसों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन अफसोसजनक है कि जितनी भी दुर्घटनाएं हुईं, उनमें मरने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई। उनके मुताबिक इसकी मुख्य वजह सड़क इंजीनियरिंग संबंधी खामियां हैं। उनका यह आकलन सही हो सकता है। सड़क पर जो लोग वाहन चलाते हैं, उन्हें उन खामियों के मद्देनजर सावधानी बरतनी चाहिए। लेकिन क्या यह जरूरी नहीं कि अगर सड़कों में ही ऐसी गड़बड़ियां हैं, जो हादसों की वजह बनती हैं, तो उनके बारे में हर स्तर पर जागरूकता फैलाई जाए, जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि लोग सावधानी बरतें? सड़कों पर ऐसी कई जगहें होती हैं, जहां विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, सड़क किनारे बोर्ड पर निर्देश भी लिखा होता है, लेकिन कई वाहन चालकों को उन निर्देशों पर गौर करना जरूरी नहीं लगता। जबकि बेहद मामूली लापरवाही भी बड़े हादसे की वजह बन जाती है और उसमें लोगों की नाहक जान चली जाती है। पिछले साल जनवरी से सितंबर के बीच देश भर में होने वाले सड़क हादसों में कुल एक लाख बारह हजार चार सौ उनसठ लोगों की मौत हो गई और साढ़े तीन लाख से ज्यादा लोग घायल हुए।

विचित्र है कि भारत में दुनिया भर के कुल वाहनों का केवल तीन फीसद है, लेकिन सड़क हादसों में मरने वालों की तादाद के मामले में यह अव्वल है। दरअसल, एक बड़ी विडंबना वाहन चलाने वालों के भीतर खुद है। तय रफ्तार के नियम का पालन करना, शराब पीकर वाहन न चलाना, लेन में रहना, वाहन चलाते समय सजग रहना जैसे कुछ यातायात नियमों का ही पालन कर लिया जाए, तो सड़क हादसों में काफी कमी लाई जा सकती है। फिर दुर्घटना की स्थिति में अगर सरकार समय पर घायलों को इलाज मुहैया कराने की व्यवस्था कर दे, तो बहुत सारे लोगों की जान बचाई जा सकती है। इसके अलावा, वाहन चालकों को यह समझने की जरूरत है कि नियमों का पालन न केवल सुचारु यातायात व्यवस्था के लिए जरूरी है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के साथ-साथ खुद का जीवन भी सुरक्षित रहने के लिहाज से अनिवार्य है। अच्छी सड़कें आधुनिक यातायात व्यवस्था के लिए जरूरी हैं, लेकिन उन पर वाहन चलाने का सलीका अगर न हो तो वही सड़कें जानलेवा साबित हो जाती हैं।

### कल्पमेधा

किसी देश की शक्ति छोटे विचारों के बड़े आदमियों से नहीं, बल्कि बड़े विचारों के छोटे आदमियों से बनती है।
-स्वामी रामतीर्थ

# उम्र घटाती रोशनी

अखिलेश आर्येंदु

**लोगों को यह भी नहीं मालूम कि आंखों को चौंधिया देने वाली ये बत्तियां उनकी उम्र को कम करने की वजह बन रही हैं। लोगों के लिए तो पार्कों, गलियों और सड़कों पर बत्तियों का होना विकास का पैमाना है। मगर इस तथाकथित विकास के पैमाने में उनकी जिंदगी का पैमाना गड़बड़ा रहा है, यह किसी को नहीं मालूम।**

वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और मृदा प्रदूषण से पैदा होने वाली समस्याओं से लोग वाकिफ हैं। इनके चलते होने वाली बीमारियां पहले ही चुनौती बनी हुई हैं। इनका असर खेती-किसानी से लेकर सामान्य जन-जीवन पर पड़ रहा है। इसलिए इन प्रदूषणों को कम करने की कवायदें भी विश्व स्तर पर जारी हैं। मगर प्रकाश प्रदूषण से होने वाली समस्याओं के बारे में लोगों को नहीं जानते या इस तरफ अभी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शायद इसलिए कि दूसरे प्रदूषणों की तरह इस प्रदूषण के प्रभाव भयावह रूप नहीं ले पाए हैं। इसलिए इस खतरे के प्रति लोग आंख मूंदे हुए हैं।

दक्षिण कोरिया स्थित सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर क्योंग-बोक मिन के मुताबिक रात में बाहरी यानी आउटडोर और कृत्रिम प्रकाश की तीव्रता का नींद की दवाओं से गहरा रिश्ता है। अध्ययन के मुताबिक रात में घर के बाहर के तेज प्रकाश का असर नींद पर पड़ता है। इससे अनिद्रा की समस्या बढ़ रही है। इसलिए लोग नींद के लिए दवाओं का सेवन करते हैं। इससे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में जबर्दस्त कमी देखी जा रही है और लोगों की औसत आयु में कमी आ रही है।

प्रकाश प्रदूषण एक ऐसी नई समस्या है, जिसका समाधान निकट भविष्य में संभव नहीं दिखाई देता, बल्कि इस समस्या के दिनोंदिन और बढ़ने के आसार हैं। इसकी वजह यह है कि लगातार नए-नए शहर बसाए जा रहे हैं। शहरों में सुरक्षा-व्यवस्था ठीक रहे, इसलिए सड़कों, पार्कों, व्यावसायिक परिसरों में ऊंचे खंभों पर तेज रोशनी वाली बत्तियां उपयोग की जाने लगी हैं। इसके अलावा जगह-जगह तेज चमक बिखेरने वाले होर्डिंगों और साइनबोर्डों का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। चकाचौंध कर देने वाली ये लाइटें सेहत पर किस तरह और कितना असर डाल रही हैं, इस पर नगरपालिका या सरकार को सोचने का वक्त नहीं है। आमतौर पर आम लोग इस बाबत सोचते ही नहीं हैं। बल्कि सड़कों और घरों के बाहर गलियों में अगर बत्तियां न हों, तो उसके लिए आंदोलन तक पर उतर आते हैं। लोगों को यह भी नहीं मालूम कि आंखों को चौंधिया देने वाली ये बत्तियां उनकी उम्र को कम करने की वजह बन रही हैं। लोगों के लिए तो पार्कों, गलियों और सड़कों पर बत्तियों का होना विकास का पैमाना है। मगर इस तथाकथित विकास के पैमाने में उनकी जिंदगी का पैमाना गड़बड़ा रहा है, यह किसी को नहीं मालूम। यहां तक कि पढ़े-लिखे लोग भी तेज रोशनी को ही तरक्की का पर्याय मानते हैं।

अनेक अध्ययनों से यह तथ्य बहुत पहले सामने आ चुका था कि शहरों, पर्यटन स्थलों, जंगल सफारी आदि में रात को जलने वाली तेज बत्तियों की वजह से वहां रहने वाले पक्षियों और दूसरे वन्य जीवों के स्वाभाविक जीवन चक्र पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उनकी नींद में बाधा उत्पन्न होती है, इससे उनकी प्रजनन क्षमता घट रही है। इस वजह से अनेक पक्षियों और वन्य जीवों की प्रजातियां नष्ट हो रही हैं। मगर उन अध्ययनों के निष्कर्षों को बहुत गंभीरता से नहीं लिया गया। फिर यह सोचने की जरूरत नहीं समझी गई कि अगर वन्य जीवों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ रहा है, तो मनुष्य पर भी जरूर कुछ प्रभाव पड़ता होगा। मगर चकाचौंध को विकास का पर्याय मानने वाली व्यवस्थाओं ने इसे कोई गंभीर समस्या नहीं माना।

यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट के निदेशक और अर्थशास्त्री प्रो माइकल ग्रीनस्टोन के मुताबिक वैश्विक आबादी का पचास फीसद या 5.5 अरब लोग ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां प्रदूषण की समस्या डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित सीमा को पार कर गई है। गौरतलब है कि भारत और चीन में दुनिया की छत्तीस प्रतिशत आबादी रहती है। दोनों देशों में वायु, ध्वनि, जल, मृदा और प्रकाश प्रदूषण की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक इन दोनों देशों में रहने वाले लोगों की औसत उम्र में तिहत्तर फीसद की कमी आई है। उड़ती धूल से जहां सिर दर्द, बुखार, नेत्ररोग, चर्मरोग, श्वासरोग और एलर्जी जैसी समस्याएं विकट होती जा रही हैं, वहीं पर प्रकाश प्रदूषण के कारण अनिद्रा, नेत्ररोग, हृदयरोग और मानसिक रोग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। जिस प्राकृतिक प्रकाश को जिंदगी का कभी सहचर माना जाता था, वह जब कृत्रिम रूप से हमारी जिंदगी का हिस्सा बनता है, तो हमारे लिए समस्या पैदा करने वाला बन जाता है, नए शोध और सर्वेक्षण तो यही कह रहे हैं।

इसी तरह मृदा प्रदूषण से, जिसमें उड़ती धूल की समस्या सबसे ज्यादा है, सब्जियों, फलों, खाद्यान्न और दूसरी खेत में पैदा होने वाली वस्तुएं प्रदूषित हो रही हैं। ऐसी वस्तुओं के सेवन से पेट, मस्तिष्क, त्वचा, आंख, किडनी, लीवर पर अत्यंत घातक असर पड़ रहा है। असमय में समाज के हर आयु वर्ग का व्यक्ति बीमारी से ग्रस्त होने लगा है। कुछ साल पहले यह अध्ययन भी सामने आया था कि गंगा और यमुना जैसी नदियों के प्रदूषित होते जाने की वजह से उनके किनारे के गांवों में मृदा प्रदूषण तेजी से बढ़ा है और उसके चलते वहां कई तरह की बीमारियां खतरनाक स्तर तक बढ़ गई हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक हवा में प्रदूषण और आर्द्रता बढ़ने से वातावरण में 2.5 पीएम से सूक्ष्म कण, ओजोन, नाइट्रेट, सल्फेट और कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा ज्यादा है। प्रदूषण और आर्द्रता से ग्राउंड लेबल पर ओजोन का स्तर बढ़ रहा है। इससे नाक और सांस की नलिकाओं में सूजन और संक्रमण की शिकायत बढ़ रही है जिससे लोग खांसते-खांसते परेशान हैं। प्रदूषण और आर्द्रता बढ़ने से फोटो केमिकल स्मॉग भी बन रहा है। प्रो जेवी सिंह के मुताबिक फोटो केमिकल स्मॉग में निचली सतह पर ओजोन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह ओजोन नाक और सांस की नलिकाओं के म्यूकस (द्रव्य पदार्थ) को नुकसान पहुंचा रही है। इससे आम लोगों में सांस की नलिकाओं में सूजन और संक्रमण हो रहा है। प्रदूषण से अस्थमा और क्रानिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित मरीजों की सांस उखड़ने लगी है।

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या जिस तरह विकराल रूप धारण कर रही है, उससे लगता है कि कुछ ही सालों में विकासशील देशों में रहने वाले लोगों की औसत उम्र में और भी कमी आएगी। आमतौर पर शहरों में रहने वालों को प्रदूषण की समस्या से दो-चार होना पड़ता है, लेकिन अब गांवों और छोटे कस्बों में भी प्रदूषण की समस्या से लोगों को तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत के अनेक प्रदेशों में किसानों द्वारा पराली जलाने से वायु प्रदूषण, डीजे के शोर से ध्वनि प्रदूषण और उड़ती धूल के कणों से पर्यावरण पर प्रतिकूल असर देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि गांवों में रहने वाले लोग उन बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं, जो आमतौर पर शहरों की मानी जाती थीं।

पराली जलाने से हवा और सेहत तो चौपट हो ही रही है, जमीन की उर्वरा-शक्ति में जबर्दस्त कमी देखी जा रही है। सर्वेक्षण के मुताबिक भूमि में अस्सी फीसद तक सल्फर, नाइट्रोजन और बीस फीसद अन्य पोषक तत्त्वों की कमी आई है। इसके अलावा जमीन में मौजूद 'मित्रकीट' नष्ट हो रहे हैं। कीटों का प्रकोप गांवों में बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है और भूमि की जल धारण क्षमता में कमी आ रही है। इस पर गौर करने की जरूरत है। शहरों में घरों और कारखानों का कचरा और गांवों में पराली दोनों पर्यावरण की बर्बादी कर रहे हैं। प्रकाश प्रदूषण की बढ़ती समस्या पर काबू पाने के उपाय जरूरी हो गए हैं।

# जैसे को तैसा नहीं

एकता कानूनगो बक्षी

### दुनिया मेरे आगे

कई साल बाद एक पुरानी दोस्त से मिली। वह कॉलेज के दिनों में अपने अच्छे स्वभाव, चुस्त-दुरुस्त व्यक्तित्व के कारण सबकी चहेती हुआ करती थी। आज जब उससे मिलने एक रेस्टोरेंट में जा रही थी तो यही सोच रही थी कि उससे मिल कर बीते दिनों को याद करके हम खूब ठहाके लगाएंगे और सकारात्मक ऊर्जा से भर उठेंगे। लेकिन वहां पहुंचने के बाद हुआ इससे बिल्कुल अलग। इतने वर्षों बाद वह पूरी तरह बदली हुई नजर आई। उसके चेहरे की चमक और देहयष्टि में तो अंतर आया ही था, स्वभाव भी एकदम भिन्न महसूस हुआ। रेस्टोरेंट के वेटर को ही छोटी-सी बात पर दो बार डांट चुकी थी। आखिर मैंने उससे पूछा- 'तुम इतना बदल कैसे गईं, ऐसी तो नहीं थी कभी?'

इस पर उसने मेरी तरफ बहुत अचंभित भाव से देखते हुए कहा- 'क्या कह रही हो? मैं तो वैसी ही हूं... शायद और परिपक्व हो गई हूं। पहले नासमझ थी। जीवन में आड़े-टेढ़े लोगों और उतार-चढ़ाव भरे रास्ते पर सीधा चलना भी आ गया और लोगों को सीधा करना भी आ गया है अब मुझे। हर हाल में पहले से बेहतर हूं।' यह कह कर वह कुछ व्यथित-सी हो गई तो मैंने बात को बदल दिया। मैंने सोचा कि दूसरों से लड़ते-झगड़ते उसने खुद को ही शायद उलझा लिया है।

मुझे लगता है 'जैसे को तैसा' की कहावत को गलत तरह से समझने से हमें बचना चाहिए। यह सोचना कि किसी ने हमारा बुरा किया तो हम भी उसके साथ बुरा करेंगे, गलत है। उसकी प्रकृति से वह खुद ही अपने लिए दुख के बीज बो रहा है। सामने वाले के जैसा सम व्यवहार करके हम खुद की प्रकृति को भी अनजाने में बदल रहे होते हैं।

इसके विपरीत असल में हमें वैसा व्यवहार करना चाहिए जैसा हम दूसरों से अपने लिए उम्मीद करते हैं। ऐसे में कम से कम हम एक आदर्श व्यवहार का उदाहरण तो अप्रत्यक्ष रूप से सामने वाले को दे ही रहे होते हैं, जो कहीं न कहीं उसके मन को जरूर स्पर्श करेगा। इसके अलावा, दूसरे को सबक सिखाने के चक्कर में अपनी ऊर्जा और समय गंवाने से अच्छा है, वह समय और ऊर्जा खुद को बेहतर बनाने में लगाई जाए।

मेरी दोस्त की तरह ही मनुष्य के व्यवहार में बदलाव होने के कई ऐसे उदाहरण हमारे सामने मौजूद हैं, जिनके चलते व्यक्ति का भविष्य पूरी तरह बदल सकता है। जब कभी कोई दिशाहीन हो जाता है तो उसे अच्छी सलाह, अच्छे वातावरण और अच्छी किताबों के जरिए सही मार्ग पर सफलतापूर्वक लाया जा सकता है। कई पुनर्वास केंद्र इस तरह के काम में संलग्न हैं जो अनेक परेशान लोगों में उमंग और नई उम्मीद जगाने का महत्त्वपूर्ण काम करते रहे हैं।

जब कभी हमारा सामना ऐसे लोगों और वातावरण से हो, जहां संवाद, आचरण और समझ का स्तर कमतर, संकुचित लगे, तब हमें उसी स्तर तक जाने से बचना चाहिए। बल्कि ऐसे में अपने विचारों की श्रेष्ठता, व्यावहारिक और विनम्र आचरण के आदर्श स्थापित कर उस दूषित, कटु वातावरण को बेहतर बनाने का प्रयास करना उचित कहा जा सकता है। जहां विचार अशुद्ध है और सत्य का अभाव होता है, अक्सर वहां संवाद आक्रामक और आवाज बुलंद होती है। वहीं जहां ज्ञान और विवेकशीलता होगी, वहां बड़े-बड़े मसले भी बहुत शांति और विनम्रता से हल हो जाते हैं।

ऐसी बात नहीं है कि वाद-विवाद, मतभेद हमेशा ही विध्वंसकारी या घातक होते हैं। विवेकपूर्ण बहसों, विमर्शों और विचारों के मंथन से ही आखिर में कुछ बेहतर निकल कर आता है। पर जब वाद-विवाद, स्वार्थ, गुस्से और अहंकार से दूषित हो जाए और हर व्यक्ति आत्मकेंद्रित हो जाए, नए नजरिये का स्वागत न हो, तो वह सिर्फ कलह कहा जाएगा। वह घातक है। वहां सब कुछ एकतरफा होता जाता है। जहां किसी भी बात के समर्थन या पुष्टि के लिए वास्तविक और तर्कसंगत तथ्यों का उपयोग नहीं होता, वहां अक्सर एक हंगामा और एक-दूसरे पर दोषारोपण होता रहता है। भूत और भविष्य को लेकर आपसी खींचतान, छीछालेदारी से निरर्थक क्लेश पैदा होने लगता है। ऐसे में अपनी ठीक बात रखना भी व्यर्थ हो जाता है। उस समय खुद को मौन रखना या सही समय का इंतजार करना ही हितकर हो सकता है।

अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर विवाद गलत शब्दों के चयन, बोलने के तरीके और हमारी भाव-भंगिमा से ही बढ़ जाते हैं। ऐसे में हमारा सचेत रहना तो जरूरी है ही, सकारात्मक सोच, सही आचरण और अन्य की मनःस्थिति को समझने का प्रयास काफी हद तक परिस्थिति को बेहतर कर सकता है। हमारा परिपक्व और विनम्र व्यवहार ही हमें उस कठिन रास्ते से पार लगा सकता है।

कहीं आग लगाती है तो हम उस पर पानी डालते हैं और उससे खुद को बचाने का प्रयास भी करते हैं। यही रवैया हमें अपने जीवन में भी रखना शायद बहुत जरूरी है। हर मिजाज के लोग हमें हर रोज मिलते हैं। उनके स्वभाव को हमें अपने पर हावी नहीं होने देना चाहिए। 'जैसे को तैसा' व्यवहार के बजाय अपने सहज और विनम्र स्वभाव के साथ युक्तिसंगत और विवेकपूर्ण व्यवहार शायद एक उचित पहल होगी।

## अपराध और दंड

हैदराबाद में पशु चिकित्सक युवती से बलात्कार और उसकी हत्या की घटना से देश में गुस्से का माहौल है। होना भी चाहिए, आखिर आधी आबादी की सुरक्षा का सवाल है। लेकिन इस सबके बाद खबरिया टीवी चैनलों में एक चर्चा शुरू हुई कि क्या बलात्कार करने वाले को भीड़ के हवाले कर दिया जाए या भारत में अरब देशों जैसे कानूनों को लाया जाए, जिसके तहत मुजरिम का सर काट दिया जाता है। ये मुद्दे गुस्से से उपजी प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं लेकिन कानूनसम्मत और व्यावहारिक नहीं।

हमें ऐसे बयान देते वक्त सिर्फ एक पहलू को नहीं देखना चाहिए, यह गैरजिम्मेदाराना है। अगर हम अरब देशों के नियम-कानूनों को लागू करने की बात करते हैं तो हमें यह भी जान लेना चाहिए कि कई अरब देशों में महिलाओं के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार किया जाता है। सऊदी अरब में महिलाओं को बिना पुरुष के निकलने की आजादी के लिए एक अभियान चलाना पड़ा था। अरब देशों में महिलाओं को अपनी आजादी के लिए समय-समय पर लड़ना पड़ता है लेकिन इसके विपरीत भारत ऐसा लोकतंत्र है जहां महिलाओं को बराबर को अधिकार दिए गए हैं। हम उनसे भारत की तुलना या भारत में उन देशों के नियमों को लागू नहीं कर सकते जहां मुजरिम को पत्थर से मार देने का कानून सिर्फ पुरुषों के लिए नहीं बल्कि महिलाओं के लिए भी लागू है। क्या हम इसके लिए तैयार हैं?

अभिप्राय यह नहीं कि बलात्कारियों को सजा न मिले, लेकिन देश में हम आरोप सिद्ध होने का इंतजार किए बिना ही कैसे किसी को भीड़ के हवाले कर सकते हैं या मार सकते हैं? नगालैंड, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के अलग-अलग तीन ऐसे मामलों में आरोपित को भीड़ ने निर्ममता से मार दिया था लेकिन बाद में जांच में उन तीनों के निर्दोष होने की बात सामने आई। ऐसे किसी निर्दोष की हत्या हम कैसे होने दे सकते हैं?

बलात्कारियों को मृत्युदंड एक अच्छा प्रस्ताव है लेकिन न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत हो और इसी प्रक्रिया में तेजी लाने की आवश्यकता है। आरोप सिद्ध होने के दो माह के अंदर दोषियों को फांसी की सजा हो, यही न्याय होगा। सरकारों और न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि बलात्कार के मामलों में तेजी से सुनवाई हो। न्यायिक प्रक्रिया में जब तक तेजी नहीं आएगी, बलात्कारियों के मन में कानून का भय व्याप्त नहीं होगा।

● *अभिषेक सिंह, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश*

**किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश**

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

चौपाल

## विनिवेश के बजाय

आर्थिक सुधार के मोर्चे पर एक बड़ा कदम बता कर सरकारी कंपनियों का विनिवेशीकरण मौजूदा सरकार की प्राथमिकताओं में दिखता है। पर क्या इससे वास्तव में हमारी अर्थव्यवस्था में सुधार होगा या कंपनियों की कार्यप्रणाली सुधरेगी? इसकी जांच करने पर हम पाते हैं कि विनिवेश के तहत कुछ प्रतिशत शेयर बेच देने से कोई विशेष फर्क पड़ने वाला नहीं है। अगर पूरी तरह से इनका स्वामित्व निजी कंपनियों के हाथों में भी दे दिया जाए तो कई सारी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। कर्मचारियों के हितों का हनन तो होता ही है, उनकी नौकरी तक पर खतरा उत्पन्न हो जाता है।

यह निजीकरण और विनिवेश एक ऐसे माहौल में हो रहा है जब देश में बेरोजगारी एक बड़े संकट के रूप में मौजूद है। साथ ही पूंजी की भारी कमी है, घरेलू कंपनियां घाटे में चल रही हैं, कर्ज में डूबी हैं और बैंकों की हालत भी ढीली है। अपेक्षित कर-संग्रह में सरकार विफल रही है जिसके चलते उसे बार-बार कर जमा करने और सब्सिडी छोड़ने की अपील करनी पड़ती है।

सार्वजनिक कंपनियों की जमीन पर नजरें गड़ाए उद्योगपतियों को ध्यान में रख कर लाभ देने वाले उपक्रमों की भी बिक्री से पैसा उगाही कर सरकार वाहवाही तो लूट सकती है लेकिन इससे आर्थिक संकट और बढ़ेगा ही। तात्कालिक कदम से ज्यादा भविष्य को ध्यान में रख कर फैसला लिया जाना चाहिए। जिम्मेदारियों से भागने की जगह सरकार इन कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन पर काम करे। केवल पूंजी उत्पादन पर ध्यान देने से आर्थिक विषमता को और बढ़ावा ही मिलेगा।

● *विशाल कुमार शर्मा, मोतिहारी, बिहार*

## अवसरवादी राजनीति

आजादी के कुछ वर्ष बाद ही अवसरवादी राजनीति ने अपना क्रूर पंजा फैलाना शुरू कर दिया था, लेकिन हाल के दिनों में इसका प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है। वैसे तो इसके लिए किसी दल विशेष को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है, क्योंकि आज के राजनीतिक वातावरण में कोई भी दल पूरी तरह बेदाग नहीं है। इसी का नतीजा पिछले दिनों महाराष्ट्र की राजनीति में देखने को मिला। यदि सभी राजनीतिक पार्टियां प्रयास करें तो इस प्रकार की अवसरवादी राजनीति से मुक्ति मिल सकती है।

● *कपिल एम वडियार, पाली, राजस्थान*

## साधन की पवित्रता

विषबेल रूपी कई बाबा जब अंकुरित होते हैं, उस दौरान ही इन्हें राजनेताओं से प्रश्रय मिलने लगता है। फिर इनकी काया इतनी विशाल हो जाती है कि इन्हें पालने-पोसने वाले नेता और धर्म के नाम पर तरह-तरह के व्यापार करने वाले लोग खुद को इनके आगे बौना महसूस करने लगते हैं और इनकी कृपादृष्टि पाने के लिए व्यग्र नजर आते हैं। मेरे जैसा सामान्य इंसान किशोरावस्था से यह समझ गया था कि वासनाओं की पूर्ति के लिए कुछ अपवित्र प्रवृत्ति के लोग भी गुरु या संत का चोला धारण करते हैं। आखिर रावण ने भी तो सीताजी का विश्वास जीतने के लिए ऐसा ही किया था! फिर समझ नहीं आता कि लाखों-करोड़ों लोगों को उल्लू बनाने वाले नेता इनके सामने उल्लू क्यों नजर आते हैं?

मुझे नहीं लगता कि जिस व्यक्ति पर बलात्कार, अपहरण और हत्या के मुकदमे चल रहे हों, उसके साथ खड़े होकर किसी नेता को अपनी बत्तीसी दिखानी चाहिए। सत्ता पाने के लिए यदि ऐसे भ्रष्ट तरीके अपनाने पड़ते हैं तो फिर सत्ता पाकर हम आखिर कैसे पवित्र रह सकते हैं? कुछ महीने पहले एक नेता अपनी विजय के उपलक्ष्य में बलात्कार के आरोपी एक नेता को धन्यवाद देने जेल गए थे। उनकी पार्टी को उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। गांधीजी को मानने वाले नेता यह भूल जाते हैं कि बापू लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमेशा साधन की पवित्रता पर जोर देते रहे। अमीरों की थैलियों के सहारे राजनीति करने वाले यह भूल जाते हैं कि देश की जनता को बेवकूफ बनाना अंततः उन्हें और देश को महंगा पड़ सकता है।

● *सुभाष चंद्र लखेड़ा, द्वारका, नई दिल्ली*

## उत्तराखंड श्राइन बोर्ड मसला

उत्तराखंड तीर्थ पुरोहित हकहकूकधारी महापंचायत के संयोजक सुरेश सेमवाल का कहना है कि हम तिरुपति मंदिर की तरह संपन्न नहीं हैं। सरकार ने गंगोत्री-युमनोत्री धाम के लिए आपदा के समय से लेकर अभी तक एक भी रुपए नहीं दिया है। हम जजमान और स्थानीय लोगों के सहयोग से काम करते हैं। चार धाम श्राइन बोर्ड बनाने का निर्णय राज्य सरकार ने बिना पंडा समाज को विश्वास में लिए कर दिया हजारों परिवारों को बेघर करने की राज्य सरकार की नियत को सहन नहीं किया जाएगा।

# बैरागी राजाओं के संग्रहालय में हैं बापू के तीन बंदर

राज सिंह

छत्तीसगढ़

'बुरा मत देखो', 'बुरा मत कहो' और 'बुरा मत सुनो'। नैतिक शिक्षा का उपदेश देती, बापू के इन तीन बंदरों की मूर्तियों को कौन नहीं जानता। बंदर की इन तीन मूर्तियों के माध्यम से महात्मा गांधी ने नैतिक शिक्षा का यह संदेश जन-जन तक पहुंचाया, लेकिन इन तीन बंदरों की मूर्तियों के इतिहास से आज भी अधिकतर लोग अनभिज्ञ हैं। मानव जाति को नैतिकता की सीख देती हुई, तीन बंदरों की पत्थर से बनी मूर्तियां रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय में प्रदर्शित की गई हैं। संग्रहालय में लिखा हुआ है कि ये मूर्तियां 16 वीं या 70 वीं शताब्दी की हैं और इन्हें राजनंदगांव के पूर्व शासक महंत राजा घासीदास के व्यक्तिगत संग्रह से प्राप्त किया गया था।

संभव है कि महात्मा गांधी ने भी यह संग्रहालय देखा हो और नैतिकता की शिक्षा देते हुए बंदरों की इन तीन मूर्तियों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने यह संदेश जन-जन तक पहुंचा दिया। महंत घासीदास संग्रहालय छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में है। यह संग्रहालय राजभवन से मात्र कुछ ही कदम की दूरी पर है। इसे नंदगांव रियासत के बैरागी राजा महंत घासीदास ने सन 1875 में बनवाया था। नंदगांव रियासत की राजधानी राजनंदगांव में थी। 1953 में राजमाता जयंती देवी और उनके पुत्र राजा दिग्विजय दास ने इस भवन का पुनर्निर्माण कराया था। संग्रहालय के नए भवन का लोकार्पण भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद के कर कमलों किया गया। रानी जयंती देवी का विवाह 2 मार्च 1932 को नंदगांव के राजा सर्वेश्वर दास से कोलकता में हुआ था। राजकुमारी जयंती देवी मयूरभंज के राजा केशव चंद्र सेन की पौत्री थी। राजा महंत घासीदास नंदगांव रियासत के आठवें राजा थे। 1 जनवरी 1948 को इस रियासत का स्वतंत्र भारत में विलय हो गया। उस वक्त रियासत के आखिरी राजा, दिग्विजय दास नाबालिग थे, इसलिए विलय की संधि पर राजमाता जयंती देवी ने हस्ताक्षर किए। महंत घासीदास संग्रहालय एक पुरातात्विक संग्रहालय है जो भारत के अत्यंत प्राचीनतम 10 संग्रहालय में से एक है। इस संग्रहालय में बैरागी राजाओं के हथियारों के अतिरिक्त देवताओं की अनेक मूर्तियां, प्राचीन सिक्के और छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति से संबंधित अनेक चीजें प्रदर्शित की गई हैं।

नंदगांव रियासत की स्थापना, वैष्णव परंपरा से संबंध रखने वाले निंबार्क संप्रदाय और निर्मोही अखाड़े के संत प्रसाद दास बैरागी ने की थी। प्रसाद दास बैरागी पंजाब से आए थे और वे बिलासपुर के निकट स्थित रतनपुर नामक स्थान पर मराठा राजा बिंबा जी के राजगुरु बन गए थे। प्रसाद दास बैरागी, सनातन धर्म की वैष्णव परंपरा का प्रचार करने के लिए पंजाब से 1665 में रतनपुर आए और मराठा राजाओं ने उन्हें एक छोटी सी जमीदारी दान में दी। बाद में बैरागी संत के उत्तराधिकारी, महंत रघुवर दास और महंत हिमाचल दास ने तीन अन्य जमीदारी भी अपनी रियासत में शामिल कर ली। ये बैरागी राजा निर्मोही अखाड़े से संबंध रखते थे इसलिए उन्हें लड़ाई और शस्त्रों का भी अच्छा अनुभव था। राजनांदगांव के राजा सनातन धर्म के बहुत बड़े संतों में से थे। इसलिए वे राजा होने के साथ-साथ अन्य कई रियासतों के राजगुरु भी थे। उनकी संत प्रवृत्ति की झलक पत्थर से बनी इन तीन मूर्तियों में बड़ी आसानी से देखी जा सकती है जो कुछ भी न बोलकर, कई शताब्दियों से मानव जाति को नैतिकता का पाठ पढ़ा रही हैं।

*(लेखक वरिष्ठ आइएएस अधिकारी हैं)*

# अस्पतालों में मरीजों के अनुपात में नर्सों की कमी

राजीव जैन
जयपुर।

राजस्थान

राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी के साथ नर्सों की भी भारी कमी से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में कुछ वर्षों में नर्सें की नियमित भर्तियां नहीं होने से ज्यादातर अस्पतालों में उनकी कमी हो गई है। प्रदेश के बड़े अस्पतालों में नियमित नर्सें के बजाए संविदा पर नर्सिंगकर्मी लगाए गए हैं, जिनके भरोसे ही मरीजों की देखभाल हो रही है। प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में ही तय हिसाब से आधे से भी कम नर्सिंगकर्मियों के भरोसे मरीजों का इलाज हो रहा है।

प्रदेश में एक तरफ जहां नर्स की कमी है वहीं दूसरी तरफ हजारों की संख्या में युवा नर्सिंग की पढ़ाई करके भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं। सरकार कह रही है कि जल्द ही प्रदेश में 15 हजार से ज्यादा नर्स की भर्ती की जाएगी। बता दें कि प्रदेश में नर्स को कई श्रेणियों में बांट कर भर्तियां की जाती हैं। प्रदेश में एएनएम, एलएचवी, नर्स ग्रेड प्रथम और नर्स ग्रेड द्वितीय श्रेणी के पदों पर नर्स की तैनाती उनके कोर्स के हिसाब से सरकारी अस्पतालों में होती है। एएनएम की नियुक्तियां ज्यादातर प्राथमिक स्वास्थ केंद्रों पर होती हैं जो कि ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। सरकार इन्हें भी संविदा अर्थात अनुबंध के आधार पर ही तैनात करने पर ज्यादा जोर देती है। चिकित्सा जैसे पवित्र काम के लिए अनुबंध पर नर्स लगाने से उनके काम में गुणवत्ता के साथ ही मरीज की देखभाल जैसे मानवीय पहलू गायब ही रहते हैं।

नर्सिंगकर्मियों की कमी पर कई बार डॉक्टरों ने सरकार के आला अफसरों का ध्यान भी दिलाया। इसके बावजूद काउंसिल के मानकों की राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह से धज्जियां उड़ रही है। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जयपुर के सवाई मानसिंह में तो हालत बदतर ही है। इस अस्पताल में मरीजों की संख्या के हिसाब से करीब चार हजार नर्सिंगकर्मी होने चाहिए जबकि मौजूदा समय में सिर्फ 1500 ही नर्सिंगकर्मी कार्यरत हैं। यह अस्पताल मरीजों की संख्या के हिसाब से हर साल एम्स दिल्ली का भी रेकॉर्ड तोड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से प्रदेश में मौजूदा में करीब 64 हजार नर्सिंगकर्मी कार्यरत है, इनमें से पंद्रह हजार तो अनुबंध पर ही हैं। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब 20 हजार नए नर्सिंगकर्मियों की तुरंत जरूरत है। वहीं बेरोजगार नर्सिंग छात्र भर्ती की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

*स्वास्थ्य* विभाग भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। प्रदेश में जल्द ही 737 डॉक्टर और 15500 नर्सिंगकर्मियों की भर्ती की जाएगी। इसके लिए सरकार ने बजट प्रावधान भी कर दिया है। नई भर्तियों के बाद अस्पतालों में नर्स की कमी दूर हो जाएगी। नई भर्तियों के बाद अस्पतालों की व्यवस्था में सुधार के लिए भी सरकार जरूरी कदम उठाएगी। नर्सों की कमी से होने वाली परेशानियों से सरकार चिंतित है।
*- रघु शर्मा, चिकित्सा मंत्री*

*इंडियन* नर्सिंग काउंसिल के मानकों के अनुसार किसी भी अस्पताल में तीन मरीज पर एक नर्सिंगकर्मी होना चाहिए। आउटडोर में 20 मरीजों पर एक नर्सिंगकर्मी, आइसीयू में एक मरीज पर एक नर्स, ऑपरेशन थियेटर में भी एक मरीज पर एक नर्सिंगकर्मी होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा हर अस्पताल में 25 फीसद नर्सिंगकर्मी रिजर्व में रखे जाने चाहिए।
*-डॉक्टर सुनील गुप्ता*

*मरीजों* के अनुपात में प्रदेश के अस्पतालों में नर्स की भारी कमी है। अस्पतालों में नर्स की नियुक्ति आइएनसी के मानकों के अनुसार नहीं है। नर्स की कमी के कारण कई बार मरीजों के तीमारदारों और नर्सिंगकर्मियों के बीच टकराव भी हो जाता है। सरकार को फौरन ही नियमित नर्स की भर्ती प्रक्रिया को शुरू कर अस्पतालों की हालत में सुधार करने के कदम उठाने चाहिए।
*-राजेंद्र राणा, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष*

# श्राइन बोर्ड के खिलाफ सड़कों पर उतरे पंडे-पुरोहित

सुनील दत्त पांडेय
देहरादून।

उत्तराखंड

उत्तराखंड के चारों धामों और 51 मंदिरों के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड श्राइन बोर्ड के गठन के निर्णय के खिलाफ यहां के पंडे-पुरोहित सड़कों पर उतर आए हैं। पंडे-पुरोहितों ने ऐलान किया है कि वे राज्य सरकार के खिलाफ तब तक अपना आंदोलन जारी रखेंगे जब तक राज्य सरकार उत्तराखंड श्राइन बोर्ड बनाने का फैसला वापस नहीं लेती। पुरोहितों ने इसे सरकार का काला कानून बताया है। इसके खिलाफ देहरादून, हरिद्वार, देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग ,कर्णप्रयाग, जोशीमठ समेत उत्तराखंड के विभिन्न शहरों में तीर्थ पुरोहितों ने प्रदर्शन किया और राज्य सरकार का पुतला फूंका। पुरोहितों का कहना है कि ऐसा करके राज्य सरकार हमारे हक हकूक पर डाका डालना चाहती है। उत्तराखंड विधानसभा के सत्र के दौरान पंडे-पुरोहितों ने विधानसभा का घेराव करने का ऐलान किया है।

वहीं विपक्ष ने भी इस मुद्दे का समर्थन किया और सरकार पर पंडे-पुरोहितों के आर्थिक हितों पर हमला करने का आरोप लगाया है। विपक्षी दल का कहना है कि प्रदेश सरकार हजारों सालों से उत्तराखंड के मंदिरों और चारों धामों में चल रही प्राचीन वैदिक सभ्यता को मिटाने पर तुली है। इस समय उत्तराखंड के चार धामों और चिन्हित किए गए 51 मंदिरों में स्थानीय पांडे और पुजारियों का आधिपत्य है। वहीं उत्तराखंड के चारों धामों गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ के लिए राज्य सरकार ने बद्री केदार मंदिर समिति का गठन किया है। इन चारों धामों की व्यवस्था फिलहाल मंदिर समिति देखती है, जिसके अध्यक्ष महामंत्री और अन्य पदाधिकारियों तथा सदस्यों का मनोनयन राज्य सरकार ही करती है।

उत्तराखंड भाजपा के कई विधायक भी सरकार के इस फैसले से सहमत नहीं है और वे राज्य में पंडित- पुरोहितों के आंदोलित होने से परेशान हैं, क्योंकि उन्हें अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक जमीन खिसकने का भय है। कांग्रेस ने इस आंदोलन को अपना समर्थन देकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। उत्तराखंड के पंडे पुरोहितों के साथ उत्तराखंड के विभिन्न ब्राह्मणों के संगठन भी जुड़ गए हैं। हरिद्वार की हरकी पैड़ी की प्रबंध कारिणी संस्था श्री गंगा सभा, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा जैसे तमाम संगठन भी पुरोहितों के साथ खड़े हैं। साथ ही चार धाम पुरोहित समाज को परिषद का पूरा समर्थन देने की घोषणा की है।

उत्तराखंड पंडे-पुरोहित महापंचायत के महामंत्री हरीश डिमरी की कहना है कि महापंचायत ने आगे की रणनीति तय करने के लिए कोर कमेटी के गठन का फैसला किया है। विधानसभा कूच का फैसला अपनी जगह कायम है। चार धाम श्राइन बोर्ड बनाने के सरकार के फैसले को लेकर विवाद शुरू हो गया है। चारों धाम के तीर्थ पुरोहितों ने सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सड़कों पर उतरने का ऐलान कर दिया है। तीर्थ पुरोहितों ने सरकार के इस निर्णय को काला कानून करार दिया है।

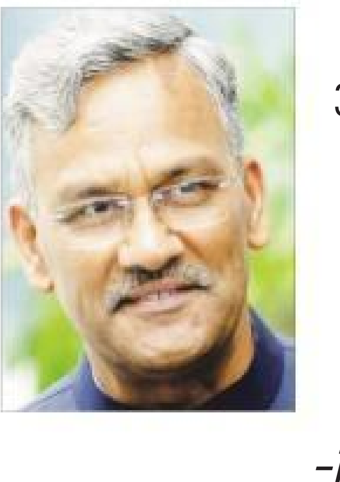

*उत्तराखंड* चारधाम श्राइन बोर्ड का गठन प्रदेश में बड़ी तादाद में आ रहे तीर्थयात्रियों की सुख- सुविधाओं के लिए किया गया है। अनुमान है कि 2030 तक चार धामों में एक करोड़ तीर्थयात्री हर साल आया करेंगे, यह संख्या बढ़ भी सकती है। इसलिए श्राइन बोर्ड का गठन जरूरी है। पंडे पुरोहितों के हितों का भी श्राइन बोर्ड में पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस बारे में विपक्ष गलत राजनीति कर रहा है और गलत परंपराओं को जन्म दे रहा है।
*-त्रिवेंद्र सिंह रावत, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री*

*महापंचायत* ने आगे की रणनीति तय करने के लिए कोर कमेटी के गठन का फैसला किया है। चारों धाम के तीर्थ पुरोहितों ने सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सड़कों पर उतरने का ऐलान कर दिया है। तीर्थ पुरोहितों ने सरकार के इस निर्णय को काला कानून करार दिया है।
*-हरीश डिमरी, उत्तराखंड पंडे पुरोहित महापंचायत के महामंत्री वधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक*

*उत्तराखंड* श्राइन बोर्ड के गठन का फैसला पुरोहितों को बिना विश्वास में लिए किया गया है। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में सालों से मंदिरों और चार धामों की जो व्यवस्था चली आ रही थी। वह वैदिक कालीन परंपरा है, जिसे राज्य सरकार ध्वस्त करना चाहती है। कांग्रेस इस मामले को विधानसभा में जोर-शोर से उठाएगी।
*-डॉ इंदिरा हृदयेश, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता*

*राज्य* सरकार ने चार धाम श्राइन बोर्ड का गठन करने का फैसला लेते वक्त पर्वतीय क्षेत्र के भाजपा विधायकों को विश्वास नहीं लिया, जिससे हमारे लिए असहज स्थिति बनी हुई है और तीर्थ पुरोहित इस बोर्ड के गठन का जोरदार विरोध कर रहे हैं।
*-केदार सिंह रावत, गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक*

# वित्तीय संकट के बीच शताब्दी समारोह

गजेंद्र सिंह
नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश

### ये विवि हुए सौ साल के

| वर्ष | विश्वविद्यालय |
| --- | --- |
| 1857 | कोलकाता, मद्रास, बांबे विश्वविद्यालय |
| 1887 | इलाहाबाद विश्वविद्यालय |
| 1916 | काशी हिंदू विश्वविद्यालय और मैसूर विश्वविद्यालय |
| 1917 | पटना विश्वविद्यालय |
| 1918 | हैदराबाद विश्वविद्यालय |
| 1920 | अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय |

अपनी स्थापना के सौ साल की दौड़ पूरी करने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय दसवां विश्वविद्यालय बन गया है। तमाम झंझावत को पार करते हुए विश्वविद्यालय इस पड़ाव पर खड़ा है कि वह शताब्दी समारोह का जश्न भी वित्तीय संकट के बीच मना रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से सौ साल पूरा करने वाले विश्वविद्यालयों को दी जाने वाली अनुदान राशि भी बंद हो चुकी है और लखनऊ विश्वविद्यालय को अपनी विरासत संभालने को यह मदद भी नहीं मिल पाएगी। वित्तीय संकट से जूझ रहे लखनऊ विश्वविद्यालय को राज्य सरकार से मिलने वाले अनुदान भी 1994 से बंद है।

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने कुल बजट का करीब 150 करोड़ रुपए वेतन पर खर्च करता है। राज्य सरकार की ओर से विश्वविद्यालय को तीन करोड़ रुपए ही दिए जाते हैं। सरकार के पास विश्वविद्यालय के वेतन हिस्से का करीब 160 करोड़ रुपए आता है लेकिन अनुदान बंद किए जाने की वजह से यह भार विश्वविद्यालय प्रशासन को खुद वहन करना पड़ता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ एसपी सिंह बताते हैं कि 1994 में तमाम अनियमितताओं के बाद सरकार ने विवि का अनुदान फ्रीज (रोक) कर दिया। विश्वविद्यालय में कई सालों से पदों के लिए विज्ञापन नहीं निकले लेकिन भर्तियां होती गईं। कई प्राध्यापक भी इसी के तहत भर्ती हुए जो अच्छी तनख्वाह पाते हैं। विश्वविद्यालय खुद से 120 करोड़ रुपए कमाता है जबकि उसका वेतन पर खर्च 150 करोड़ रुपए से अधिक होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय अपने कई कार्यों को करने में असमर्थ है।

डॉ. एसपी सिंह बताते हैं कि यूजीसी की ओर से सौ साल पूरे करने वाले विश्वविद्यालयों को अच्छी खासी धनराशि दी जाती थी, लेकिन पिछली पंचवर्षीय योजना के तहत यह बंद कर दिया गया और फंड करने का प्रारूप बदल दिया गया। डॉ. एसपी सिंह कहते हैं कि अगर यूजीसी की ओर से यह धनराशि मिलती तो विश्वविद्यालय अपनी हालत को सुधार सकता था। क्योंकि 165 साल हो गए इस भवन को जिसके जीर्णोद्धार के लिए काफी रुपए लगेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष नीरज जैन कहते हैं कि विश्वविद्यालय के सौ वर्ष पूरे होने पर केंद्र सरकार से मांग है कि इसे विशेष दर्जा दिया जाए जिससे इसकी अहमियत बनी रहे। यूजीसी से जुड़े एक अधिकारी बताते हैं कि सौ साल पूरे होने पर जो दस करोड़ रुपए की अनुदान राशि दी जाती थी उसे 12वीं योजना के तहत बंद कर दिया गया है। यह 2012 से 2017 तक चलाई गई थी।

### गौरवशाली है इतिहास

एक मई, 1864 को हुसैनाबाद कोठी में शुरू हुए एक कॉलेज को अंग्रेज गर्वनर की याद में बने कैनिंग कॉलेज को 1920 में विश्वविद्यालय का रूप दिया गया और 1921 में विश्वविद्यालय की स्थापना हो गई। 178 कॉलेजों के साथ एक लाख 60 हजार विद्यार्थियों वाले इस विश्वविद्यालय की काफी रकम वेतन के बाद परीक्षा आयोजित करने में खर्च होती है। विश्वविद्यालय के साथ काफी पुराना 1870 का आइटी महिला कॉलेज भी जुड़ा हुआ है। इससे पहले किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज भी जुड़ा था, जिसे 2000 के बाद अलग विश्वविद्यालय का दर्जा दे दिया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना आवासीय विवि के रूप में हुई थी जबकि अन्य की सिर्फ संबद्धता के लिए की गई थी। इलाहाबाद विवि को 1887 में स्थापना के 33 साल बाद 1920 में आवासीय विवि स्थापित किया गया।

### याद रहेगा विश्वविद्यालय का अतीत

1928 में पंडित नेहरू को बचाने के लिए यहां के छात्रों ने लाठियां खाई थीं। 1929 में महात्मा गांधी और सरोजनी नायडू का भाषण हो चुका है। जेपी आंदोलन का भी गवाह रहा है यह विश्वविद्यालय। विश्वविद्यालय से निकले शंकर दयाल शर्मा ने देश के राष्ट्रपति का पदभार संभाला। राजनेता हरीश रावत, केसी पंत, सुरजीत सिंह बरनाला, विजयराजे सिंधिया, राम गोविंद चौधरी, दिनेश शर्मा, इसरो की ऋतु करिधल, गीतकार अमिताभ भट्टाचार्य, क्रिकेटर सुरेश रैना और कई जाने-माने पत्रकार यहां से पढ़े हुए हैं।

www.readwhere.com

केंद्र सरकार का प्रस्ताव

# एकल परीक्षा के जरिए एक ही एजंसी करे ज्यादातर सरकारी भर्तियां

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

• कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रस्तावित कदम किसी भी पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराएगा।

केंद्र ने एक बड़ा कदम उठाते हुए, ग्रुप 'बी' और 'सी' के पदों के लिए होने वाली सभी भर्तियों को एकल परीक्षा - सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के जरिए एक विशिष्ट एजंसी से कराने का प्रस्ताव दिया है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ग्रुप 'ए' और ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) की अन्य सेवाओं के अलावा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस), भारतीय विदेश सेवा (आइएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) और भारतीय वन सेवा (आइएफओएस) के अधिकारियों के चयन के लिए हर साल सिविल सेवा परीक्षा कराता है। इसके अलावा कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) केंद्र सरकार के विभागों के लिए भी भर्तियां करता है- मुख्य तौर पर ग्रुप 'बी' पदों पर कर्मचारियों का चयन करने के लिए।

कार्मिक मंत्रालय ने कहा- ग्रुप 'बी' गैर-राजपत्रित पदों, सरकार में ग्रुप 'सी' के कुछ पद और सहायक सरकारी संगठनों में इन्हीं पदों पर नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों के चयन के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा कराने के लिए एक विशिष्ट एजंसी गठित करने का प्रस्ताव दिया गया है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रस्तावित कदम किसी भी पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों को समान अवसर उपलब्ध कराएगा।

इसके अलावा परीक्षा कराने वाली सरकारी एजंसियों और परीक्षा में शामिल होने वालों के लिए यह किफायती होगा। सिंह ने कहा, 'शासन में सुगमता और जीवन सुगमता के लिए यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों में से एक है।' मंत्रालय ने दूसरे मंत्रालयों/ भारत सरकार के विभागों, राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन और लोगों/ साझेदारों, खासकर सरकारी/ सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों से जवाब मांगा है।

हालिया सरकारी आंकड़ों के मुताबिक एक मार्च, 2018 तक केंद्र सरकार के विभागों में कुल 6,83,823 रिक्त पदों में से, 5,74,289 पद ग्रुप सी, 89,638 ग्रुप 'बी' और 19,896 पद ग्रुप 'ए' के हैं।

# लोकसभा में भाजपा का हंगामा, प्याज पर कांग्रेस का बहिर्गमन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 3 दिसंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए की गई टिप्पणियों को लेकर मंगलवार को लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा सदस्यों ने जमकर हंगामा किया और सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी से माफी की मांग पर अड़े रहे। वहीं प्याज की महंगाई पर अपनी बात नहीं रख पाने पर कांग्रेस ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

लोकसभा में शून्यकाल शुरू होते ही कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने देश में महंगाई और प्याज के बढ़ते दामों के विषय को उठाने का प्रयास किया। चौधरी के खड़े होते ही भाजपा के भी सदस्य अपने स्थानों पर खड़े हो गए और कांग्रेस सदस्य की कल की गई टिप्पणियों पर उनसे माफी की मांग करने लगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए 'घुसपैठिया' शब्द का इस्तेमाल करते हुए दिए गए चौधरी के बयान पर भाजपा के सदस्य सोमवार की तरह ही माफी की मांग करने लगे।

संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि चौधरी को प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए दिए गए अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए। उसके बाद ही उन्हें सदन में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। भाजपा की पूनम महाजन ने कहा कि सोमवार को जब हैदराबाद की घटना पर सारा सदन, सभी दल साथ खड़े थे तो कुछ समय बाद ही चौधरी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए अपमानजनक टिप्पणी की।

उन्होंने कहा कि यह सरकार ऐसी है जहां पहले से कहीं अधिक संख्या में महिला मंत्री हैं और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति में प्रधानमंत्री मोदी के साथ दो-दो महिलाएं रहीं।

महाजन ने कहा कि निर्बल तो चौधरी हैं जो एक ही परिवार की महिला की सुरक्षा, सम्मान के लिए खड़े हैं और देश की महिलाओं की उन्हें कोई फिक्र नहीं है।

भाजपा सांसद ने कहा कि चौधरी पार्टी के एक ही परिवार के लिए खड़े हैं, देश के लिए नहीं। वह प्रधानमंत्री को घुसपैठिया कहते हैं, इसलिए वह निर्बल हैं। उन्होंने और भाजपा के सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए मांग की कि अधीर रंजन चौधरी अपने बयानों के लिए सदन में माफी मांगे।

## व्यापारियों की भंडारण सीमा घटाई

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को खुदरा विक्रेताओं और थोक विक्रेताओं की स्टॉक सीमा कम कर दी। अब प्याज के खुदरा विक्रेता पांच टन और थोक विक्रेता 25 टन ही स्टॉक रख सकेंगे। पिछले कुछ सप्ताह से प्याज के दाम बढ़ रहे हैं। सरकार की ओर से इस प्रमुख सब्जी की आपूर्ति बढ़ाने के लिए कई उपाय किए गए हैं।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पहले खुदरा विक्रेताओं को 10 टन तक और थोक विक्रेताओं को 50 टन तक प्याज का स्टॉक रखने की अनुमति थी। अब यह सीमा आधी कर दी गई है। हालांकि, आयातित प्याज पर यह संशोधित स्टॉक (स्टॉक होल्डिंग) सीमा लागू नहीं होगी।

# होमगार्ड के महानिदेशक हटाए गए, 12 अन्य आइपीएस का भी तबादला

लखनऊ, 3 नवंबर (भाषा)।

उत्तर प्रदेश में सभी जिलों में होमगार्डों की फर्जी ड्यूटी के नाम पर हुए करोड़ों रुपए के घोटाले की गाज अब विभाग के महानिदेशक पर भी गिरी है। उत्तर प्रदेश सरकार के गृह सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने प्रदेश के डीजी होमगार्ड जीएल मीणा को पद से हटा दिया है। मीणा के स्थान पर वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आनंद कुमार को डीजी होमगार्ड का प्रभार दिया गया है।

## अजित और फडणवीस के बीच बातचीत की जानकारी थी : पवार

मुंबई, 3 दिसंबर (भाषा)।

दो दिन के अंदर दूसरा बड़ा खुलासा करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्हें पता था कि पार्टी नेता अजित पवार भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संपर्क में हैं।

पवार ने एनडीटीवी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मैं जानता था कि देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार बातचीत कर रहे हैं, लेकिन यह कयास कि मुझे अजित के राजनीतिक कदम के बारे में पता था, गलत है।' उन्होंने कहा, 'इस गतिविधि के पीछे एक पृष्ठभूमि है। कुछ मुद्दों को लेकर नेहरू केंद्र में मेरी और दिल्ली से आए कांग्रेसी नेताओं में बहस हो गई। एक पल के लिए मुझे लगा मैं इस चर्चा में शामिल न रहूं। अजित भी नाखुश था और उसने मेरे सहकर्मी से बात की कि हम कैसे काम करने जा रहे हैं। सत्ता की साझेदारी को लेकर खींचतान थी।'

पवार ने कहा, 'शिवसेना के साथ चुनाव से पहले कोई बातचीत नहीं हुई थी। हम शिवसेना और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे थे। उनके साथ जुड़ने का कोई सवाल ही नहीं था।'

# गृह मंत्री ने कहा, राजोआना को कोई माफी नहीं

पेज 1 का बाकी

बादल ने कहा कि दल का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से मुलाकात कर उनसे इस मामले पर चर्चा करेगा। शिअद केंद्र और राज्य में भाजपा का सहयोगी दल है।

बादल ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'मैं अपनी पार्टी की ओर से कहना चाहता हूं कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। क्योंकि पहले मीडिया में जो रिपोर्ट आई थी उसके अनुसार भारत सरकार ने गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर राजोआना को माफ करने का निर्णय लिया था।' गौरतलब है कि सितंबर में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने घोषणा की थी कि केंद्र सरकार ने राजोआना को सुनाई गई मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने कहा था कि गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मानवीय आधार पर यह निर्णय लिया गया था। बादल ने कहा कि राजोआना तीस साल से बिना पैरोल के जेल में बंद है जो कि अन्याय है।

## मुंडे ने कोरेगांव-भीमा हिंसा मामलों को वापस लेने की मांग की

पेज 1 का बाकी

कोरेगांव-भीमा गांव में हिंसा हो गई थी। ठाकरे को लिखे पत्र में मुंडे ने दावा किया कि राज्य की पिछली देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सामाजिक कार्यकर्ताओं समेत कोरेगांव-भीमा घटनाक्रम में शामिल लोगों के खिलाफ 'झूठे' मामले दर्ज किए थे।

मुंडे ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाने वाले बुद्धिजीवियों, कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को 'प्रताड़ित' किया था। और उनमें से कई को 'शहरी नक्सली' बताया था।

# राजीव धवन ने कहा, उन्हें अयोध्या मामले से हटाया गया

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अस्वस्थ होने जैसे 'मूर्खतापूर्ण' आधार पर राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद प्रकरण से हटा दिया गया है। डॉ धवन ने सुप्रीम कोर्ट में इस प्रकरण में मुसलिम पक्षकारों की ओर से पैरवी की थी।

इस मामले में शीर्ष अदालत के नौ नवंबर के फैसले पर पुनर्विचार के लिए मौलाना अरशद मदनी की अध्यक्षता वाले जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता एजाज मकबूल ने कहा था कि धवन को अस्वस्थता की वजह से इस मामले से हटा दिया गया है।

राजीव धवन ने इस संबंध में फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी है जिसमें उन्होंने कहा है कि अब इस मामले में पुनर्विचार या किसी अन्य तरह से उनका संबंध नहीं है। धवन ने कहा, 'मैंने एकजुटता के साथ सभी मुसलिम पक्षकारों की ओर से इस मामले में बहस की थी और ऐसा ही चाहूंगा।

# केवल प्रधानमंत्री को विशिष्ट सुरक्षा घेरा

पेज 1 का बाकी

2019 पर राज्यसभा में हुई चर्चा के जवाब में यह बात कही।

उन्होंने साफ किया कि यह विधेयक न तो राजनीतिक प्रतिशोध की भावना के साथ और न ही किसी परिवार विशेष को ध्यान में रखकर लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित कानून के कारण यदि सबसे ज्यादा किसी का नुकसान होगा तो वे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं क्योंकि इस शीर्ष पद से हटने के पांच साल बाद उनसे यह विशिष्ट सुरक्षा घेरा वापस ले लिया जाएगा।

हालांकि विधेयक पर गृह मंत्री की यह सफाई कांग्रेस सदस्यों को संतुष्ट नहीं कर पाई तथा उनके सदस्यों ने वाम /इ /द्दलों और द्रमुक के सदस्यों के साथ शाह के जवाब के बाद सदन से वाकआउट किया। शाह के जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

गौरतलब है कि विधेयक की धारा 4 में एक उपधारा का प्रस्ताव किया गया है कि प्रधानमंत्री और उनके साथ निवास करने वाले उनके निकट परिजनों को एसपीजी सुरक्षा मिलेगी। इसी के साथ किसी पूर्व प्रधानमंत्री और उनके आबंटित आवास पर उनके निकट परिजनों को संबंधित नेता के प्रधानमंत्री पद छोड़ने की तारीख से पांच साल तक एसपीजी सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

शाह ने कहा, 'ऐसी भी बात देश के सामने लाई गई कि गांधी परिवार की सुरक्षा को हटा दिया गया है। हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि सुरक्षा हटाई नहीं गई है। सुरक्षा बदली गई है।' गृह मंत्री ने इस बात पर हैरत जताई कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, वीपी सिंह, आइके गुजराल, पीवी नरसिंह राव आदि के परिजनों की भी एसपीजी सुरक्षा हटा ली गई लेकिन किसी ने आपत्ति नहीं जताई। उन्होंने कहा कि हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की भी एसपीजी सुरक्षा हटा ली गई। किंतु कांग्रेस ने कभी मनमोहन सिंह की एसपीजी सुरक्षा हटाने का विरोध क्यों नहीं किया?

शाह ने कहा कि वे गृह मंत्री होने के नाते गांधी परिवार के साथ साथ देश के सभी 130 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा का दायित्व ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के तीन सदस्यों और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की 'जेड प्लस' सुरक्षा में जिन सुरक्षाकर्मियों को लगाया गया है वे किसी न किसी समय एसपीजी में काम कर चुके हैं।

# पाक गोलाबारी में महिला और किशोर की मौत

पेज 1 का बाकी

किशोर शोएब अहमद की मौत हो गई। गोलाबारी में दो महिलाओं समेत नौ अन्य घायल हो गए पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण नियंत्रण रेखा से सटे तमाम हिस्सों में तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। भारतीय सेना ने रिहाइशी इलाकों में अलर्ट जारी करते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से सटे हिस्सों में जवानों को एहतियात बरतने को कहा गया है।

## किश्तवाड़ में आतंकवादी पकड़ा गया

पेज 1 का बाकी

और गोला बारूद बरामद किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ के एक संयुक्त अभियान में दचन तहसील के साउंदर गांव निवासी तारिक हुसैन वानी को सोमवार की रात इखला पलामार जंगल में एक अस्थायी ठिकाने से गिरफ्तार किया गया।

# कर्नाटक में नाबालिग से बलात्कार और हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बंगलुरु, 3 दिसंबर (भाषा)।

कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के एक गांव में नौ वर्षीय लड़की के साथ कथित रूप से बलात्कार किया गया और उसकी गला दबा कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में 34 वर्षीय दर्जी यल्लप्पा महादेवप्पा सेदम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके साथ लड़की को अंतिम बार देखा गया था। उसका खून से सना हुआ निर्वस्त्र शव सोमवार रात गांव के बाहरी इलाके में तालाब के पास खेत में मिला।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उस व्यक्ति ने लड़की को स्नैक खाने का लालच दिया और फिर उसे खेत में ले गया, जहां उसने कथित तौर पर अपराध को अंजाम दिया। इस घटना के बाद मंगलवार को जिले में विरोध प्रदर्शन हुआ, जहां सैकड़ों लोग सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारी तख्ती पकड़े और नारे लगाते हुए बलात्कारी को मृत्युदंड देने की मांग की। बड़ी संख्या में स्कूली लड़कियों ने भी सड़क पर धरना देकर प्रदर्शन किया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हुई।

विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर गांव में स्कूल बंद रहे, जबकि पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

# 170 करोड़ रुपए लेने पर कांग्रेस को भेजा गया नोटिस

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (भाषा)।

आयकर विभाग ने कांग्रेस को एक कंपनी से 170 करोड़ रुपए की निधि कथित तौर पर लेने पर स्पष्टीकरण मांगते हुए एक नोटिस भेजा है। विभाग ने 3,300 करोड़ रुपए के हवाला रैकेट मामले में कर चोरी की जांच के सिलसिले में यह नोटिस भेजा है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में आगे की जांच के लिए, यहां पार्टी को नोटिस भेजा गया है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र के अग्रणी कॉरपोरेट घरानों से जुड़े कई परिसरों पर दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद में छापों के बाद इस मामले का खुलासा हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, यह निधि हैदराबाद स्थित मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इंजीनियरिंग ने कांग्रेस को भेजी थी। उन्होंने बताया कि आयकर विभाग की नजर इस मामले में कांग्रेस के कुछ पदाधिकारी और आंध्र प्रदेश स्थित एक राजनीतिक दल पर भी है। आयकर विभाग के लिए नीति बनाने वाले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने नवंबर में एक बयान में कहा था कि कर चोरी के बड़े गिरोह का खुलासा करने के लिए ये छापे महीने के पहले सप्ताह में मारे गए थे। बयान में कहा गया था कि फर्जी बिल जारी करने और हवाला लेनदेन करने वाले लोगों के एक समूह पर दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, इरोड, पुणे, आगरा और गोवा में 42 स्थानों पर छापे मारे गए थे।

## भारतीय इंजीनियर ने खोजा लैंडर विक्रम का मलबा

पेज 1 का बाकी

की अपील की। नासा ने कहा कि षनमुगा सुब्रमण्यम ने एलआरओ परियोजना से संपर्क किया और मुख्य दुर्घटनास्थल से लगभग 750 मीटर उत्तर पश्चिम में पहले टुकड़े की पहचान की। नासा ने कहा, 'यह जानकारी मिलने के बाद, एलआरओसी दल ने पहले की और बाद की तस्वीरें मिला कर इसकी पुष्टि की। पहले की तस्वीरें जब मिलीं थी तब खराब रोशनी के कारण प्रभावित स्थल की आसानी से पहचान नहीं हो पाई थी।' नासा ने कहा कि इसके बाद 14-5 अक्तूबर और 11 नवंबर को दो तस्वीरें हासिल की गईं। एलआरओसी दल ने इसके आसपास के इलाके में छानबीन की और मलबा मिला।

# कारोबारी ने पत्नी व महिला सहयोगी संग की खुदकुशी

पेज 1 का बाकी

करने की इच्छा जाहिर की है। कारोबारी के घर से एक खरगोश का भी शव मिला है। मूलरूप से दिल्ली की झिलमिल कॉलोनी के रहने वाले गुलशन वासुदेव (45) करीब डेढ़ महीने पहले कृष्णा सैफायर सोसायटी के फ्लैट नंबर ए- 806 में किराए पर रहने आए थे। इससे पहले वे इंदिरापुरम की एटीएस सोसायटी में रहे थे। उनका दिल्ली के गांधी नगर में जींस का कारोबार है। सोमवार देर रात करीब 11 बजे गुलशन की अपने साढ़ू राकेश वर्मा से काफी कहासुनी हुई थी। घटनास्थल पर पहुंचे एसएसपी सुधीर सिंह के मुताबिक इसी तनाव के चलते गुलशन, उनकी पत्नी परवीन और कारोबार में सहयोग करने वाली महिला संजना ने आत्महत्या कर ली। पड़ताल के दौरान गुलशन की बेटी कृतिका (18) और ऋतिक (15) के शव कमरे में पड़े मिले। कृतिका की गला घोंटकर और ऋतिक की गला रेतकर हत्या की गई थी। घर से एक इंजेक्शन और जहर की शीशी भी मिली है। घर में एक खरगोश का भी शव मिला है। बताया जा रहा है कि खरगोश पाला हुआ था।

पुलिस के मुताबिक दोनों बच्चों की हत्या के बाद गुलशन, परवीन और संजना ने बलकॉनी में कुर्सियों पर चढ़कर एक-साथ नीचे छलांग लगा दी। आठवीं मंजिल से गिरने की जानकारी सोसायटी के सुरक्षा कर्मी ने पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को संजना की सांस चलती मिली। जबकि गुलशन और परवीन की मौत हो चुकी थी। गंभीर हालत में संजना को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां कुछ देर बाद संजना ने भी दम तोड़ दिया। तफ्तीश के लिए पुलिस जब कारोबारी के फ्लैट में पहुंची, तो वहां बेटे और बेटी के शव बिस्तर पर पड़े मिले।

शुरुआती जांच और पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि गुलशन की जींस की फैक्टरी थी। उसमें घाटा होने से वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। एसपी सिटी मनीष मिश्र ने बताया कि गुलशन का अपने साढ़ू के साथ दो करोड़ रुपए को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले में गुलशन ने साढ़ू के खिलाफ मामला दर्ज कराकर उसे जेल भी भेजा था। गुलशन ने दीवार पर लिखे सुसाइड नोट में परिवार की मौत के लिए साढ़ू राकेश वर्मा को जिम्मेदार ठहराया है। दीवार पर राकेश की तरफ से दिए गए चार बाउंस चेक भी कारोबारी ने चस्पा कर रखे थे।

# करतारपुर कॉरिडोर से फैसलाबाद जाते पकड़ी गई भारतीय युवती

पेज 1 का बाकी

करतारपुर कॉरिडोर से गुरुद्वारा दरबार साहिब पहुंची थी। कौर फेसबुक के माध्यम से उस व्यक्ति के संपर्क में थी और गुरुद्वारा में उसने उससे मुलाकात की और एक पाकिस्तानी महिला का परमिट दिखाकर उस व्यक्ति के साथ फैसलाबाद जाने का प्रयास किया।

भारतीय श्रद्धालु हाल में खुले करतारपुर कॉरिडोर के माध्यम से बिना वीजा के गुरुद्वारा दरबार साहिब जा सकते हैं लेकिन वे पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में नहीं जा सकते हैं। इवैक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (विस्थापित न्यास संपत्ति बोर्ड) के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'यह पहली घटना है जिसमें किसी भारतीय सिख महिला ने नौ नवंबर को करतारपुर कॉरिडोर खुलने के बाद से इस सीमित क्षेत्र से बाहर निकलने का प्रयास किया है।' उन्होंने कहा कि महिला पाकिस्तानी व्यक्ति के साथ जाना चाहती थी लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने उसे सीमित क्षेत्र से बाहर नहीं जाने दिया। पाकिस्तान के अधिकारियों ने कहा कि महिला अमृतसर की है वहीं भारतीय मीडिया ने दावा किया कि वह हरियाणा के रोहतक की है।

## दरअसल

# 'प्रियंका की सुरक्षा में सेंध मामले में तीन सुरक्षाकर्मी निलंबित'

पेज 1 का बाकी

दोनों सदनों में उठाया गया। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रियंका के पति राबर्ट वाड्रा ने भी इस मामले में केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की। राज्यसभा में विशेष सुरक्षा बल (संशोधन) विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि 25 नवंबर को प्रियंका गांधी की सुरक्षा पर रहे सुरक्षा अधिकारियों को यह जानकारी मिली थी कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी काली सफारी गाड़ी में उनसे मिलने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एसपीजी सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी और प्रियंका के पति राबर्ट वाड्रा के वाहनों की आवश्यक जांच आमतौर पर नहीं होती। उन्होंने बताया कि यह एक संयोग ही था कि उसी समय मेरठ की कांग्रेस की एक महिला नेता चार अन्य कार्यकर्ताओं के साथ काली सफारी में प्रियंका के आवास पर पहुंची थी और सुरक्षाकर्मियों ने उस गाड़ी को राहुल गांधी का वाहन समझकर उनके वाहन की जांच नहीं की। उन्होंने कहा कि इन लोगों का काले रंग की सफारी गाड़ी में मौके पर पहुंचना महज एक संयोग था। गृह मंत्री ने कहा कि इस संयोग के बावजूद प्रियंका गांधी की सुरक्षा में लगे तीन कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और इस मामले में उच्च स्तरीय जांच चल रही है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के बीके हरिप्रसाद सहित कुछ सदस्यों ने इस बात पर चिंता जताई थी। इस पर शाह ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की सुरक्षा का मामला काफी महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बेहतर होता कि कांग्रेस नेता इस अति महत्त्वपूर्ण मामले को संसद में उठाने या मीडिया में जाने के बजाय उन्हें, सीआरपीएफ या कांग्रेस नेता की सुरक्षा पर निगरानी रख रहे आइजी स्तर के अधिकारी को पत्र लिखकर उन्हें इस बात की सूचना देते।

इससे पहले लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस सांसद एंटनी ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि सरकार ने जब एसपीजी सुरक्षा कवर हटाने की बात की थी तब कहा था कि सीआरपीएफ की पुख्ता सुरक्षा दी गई है लेकिन फिर ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई।

दूसरी ओर कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने मंगलवार को दावा किया कि एसपीजी सुरक्षा हटाकर मुख्य विपक्षी दल के शीर्ष नेताओं के जीवन को खतरे में डाला गया है। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा-तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए सरकार को किसी के जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहिए।

इस मामले में प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि मौजूदा समय में पूरे देश की सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा-यह मामला सिर्फ प्रियंका, मेरी बेटी या बेटे, मेरे या गांधी परिवार की सुरक्षा का नहीं है। यह हमारे नागरिकों, विशेष रूप से हमारे देश की महिलाओं को सुरक्षित रखने और सुरक्षित महसूस कराने का है। पूरे देश में सुरक्षा के साथ समझौता किया जा रहा है।

# 'हमारे नेताओं का जीवन जोखिम में डाला गया'

पेज 1 का बाकी

एसपीजी सुरक्षा हटाकर सरकार ने उसके शीर्ष नेताओं के जीवन को खतरे में डाल दिया है। पार्टी ने यह मुद्दा राज्यसभा में एसपीजी संशोधन विधेयक पर चर्चा के अलावा शून्यकाल में भी उठाया। पार्टी के संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा कि तुच्छ राजनीतिक लाभ के लिए सरकार को किसी के जीवन को खतरे में नहीं डालना चाहिए। प्रियंका गांधी के आवास पर सुरक्षा में लगी सेंध से यह बात साबित होती है सरकार ने एसपीजी सुरक्षा हटाकर हमारे नेताओं के जीवन को खतरे में डाल दिया है। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'आश्वासन के बाद सुरक्षा में खामी दिखती है तो हम विरोध जरूर करेंगे।'

कांग्रेस सांसद एंटो एंटनी ने प्रियंका गांधी के आवास पर सुरक्षा में कथित सेंध लगने का मुद्दा मंगलवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान उठाया। एंटनी ने कहा कि जिस परिवार ने दो प्रधानमंत्री खो दिए हैं, उस परिवार की सुरक्षा में कोताही ठीक नहीं है। उच्च सदन में एसपीजी अधिनियम संशोधन विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के विवेक तनखा ने कहा कि यह विधेयक राजनीति से प्रेरित हो कर लाया गया है जबकि सुरक्षा का मुद्दा पार्टी आधारित राजनीति से बहुत ऊपर होता है। उन्होंने कहा कि 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद एसपीजी का गठन हुआ। जब कानून बना तो प्रधानमंत्री और उनके परिवार को इसकी सुरक्षा के दायरे में लाया गया। '1989 में सरकार बदल गई। सबको पता था कि राजीव गांधी की जान को खतरा है। उनकी सुरक्षा के लिए सरकार से अनुरोध भी किया गया। अंततः 1991 में राजीव गांधी की हत्या हो गई। देश ने एक युवा नेतृत्व खो दिया।'

विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए भाजपा के नीरज शेखर ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य वीआइपी संस्कृति को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि लालबत्ती का चलन भी इसी वजह से समाप्त किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर ने कहा कि जरूरत पड़ने पर पूर्व प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों की सुरक्षा को लिए अलग बल गठित किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली

www.readwhere.com